THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 1 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र पूर्णिमा 2083 गुरुवार, 2 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

संशोधित बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी

'ट्रांसजेंडर अधिकार' से जुड़े कानून में बदलाव लागू

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से संबंधित संशोधित बिल को मंजूरी दे दी है। इस बिल में शारीरिक नुकसान पहुंचाने के लिए श्रेणीबद्ध सजा का प्रावधान भी मौजूद है।

विपक्षी सांसदों ने समलैंगिकों और समलैंगिक महिलाओं को इसके दायरे से बाहर रखने के लिए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 की कड़ी आलोचना की थी। इस बिल में किसी व्यक्ति के ट्रांसजेंडर होने का निर्धारण करने के लिए एक प्राधिकरण की स्थापना की गई है। इस प्रावधान का भी विपक्ष ने कड़ा विरोध किया है। कानून मंत्रालय की 30 मार्च की अधिसूचना के अनुसार, संशोधित कानून केंद्र सरकार की ओर से जारी आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना के माध्यम से निर्धारित तिथि से प्रभावी होगा।

'राजकुमार हार का शतक लगाएंगे'

चाय के साथ चिप भी बनेगी असम की पहचान : पीएम मोदी

गुवाहाटी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार यानी आज असम के दौरे पर हैं। उन्होंने धेमाजी जिले के गोगामुख में सुबह 11 बजे अपनी पहली चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी तीसरी हार तय है। कांग्रेस के 'राजकुमार' हार का शतक लगाएंगे। उन्होंने सर्वानंद सोनोवाल और हिमंत विश्व सरमा के नेतृत्व में हुए 10 साल के विकास कार्यों की भी तारीफ की। यहां उन्होंने भाजपा उम्मीदवार रनोज पेगू और नबा कुमार डोले के पक्ष में जनता से वोट मांगे। अब प्रधानमंत्री विश्वनाथ जिले के लिए रवाना होंगे, जहां दोपहर 1 बजे उनकी दूसरी बड़ी जनसभा होनी है।

चाय के बागान में महिला श्रमिकों से की बात।

प्रधानमंत्री बेहाली में भाजपा उम्मीदवार पल्लव लोचन दास के समर्थन में प्रचार करेंगे। इन कार्यक्रमों में भाजपा के कई बड़े नेता और राज्य सरकार के मंत्री भी मौजूद हैं। रैलियों को देखते हुए सुरक्षा के बहुत कड़े इंतजाम किए गए हैं। अपनी चुनावी रैली से पहले पीएम डिब्रूगढ़ पहुंचे और चाय के बागान में काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की। इसका अनुभव साझा करते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'चाय असम की आत्मा है! यहां की चाय पूरी दुनिया में मशहूर है। आज सुबह डिब्रूगढ़ में, मैं एक चाय बागान में गई और वहां काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की। यह एक बेहद यादगार अनुभव था।' इसके बाद पीएम अपनी पहली रैली को संबोधित करने के पहुंचे। यहां उन्होंने कहा, असम के चुनाव की घोषणा के बाद ये मेरी पहली जनसभा है।

लोगों की यह भारी भीड़ तीसरी बार जीत का पक्का सबूत है। प्रधानमंत्री ने बताया कि जनता के आशीर्वाद से उन्होंने प्रधानमंत्री बनने की हैट्रिक पूरी की है। अब असम में भी भाजपा-एनडीए की जीत की हैट्रिक लगेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव विकसित असम और विकसित भारत बनाने के लिए है।

विकास कार्यों का किया जिक्र

विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि अब तक 22 लाख परिवारों को पक्के घर मिले हैं। भाजपा के संकल्प पत्र के अनुसार, जिन परिवारों को अब तक घर नहीं मिले, उन्हें भी पक्के मकान दिए जाएंगे। आने वाले समय में 15 लाख और परिवारों को घर देने की गारंटी है।

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने का बिल लोकसभा से पारित

> भाजपा-कांग्रेस ने दिया समर्थन

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमरावती को आंध्र प्रदेश की स्थायी और एकमात्र राजधानी के रूप में मान्यता देने वाला बिल बुधवार को लोकसभा से पारित हो गया। भाजपा और तेदेपा के साथ ही कांग्रेस ने भी इस बिल का समर्थन किया। हालांकि आंध्र प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी वाईएसआरसीपी ने इस बिल का विरोध किया। लोकसभा में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 पर बहस शुरू करते हुए कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से बिल का समर्थन करती है, लेकिन राज्य को विशेष दर्जा भी दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अमरावती को बंगलूरू, चेन्नई या हैदराबाद की तरह विकसित किया जाए। विशाखापत्तनम, तिरुपति और कुर्नूल को भी विकसित किया जाए। हम अमरावती को आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी मानते हैं।' आंध्र प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी तेदेपा के सांसद और केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री चंद्र शेखर पेम्मासानी ने भी सदन से अपील की कि बिल को सर्वसम्मति से पास किया जाए ताकि आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी मिल सके।

भाजपा सांसद सीएम रमेश ने कहा कि यह आजाद भारत के इतिहास में पहली बार है जब संसद में किसी स्थान को राज्य की राजधानी घोषित करने के लिए विधेयक पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि अमरावती को स्थायी राजधानी बनाने से कोई इसे बदल नहीं सकेगा। उन्होंने पूर्व की वाईएसआरसीपी की सरकार द्वारा तीन राजधानियों की योजना को तर्कहीन और अव्यवहारिक बताया। वहीं, वाईएसआर कांग्रेस के सांसद पीवी मिथुन रेड्डी ने बिल का विरोध करते हुए कहा कि किसानों के हितों की सुरक्षा और मुआवजे की स्पष्ट समयसीमा के बिना इस बिल का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि अमरावती विकास के लिए राज्य सरकार ने 34,000 एकड़ भूमि अधिग्रहित की थी।

शेल इंडिया ने डीजल में 25 रुपये और पेट्रोल में 7.41 रुपये बढ़ाए

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। शेल इंडिया ने 1 अप्रैल से पेट्रोल और डीजल के दाम में भारी बढ़ोतरी कर दी है। इससे पहले नायरा एनर्जी भी कीमतें बढ़ा चुकी है।

बेंगलुरु में पेट्रोल की कीमत में 7.41 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद सामान्य पेट्रोल 119.85 रुपये और प्रीमियम पेट्रोल 129.85 रुपये प्रति लीटर हो गया है। मनीकंट्रोल की खबर के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि ये बढ़ोतरी ईरान संघर्ष के बाद वैश्विक तेल कीमतों में आई तीव्र वृद्धि से जुड़ी है।

अनिल अंबानी के खिलाफ एक और मुकदमा

अब एलआईसी की शिकायत पर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सीबीआई ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शिकायत पर बुधवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), अनिल अंबानी, अज्ञात अधिकारियों और अन्य के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज किया है। इससे पहले सीबीआई ने तीन मुकदमे और दर्ज कर रखे हैं।

सीबीआई को दी शिकायत में एलआईसी ने आरकॉम और अनिल अंबानी समेत अन्य के खिलाफ 3,750 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। इस मामले में सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ साजिश, धोखाधड़ी, गबन और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है। सीबीआई के मुताबिक, ऑडिट रिपोर्ट में बताया गया है कि आरकॉम और उसके प्रबंधन ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से जुटाए गए धन का दुरुपयोग किया। फंड को सहायक कंपनियों के माध्यम से घुमाया, बिक्री चालान वित्तपोषण (सेल इनवॉइस फाइनेंसिंग) का दुरुपयोग किया और फर्जी बिलों की डिस्काउंटिंग की। साथ ही इंटर-कंपनी डिपॉजिट और शेल संस्थाओं के जरिये व्यवस्थित रूप से धन की हेराफेरी की गई। फर्जी देनदार और प्राप्य राशियां दिखाई गईं और सुरक्षा/संपत्ति के मूल्य को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, बताए गए संपत्तियों के प्रभार और वास्तविक संपत्तियों के बीच भारी अंतर पाया गया।

पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर बम ब्लास्ट

चंडीगढ़, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब व हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में बम ब्लास्ट हुआ है। बुधवार दोपहर बाद सेक्टर-37 स्थित भाजपा मुख्यालय के बाहर धमाका होने से वहां अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना के बाद वहां दशहत का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी है।

दो जहाज 94000 टन एलपीजी लेकर भारत पहुंचे

ईरान बोला-अमेरिका के लिए होर्मुज नहीं खुलेगा, 47 साल की मेहमाननवाजी खत्म

तेहरान, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। यूएई से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर आए दो टैंकर होर्मुज स्ट्रेट पार करके सुरक्षित रूप से भारत पहुंच गए हैं। पहला टैंकर बीडब्ल्यू टायर 31 मार्च को मुंबई पहुंचा।

यह जहाज यूएई के रास अल खैमाह से चला था और करीब 6 दिन में भारत पहुंचा। दूसरा टैंकर बीडब्ल्यू ईएलएम 1 अप्रैल को न्यू मैंगलोर के पास पहुंचा। इन दोनों जहाजों में करीब 94,000 टन एलपीजी और 50 से ज्यादा भारतीय नाविक भी मौजूद थे। सरकार के मुताबिक, अब तक 8 भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट पार कर चुके हैं। वहीं, ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खुला रहेगा, लेकिन अमेरिका के लिए नहीं। अब 47 साल की मेहमाननवाजी खत्म हो चुकी है। अजीजी ने कहा कि यह रास्ता सिर्फ उन देशों के लिए खुला रहेगा, जो ईरान के बनाए नए नियमों का पालन करेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रम्प ने 'रेजीम चेंज' का सपना पूरा कर लिया है, लेकिन यह जमीन पर नहीं बल्कि समुद्र के नियमों में हुआ है। यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनपी) ने कहा है कि मध्य पूर्व में चल रहा युद्ध पूरे इलाके की अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। उनकी रिपोर्ट के मुताबिक यह संघर्ष अब सिर्फ कुछ देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए बड़ा संकट बन गया है।

महंगाई को लेकर सरकार पर हमलावर कांग्रेस

जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह तबाह कर दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जहां आम नागरिक राहत की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं भाजपा सरकार जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने में लगी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया, 'मोदी सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसका सीधा असर अब 140 करोड़ भारतीयों को भुगतना पड़ रहा है।' खरगे ने कहा कि आज से कई रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम बढ़ने जा रहे हैं, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई है, जबकि आपूर्ति कम हो रही है। इसका असर सड़क किनारे चाय की कीमतों से लेकर मिड-डे मील योजना तक पड़ेगा। एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) महंगा होने से हवाई यात्रा भी आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 900 से अधिक आवश्यक दवाएं महंगी हो गई हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की लागत और बढ़ेगी। इसके अलावा उन्होंने स्टेंट की कीमतों में वृद्धि, टोल टैक्स में बढ़ोतरी, स्पीड पोस्ट शुल्क में 34 प्रतिशत इजाफा, और प्लास्टिक, स्टील व सिरेमिक उद्योगों पर असर जैसे मुद्दों को भी उन्होंने उठाया। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए पीवीसी पाइप महंगे हो गए हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि आम नागरिक, किसान, मजदूर और एमएसएमई सेक्टर राहत की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बड़ी राहत

कोर्ट ने खारिज किया मानहानि का केस

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने सीतारमण के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि का मुकदमा खारिज कर दिया है। यह केस आम आदमी पार्टी के नेता सोमनाथ भारती की पत्नी लिपिका मित्रा की शिकायत पर दर्ज हुआ था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) पारस दलाल ने कहा कि मामले को आगे बढ़ाने का कोई कारण नहीं है। न्यायाधीश ने आगे कहा कि शिकायत खारिज की जाती है।

लिपिका मित्रा ने सीतारमण पर 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान उनके और सोमनाथ भारती के खिलाफ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में मानहानिकारक, अपमानजनक और बदनामी भरी टिप्पणियां करने और प्रकाशित करने का आरोप लगाया था। आरोप लगाया था कि राजनीतिक लाभ के लिए, भाजपा के नेता ने मित्रा और भारती के बीच कथित वैवाहिक कलह के बारे में गलत बयान दिए थे। कोर्ट ने इस मामले में मई 2025 में नोटिस जारी किया था। सोमनाथ भारती 2024 के चुनावों में नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार थे। उनकी पत्नी ने आरोप लगाया था कि सीतारमण ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारती के खिलाफ अपमानजनक बयान देकर चुनाव जीतने की उनकी संभावनाओं को कमजोर करने की कोशिश की थी। मित्रा ने शिकायत में कहा था, लगभग हर दंपत्ति की तरह, शिकायतकर्ता और उसके पति के बीच कुछ मुद्दे होते है, जो दुर्भाग्यवश हद से ज्यादा बढ़ गए।

भारत को चीन का बड़ा संदेश

ब्रिक्स और ग्लोबल साउथ में मांगा साथ, खाड़ी युद्ध के बीच बड़ा ट्विस्ट

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान में जारी युद्ध के बीच चीन ने भारत के साथ अपने संबंधों को लेकर बहुत ही सकारात्मक संदेश देने की कोशिश की है। मुंबई में चीन के काउंसल जनरल क्विन जी ने कहा-'भारत और चीन के संबंध सही दिशा में बढ़ रहे हैं।' चीन के दूत ने दोनों देशों के भविष्य के रिश्ते के प्रति आशावादी रहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकातों का भी जिक्र किया है।

(फाइल फोटो)

'भारत-चीन संबंध सही दिशा में बढ़ रहे'

चीन के काउंसल जनरल ने कहा 'भविष्य के संबंध के लिए अपने नेताओं के नेतृत्व में भारत-चीन संबंध सही दिशा में बढ़ रहे हैं। पिछले दो वर्षों में वे एक-दूसरे से दो बार मिले हैं।' चीन के दूत का कहना है कि इस साल दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आपसी संबंधों को और मजबूत करने का अवसर उपलब्ध कराएगा। इस साल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दिल्ली में होगा और अगले वर्ष चीन में होगा। इससे हमें अपने संपर्क और दोस्ती को मजबूत करने और हमारे लोगों के लाभ के लिए प्रगति और पूरे विश्व की स्थिरता का विशेष अवसर मिलेगा। पिछले महीने चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बीजिंग में भी दोनों देश के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया था। चीन के वरिष्ठ राजनयिक ने द्विपक्षीय सहयोग पर जोर देते हुए कहा, भारत और चीन अगले दो वर्षों तक निश्चित तौर पर एक दूसरे की ब्रिक्स प्रेसिडेंसी का समर्थन करें और इसके पक्ष में खड़ा रहें।'

'एनसीपी को बदनाम करने के लिए दिए 5 करोड़?'

शरद गुट ने खारिज किए आरोप खरात मामले में की जांच की मांग

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच की खींचतान अब और तेज हो गई है। हाल ही में दोनों तरफ से ऐसे आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए हैं, जिसने राज्य के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। दरअसल, सत्ताधारी एनसीपी के नेता सूरज चव्हाण ने आरोप लगाया था कि शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने महायुति के नेताओं को बदनाम करने लिए एक एजेंसी को ठेका दिया है। उन्होंने कहा था कि महायुति के बीच फूट डालने के लिए पांच करोड़ रुपये का ठेका दिया गया।

शरद पवार गुट का पलटवार

हालांकि, अब इस पर पलटवार करते हुए एनसीपी (शरद पवार) के अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने आरोपों को बचकाना करार दिया है। शिंदे ने कहा कि आरोप लगाने वालों को अपने ही सहयोगियों से पूछताछ करनी चाहिए कि आखिर उनके लिए असली मुसीबत कौन खड़ी कर रहा है। इतना ही नहीं, शशिकांत शिंदे ने जनवरी में एक विमान हादसे में मारे गए तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि उस हादसे की 'ब्लैक बॉक्स' रिपोर्ट और सीआईडी जांच के नतीजे अभी तक सामने नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि बिना इन जानकारियों के सच कैसे सामने आएगा? उन्होंने मांग की कि रोहित पवार की ओर से उठाए गए मुद्दों की जांच करनी चाहिए। सियासी जंग यहीं नहीं रुकी। हाल ही में नासिक के एक मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख और स्वयंभू बाबा अशोक खरात को यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

बंगाल एसआईआर-60 लाख में 47 लाख आपत्तियां निपटीं

> एससी बोला-7 अप्रैल तक सबका निपटारा होगा

ट्रिब्यूनल गलत तरीके से जोड़े-हटाए नामों को सुधारेंगे

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद 60 लाख आपत्तियों में से लगभग 47 लाख आपत्तियों का निपटारा 31 मार्च तक कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने बताया कि उन्हें मंगलवार को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का लेटर मिला है। इसमें बताया गया है कि हर दिन लगभग 17.5 लाख से 2 लाख आपत्तियों को निपटाया रहा है।

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया गया कि सभी लंबित आपत्तियों का निपटारा 7 अप्रैल तक पूरा होने की संभावना है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा-हम तथ्यों और आंकड़ों से काफी संतुष्ट हैं। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनल को वोटर लिस्ट में गलत तरीके से जोड़े या हटाए नामों को सुधारने का अधिकार भी दिया।

एससी बोला-ट्रिब्यूनल नए दस्तावेज स्वीकार कर सकते हैं

कोर्ट ने कहा- वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के खिलाफ लोगों की अपील सुन रहे ट्रिब्यूनल नए दस्तावेजों को स्वीकार कर सकते हैं। हालांकि बिना वेरिफिकेशन दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पहले कोर्ट ने कहा था कि अपीलीय ट्रिब्यूनल ऐसे नए दस्तावेज स्वीकार नहीं करेंगे, जो पहले जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं किए गए थे। हालांकि अब कोर्ट ने अपने आदेश में बदलाव किया।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने चिंता जताई कि नए वोटर के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए एक साथ बड़ी संख्या में फॉर्म-6 जमा किए जा रहे हैं। इसपर कोर्ट ने कहा- जब तक कोई चीज रिकॉर्ड में न हो, हम जुबानी दलीलों के आधार पर कोई फैसला नहीं कर सकते।

बीजू पटनायक पर बयान देकर फंसे निशिकांत दुबे

माफी मांगते हुए कहा-नेहरू के लिए कहा था

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बीते हफ्ते भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ओडिशा के पूर्व सीएम बीजू पटनायक को लेकर कुछ ऐसा कह दिया था, जिस पर खासा विवाद हुआ। अब निशिकांत दुबे ने अपने बयान पर माफी मांगी है। निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया और ये उनके व्यक्तिगत विचार थे।

निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'पिछले हफ्ते मीडिया से बात करते हुए मैंने नेहरू गांधी परिवार के कारनामों के क्रम में कुछ बयान दिया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और भारत के अग्रणी नेताओं में शुमार बीजू पटनायक के संदर्भ में बोली गईं, मेरी बातों का गलत मतलब निकाला गया। यह मेरा व्यक्तिगत बयान है। नेहरू जी के ऊपर मेरे विचार को बीजू पटनायक के ऊपर समझा गया।'

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बताया सबसे बड़ा मुकदमेबाज

> ठोका 25,000 रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के डबल बेंच के एक फैसले को चुनौती देने के लिए केंद्र सरकार पर 25,000 का जुर्माना लगा दिया। मामला एक सीआईएसएफ कॉन्स्टेबल की बर्खास्तगी से जुड़ा है। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने उसकी बर्खास्तगी खत्म करते हुए, उसका 25% वेतन भी वापस करने का फैसला सुनाया था।

केंद्र पर जुर्माना लगाते हुए केस खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ केंद्र के स्पेशल लीव पिटीशन (एसएलपी) खारिज कर दिया है। लाइवलॉ डॉट इन की रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने एसएलपी डालने के केंद्र के कदम की आलोचना करते हुए कहा-हम समझ नहीं पाए कि भारत सरकार और अन्य लोग हाई कोर्ट के डिविजन बेंच के आदेश को चुनौती देते हुए इस अदालत तक क्यों आए। हम 25,000 जुर्माने के साथ एसएलपी को खारिज करते हैं।

'सबसे बड़ा मुकदमेबाज कौन है?'

सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने केंद्र सरकार को सबसे बड़ा मुकदमेबाज बताया और कहा कि इसी वजह से अदालत में इतने केस लंबित हैं। उन्होंने कहा, 'यह केस जुर्माने के साथ खारिज होना चाहिए। हम चीखते रहे हैं। अपनी दलीलें अलग रखिए। लंबित मुकदमें, लंबित मुकदमें, सबसे बड़ा मुकदमेंबाज कौन है?'

जम्मू में ट्रक यूनियन कार्यालय के पास लगी भीषण आग

दो टैंकर में ब्लास्ट, दमकल और पुलिस मौके पर सक्रिय

जम्मू, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर में ट्रक यूनियन कार्यालय के पास अचानक तेल के टैंकरों में आग लग गई। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लगभग पांच टैंकर में आग लगी है और दो टैंकर में जोरदार ब्लास्ट हुआ। पास में मौजूद इंडियन ऑयल का बड़ा तेल डिपो सुरक्षित है,

लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर इलाके को खाली कराया गया है। दमकल विभाग की तीन गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी हैं और पुलिस आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर रही है। अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

राज्यसभा चुनाव के बाद हरियाणा कांग्रेस का बड़ा फैसला

वोट रद होने वाले 4 विधायकों को दी क्लीन चिट

चंडीगढ़, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस की नजर में पार्टी के वह चारों विधायक कसूरवार नहीं हैं, जिनके वोट राज्यसभा चुनाव में रद हुए हैं। कांग्रेस पार्टी सिर्फ उन्हीं पांच विधायकों को कसूरवार मानकर चल रही है, जिनके नाम क्रास वोटिंग में आए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में पिछले दिनों हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उन चारों विधायकों को क्लीन चिट प्रदान कर दी गई है, जिनके वोट रद हुए हैं। इन वोटों को रद करने का ठीकरा राज्यसभा चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी के सिर फोड़ा गया है।

पूरा कांग्रेस विधायक दल चाहता है कि जिन पांच विधायकों ने क्रास वोटिंग की है, उन्हें पार्टी में बने रहने का कोई हक नहीं है। इसलिए पांचों विधायकों को कांग्रेस पार्टी से बाहर निकालने के साथ

कांग्रेस नेता राहुल गांधी , अध्यक्ष, कांग्रेस मल्लिकार्जुन खरगे

ही उनकी विधानसभा से सदस्यता खत्म कराने की हरसंभव कोशिश होगी। राज्यसभा चुनाव में क्रास वोटिंग के आरोपित पांचों विधायक जरनैल सिंह (रतिया), मोहम्मद इलियास (पुन्हाना), मोहम्मद इसराइल (हथीन), शैली चौधरी (नारायमगढ़) और रेणुबाला (सढ़ोरा) हालांकि अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर चुके हैं, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी बीके हरिप्रसाद और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह समेत पूरा विधायक दल इन विधायकों को क्रास वोटिंग करने का कसूरवार मानता है। जगाधरी के विधायक अकरम खान हरियाणा कांग्रेस की अनुशासन समिति के सदस्य हैं। पूरे विधायक दल ने अकरम खान के माध्यम से अनुशासन समिति के चेयरमैन धर्मपाल मलिक के पास यह संदेश भिजवा दिया कि हरियाणा कांग्रेस और विधायक दल का निर्णय है कि इन पांचों विधायकों को पार्टी से निकाला जाना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई विधायक पार्टी के साथ धोखा करने की जुर्रत नहीं कर सके। विधायक अकरम खान ने अनुशासन समिति के पास कांग्रेस विधायक दल की राय पहुंचा दी है। अनुशासन समिति के चेयरमैन धर्मपाल मलिक ने तीन अप्रैल को चंडीगढ़ में समिति की बैठक बुलाई है, जिसमें इन विधायकों द्वारा दिए गए नोटिसों के जवाब तथा कांग्रेस विधायक दल की बैठक में बनी सहमति पर चर्चा के बाद अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा।

पति ने पत्नी के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

बेंगलुरु, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पतियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप तो बहुत सुने होंगे लेकिन क्या कभी किसी पत्नी द्वारा पति को प्रताड़ित करने के बारे में सुना है? बेंगलुरु में एक शख्स ने अपनी पत्नी के खिलाफ यौन उत्पीड़न, मानसिक क्रूरता और अप्राकृतिक कृत्यों के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। इसे लेकर उसने पुलिस से शिकायत भी दर्ज कराई है। 37 साल के एक शख्स ने अपनी 31 साल की पत्नी पर उसे बार-बार यौन यातनाएं देने का आरोप लगाया है। अमृतहल्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, शख्स का आरोप है

कि उसकी पत्नी ने अपनी सहेली के साथ अंतरंग संबंध बनाने के लिए उस पर दबाव डाला। आरोप ये भी है कि पत्नी उसे अश्लील वीडियो भेजकर ऐसे कृत्यों को दोहराने के लिए उसे मजबूर करती थी। इतना ही नहीं अपनी पर्सनल लाइफ की बातें वह अपने दोस्तों को बताती थी। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि उसकी पत्नी ने अपने पिछले और मौजूदा संबंधों की बात भी स्वीकार की है।पत्नी को लगता है कि उसके पास इतना पैसा नहीं है कि वह उसका लाइफस्टाइल मैंटेन कर सके। पत्नी शराब पीती है और उसके मना करने के बाद भी अक्सर दोस्तों के साथ टाइम बिताती है। पति का आरोप है कि इन परेशानियों को लेकर 4 जुलाई, 2024 को पारिवारिक मध्यस्थता भी हुई थी। लेकिन इसके बाद भी उसका कथित उत्पीड़न जारी रहा। शिकायतकर्ता ने अपने ससुरालवालों पर उसकी शादीशुदा लाइफ में दखल देने, उसे धमकाने और झूठे बहाने बनाकर उसे उसेक ही घर से जबरन निकालने का आरोप लगाया।

इतना ही नहीं उसे अपना सामान ले जाने की मोहलत तक नहीं दी गई। पत्नी के घरवालों ने गुमराह करके उसे घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया। शख्स का दावा है कि उसने अपनी पत्नी को बहुत नकदी और सोने के गहने दिए थे, जो उसने अब तक वापस नहीं किए हैं। जबकि उसका पासपोर्ट, शैक्षणिक प्रमाण पत्र और अन्य निजी सामान भी उसके घर पर ही है।

ढोंगी बाबा अशोक खरात का बेटा हिरासत में

एसआईटी ने बंगले की दीवार फांदकर पकड़ा

नासिक, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। खुद को 'भोंदू बाबा' बताने वाले रेप के आरोपी स्वयंभू बाबा अशोक खरात मामले में जांच का शिकंजा अब उसके परिवार तक पहुंच गया है। बुधवार विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अशोक खरात के बेटे, हर्षवर्धन खरात को हिरासत में ले लिया है। नासिक के कर्मयोगी नगर इलाके में स्थित 'तृप्तबाला' बंगले से पकड़ा गया। बताया जा रहा है कि शुरुआत में एसआईटी अधिकारियों को बंगले में प्रवेश नहीं दिया गया,

जिसके बाद अधिकारियों ने पड़ोस के घर की दीवार फांदकर फिल्मी अंदाज में अंदर प्रवेश किया और हर्षवर्धन को हिरासत में लिया। हिरासत में लेने के तुरंत बाद पुलिस हर्षवर्धन को त्र्यंबकेश्वर रोड स्थित महाराष्ट्र पुलिस अकादमी कार्यालय ले गई है। यहां हर्षवर्धन से पूछताछ की जाएगी। इस पूछताछ के जरिए अशोक खरात की संपत्ति और अन्य मामलों से जुड़े और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। बता दें कि अशोक खरात के खिलाफ नासिक के सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में अब तक कुल 10 एफआईआर दर्ज हैं। इनमें से 8 मामले यौन उत्पीड़न या शोषण से जुड़े हैं, जबकि 2 मामले धोखाधड़ी के दर्ज किए गए हैं।

वहीं, एसआईटी के पास अब तक फोन के जरिए खरात के खिलाफ 100 से अधिक शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। अब एसआईटी न सिर्फ अशोक खरात के बेटे से पूछताछ कर रही है, बल्कि फरार पत्नी की तलाश में भी छापेमारी कर रही है। पुलिस को इस बात का अंदेशा है कि खरात के खिलाफ दर्ज मामलों और उसकी गतिविधियों के बारे में परिवार के अन्य सदस्यों को भी पक्की जानकारी हो सकती है।

सीएम स्टालिन का भाजपा पर हिंसा की साजिश करने का आरोप

मणिपुर और यूपी का दिया उदाहरण

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन

चेन्नई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाजपा पर राज्य में हिंसा भड़काने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने इस साजिश को विफल कर दिया है, जो उत्तर प्रदेश और मणिपुर में देखी गई हिंसा के समान थी। यह आरोप उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तिरुचिरापल्ली में एक द्रमुक रैली को संबोधित करते हुए लगाए। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में जातिगत दंगे, सांप्रदायिक हिंसा या भीड़ हिंसा नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थितियां भाजपा शासित राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश और मणिपुर में देखी गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने तमिलनाडु में ऐसी स्थिति पैदा करने की योजना बनाई थी, जिसे उनकी पार्टी ने नाकाम कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य में शांति और व्यवस्था बनाए रखी है। उन्होंने महिलाओं को आश्वासन दिया कि सत्ता में लौटने पर उन्हें अपनी पसंद के घरेलू उपकरण खरीदने के लिए आठ हजार रुपये का कूपन दिया जाएगा। महिलाओं के लिए मासिक सहायता दोगुनी कर दो हजार रुपये प्रति माह की जाएगी। कॉलेज जाने वाले छात्रों के लिए उच्च शिक्षा सहायता एक हजार रुपये से बढ़ाकर पंद्रह सौ रुपये प्रति माह की जाएगी। स्टालिन ने सत्ता में वापसी पर कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। महिलाओं को घरेलू उपकरण खरीदने के लिए आठ हजार रुपये का कूपन मिलेगा।

महिलाओं के लिए मासिक सहायता राशि को बढ़ाकर दो हजार रुपये प्रति माह किया जाएगा। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को अब पंद्रह सौ रुपये प्रति माह की सहायता मिलेगी, जो पहले एक हजार रुपये थी।

'तमिलनाडु में भाजपा नहीं जीत सकती

एआईएडीएमके का सफाया होगा', डिप्टी सीएम उदयनिधि का बयान

उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन

चेन्नई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी, तमिलनाडु में जीत हासिल नहीं कर सकती और उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में फिर से सत्ता में वापसी करेगी।

चेन्नई के पास जोलारपेट्टई में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की जनता उनकी टीम को दोबारा मौका देगी। उदयनिधि ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) का पूरी तरह सफाया होना चाहिए और फासीवादी भाजपा को तमिलनाडु में प्रवेश की अनुमति न दी जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार चुनावी वादों को पूरा करने में सफल रही है, इसी कारण वे जनता के बीच आत्मविश्वास के साथ जा सकते हैं। उपमुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि उनकी सरकार आगे भी और अधिक वादों को पूरा करेगी और जनता का समर्थन उन्हें फिर से मिलेगा।

सीएम के मंच पर दिखीं, बीजेपी का पट्टा भी पहना

बीना विधायक सप्रे फिर भी बोलीं- मैं अब भी कांग्रेस में

विधायक निर्मला सप्रे

भोपाल, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजनीति में एक दिलचस्प मोड़ सामने आया है। बीना से विधायक निर्मला सप्रे ने हाईकोर्ट में दावा किया है कि वे अब भी कांग्रेस पार्टी की सदस्य हैं। यह बयान उस समय सामने आया, जब उनके खिलाफ दलबदल से जुड़ी याचिका पर सुनवाई चल रही है।

मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की खंडपीठ के समक्ष नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई हुई। इसी दौरान कोर्ट के सवाल पर सप्रे की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि वे अभी भी कांग्रेस में ही हैं। इस मामले में कोर्ट ने याचिकाकर्ता उमंग सिंघार को निर्देश दिया है कि वे 9 अप्रैल को विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष अपना पक्ष रखें। इसके बाद हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 20 अप्रैल को निर्धारित की गई है। बता दें कि उमंग सिंघार ने सप्रे के खिलाफ याचिका दायर कर उनका निर्वाचन निरस्त करने की मांग की है। उनका आरोप है कि सप्रे भाजपा में शामिल हो चुकी हैं, लेकिन उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया, जो दलबदल कानून का उल्लंघन है।

90 दिनों में अध्यक्ष ने नहीं लिया निर्णय

याचिका के अनुसार 30 जून 2024 को इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष आवेदन दिया गया था लेकिन तय 90 दिनों की समय सीमा में कोई निर्णय नहीं लिया गया। इसके बाद मामला हाईकोर्ट में पहुंचा। सप्रे पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का भी आरोप है।

बताया गया है कि लोकसभा चुनाव के दौरान 5 मई 2024 को राहतगढ़ में आयोजित मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव के कार्यक्रम में वे मंच पर नजर आई थीं। उन्होंने भाजपा का पट्टा भी पहना था। वहीं राज्य शासन की ओर से कोर्ट में यह दलील दी गई कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार जब तक विधानसभा अध्यक्ष किसी याचिका पर निर्णय नहीं लेते, तब तक हाईकोर्ट इस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। याचिका पर फैसला लेना विधानसभा अध्यक्ष का विशेषाधिकार है। अब इस पूरे मामले पर सभी की नजरें विधानसभा अध्यक्ष के आगामी निर्णय और हाईकोर्ट की अगली सुनवाई पर टिकी हैं।

कर्नाटक में हावेरी बस स्टेशन पर हादसा, एक मासूम समेत तीन लोग घायल

हावेरी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के हावेरी केंद्रीय बस स्टेशन पर बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। एक बस अचानक कंट्रोल से बाहर हो गई और प्लेटफॉर्म पर चढ़कर एक बेकरी स्टॉल से टकरा गई। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें एक दो साल का बच्चा भी शामिल है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह हावेरी केंद्रीय बस स्टेशन पर काफी हलचल थी।

लोग अपनी बस के आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान हावेरी से लक्ष्मेश्वर जा रही एक बस अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और प्लेटफॉर्म पर जाकर एक बेकरी स्टॉल से टकरा गई। हादसे के बाद लोगों में अफरातफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोग दौड़कर घायलों की मदद करने लगे और तुरंत एम्बुलेंस बुलाकर तीनों घायलों को हावेरी जिला अस्पताल ले जाया गया। घायलों में दो वयस्क और एक छोटा बच्चा शामिल हैं। अस्पताल में उनकी प्राथमिक जांच और इलाज शुरू कर दिया गया है।

नागरिकता ईसीआई के दायरे में नहीं

गृह मंत्रालय के अंतर्गत आती हैः असदुद्दीन ओवैसी

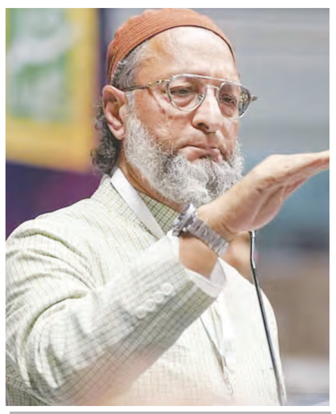

असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि नागरिकता की जांच भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के दायरे में नहीं आती, बल्कि यह केंद्रीय गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है। पश्चिम बंगाल में पत्रकारों से बात करते हुए ओवैसी ने कहा कि हम एसआईआर का विरोध करते हैं। इस मामले पर हमारी रिट याचिका अभी भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। नागरिकता निर्वाचन आयोग के दायरे में नहीं आती बल्कि, यह केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आती है। ओवैसी ने पश्चिम बंगाल की मतदाता सूचियों के प्रकाशन में हो रही देरी पर भी प्रकाश डाला, और एडजुडिकेशन सूची में मतदाताओं के नामों को अंतिम रूप देने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने प्रशासनिक देरी के कारण चल रहे चुनावों में संभावित बाधाओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि निर्णय सूची में कई नाम हैं।

इसे जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। चुनाव पहले ही शुरू हो चुके हैं, और इस देरी से गंभीर समस्याएं पैदा हो रही हैं, जिन्हें ठीक करने की जरूरत है। एआईएमआईएम प्रमुख बुधवार को मुर्शिदाबाद में एक जनसभा को संबोधित करने के लिए कोलकाता पहुंचे। इसके साथ ही राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत हो गई। एआईएमआईएम, हुमायूं कबीर की 'जन उन्नयन पार्टी' के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, और रैली में दोनों नेताओं के भाषण देने का कार्यक्रम है। इस गठबंधन का उद्देश्य राज्य में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना और चुनावों से पहले मतदाताओं को लामबंद करना है। पश्चिम बंगाल में अपने पहले चुनावी मुकाबले में एआईएमआईएम आठ विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, बीरभूम और मुर्शिदाबाद में तीन-तीन और मालदा में दो और उन निर्वाचन क्षेत्रों पर खास ध्यान देगी जहां मुस्लिम आबादी काफी ज्यादा है।

पार्टी ने मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे मुस्लिम-बहुल जिलों में विकास की कमी को लेकर चिंता जताई है, और इस बात पर जोर दिया है कि यहां बेरोजगारी इतनी ज्यादा है कि कई युवा निवासियों को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा है। पार्टी ने उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के लिए राज्य सरकार की आलोचना भी की है, और दावा किया है कि इन कमियों का स्थानीय समुदायों पर बुरा असर पड़ा है।

आईसीआईसीआईसीआई बैंक में गोल्ड लोन घोटाला

नकली सोना रखकर लिया 23 करोड़ का कर्ज, मिला कैसे?

नागपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में 23 करोड़ का गोल्ड लोन घोटाला सामने आया है। हैरानी की बात है कि आईसीआईसीआईसीआई बैंक की विभिन्न शाखाओं में नकली सोने के आभूषणों को असली बताकर गिरवी रखा गया और बैंक से करीब 23 करोड़ रुपये का लोन हासिल कर लिया गया। इस मामले में बैंक की शिकायत पर धंतोली पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। इस पूरे फर्जीवाड़े को जनवरी 2023 से अक्टूबर 2025 के बीच अंजाम दिया गया। बैंक ने जब अपने 'गोल्ड लोन' पोर्टफोलियो का आंतरिक ऑडिट करवाया, तब फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। ऑडिट के दौरान पता चला कि बैंक की 9 अलग-अलग शाखाओं में रखे गए आभूषण वास्तव में सोने के नहीं, बल्कि नकली थे।

जानकारी के अनुसार कुल 195 खाताधारकों ने फर्जी तरीके से लोन उठाया। बैंक की आधिकारिक शिकायत के बाद धंतोली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जालसाजी और धोखाधड़ी की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या बैंक के भीतर के कुछ कर्मचारी या अधिकारी भी इस सिंडिकेट का हिस्सा थे, क्योंकि गोल्ड की शुद्धता जांचने वाले वैल्युअर्स की हरी झंडी के बिना इतना बड़ा कर्ज मिलना नामुमकिन है। फिलहाल पुलिस उन सभी 195 संदिग्ध खाताधारकों और संबंधित वैल्युअर्स की सूची तैयार कर रही है, ताकि जांच आगे बढ़ सके। नागपुर पुलिस के मुताबिक, आईसीआईसीआईसीआई बैंक के जोनल ऑफिस में कार्यरत धनंजय रमेश थिटे की शिकायत पर धंतोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। बैंक द्वारा कराए गए गोल्ड लोन ऑडिट में पता चला कि मनीभवन शाखा सहित कुल 9 अलग-अलग शाखाओं में जमा किया गया सोना नकली है।

आरोप है जनवरी 2023 से अक्टूबर 2025 के बीच 159 खाताधारकों ने बैंक के वैल्युअर और ऑडिटर्स के साथ मिलकर इस साजिश को अंजाम दिया। नकली गहनों को असली बताकर बैंक से करीब 23,19,64,751 रुपये का कर्ज लिया गया।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 406, 409, 420, 468, 120 (ब) और 34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

160 करोड़ का गबन! जल्द बड़े चेहरों को बेनकाब करेगी एसीबी बड़ी गिरफ्तारियां संभव

पंचकूला, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। नगर निगम पंचकूला के 160 करोड़ रुपये के एफडी गबन मामले में हर दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। एंट्री क्रप्शन ब्यूरो (एसीबी) की जांच के पता चला है कि इस खेल के मास्टरमाइंड कोटक-महिंद्रा बैंक के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट पुष्पिंद्र सिंह बड़े अधिकारियों और नेताओं का नजदीकी रहा है। ऐसे में जल्द ही बड़े चेहरे बेनकाब होंगे और बड़ी गिरफ्तारियां संभव हैं। एसीबी सूत्रों के अनुसार, इस मामले में गिरफ्तार कोटक-महिंद्रा बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर दिलीप राघव ने ही रिमांड के दौरान पुष्पिंद्र को पूरे खेल का मास्टरमाइंड बताया है।

पुष्पिंद्र का सीधा संपर्क सह-आरोपित रजत से था, जो इस घोटाले में अहम कड़ी माना जा रहा है। रजत के खाते में नगर निगम पंचकूला के 70 करोड़ रुपये ट्रांसफर हुए थे। इस मामले में एक महिला की भी एसीबी को तलाश है। रजत से रिमांड के दौरान कई बातों निकलकर सामने आ रही हैं। उसी से पूछताछ के बाद सरहिंद से राजपुरा निवासी कपिल को गिरफ्तार किया गया है।

पंजाब में फिर तोड़ी गई भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा वीडियो में खालिस्तानी नेता ने ली जिम्मेदारी

होशियारपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के होशियारपुर जिले के नूरपुर जट्टन गांव में एक इमारत की छत पर स्थापित डॉ। भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि एक छड़ जैसी वस्तु का इस्तेमाल कर प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया गया, जो कांच के एक मजबूत आवरण के अंदर थी। मामले में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया जिसमें प्रतिबंधित संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) के खालिस्तान समर्थक नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू ने तोड़फोड़ की कथित तौर पर जिम्मेदारी ली है।

अधिकारियों ने बताया कि वे वीडियो की प्रमाणिकता की जांच कर रहे हैं। गढ़शंकर के पुलिस उपाधीक्षक दलजीत सिंह खाख ने यह भी बताया कि घटना के सिलसिले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं मौके पर कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा था, लेकिन पुलिस टीम आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। यह इस तरह की पहली घटना नहीं है। पिछले साल जून में भी इस प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया गया था, जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसी बीच बहुजन समाज पार्टी की पंजाब इकाई के प्रमुख अवतार सिंह करीमपुरी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। करीमपुरी ने घटना की निंदा करते हुए मांग की कि आरोपियों को 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने आंबेडकर की प्रतिमाओं की सुरक्षा की मांग को लेकर 18 अप्रैल को गांव में पार्टी की एक जनसभा करने की भी घोषणा की है।

करीमपुरी ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार और बीजेपी नीत केंद्र सरकार, दोनों पर आंबेडकर की प्रतिमा को सुरक्षित रख पाने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में इस तरह की यह नौवीं घटना है और यह भी दावा किया कि ये कृत्य सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने और दलित समुदाय को हाशिए पर धकेलने की एक बड़ी राजनीतिक साजिश का हिस्सा हैं।

ऑपरेशन अरहामा

हाईवे पर धमाके की फिराक में था 'इंजीनियर आतंकी', आईईडी एक्सपर्ट मुठभेड़ में ढेर

श्रीनगर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। गांदरबल जिले के अरहामा इलाके में सुरक्षाबलों ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शीर्ष कमांडर आतंकी को मार गिराया। मारे गए आतंकी को आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बनाने का विशेषज्ञ बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार यह आतंकी गांदरबल जिले से गुजरने वाले नेशनल हाईवे पर आईईडी धमाका करने की साजिश रच रहा था। पिछले कुछ दिनों से सुरक्षा एजेंसियों को इस संबंध में लगातार खुफिया इनपुट मिल रहे थे, जिसके बाद कार्रवाई तेज की गई। मुठभेड़ शाम को शुरू हुई, जब सेना की 2 असम रेजिमेंट, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने अरहामा में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी जिसके बाद यह मुठभेड़ में बदल गई।

रातभर चली इस मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि इलाके में एक और आतंकी छिपा हो सकता है। उसे पकड़ने या मार गिराने के लिए तलाशी अभियान अभी भी जारी है। सुरक्षाबलों की इस कार्रवाई को संभावित बड़े हमले को नाकाम करने के रूप में देखा जा रहा है। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सुविचार: जिंदगी जिंदगी नहीं जिम्मेदारी है, जिसे हम जीते कम निभाते जाता है!

कविता ने लेक्चरर पदों में नौकरी घोटाले की निंदा की

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार डिग्री कॉलेज लेक्चरर पदों की भर्ती में समूह-1 भर्ती प्रक्रिया जैसी साजिश रच रही है। बुधवार को बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना जागृति कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कविता ने कहा कि सरकार बेरोज़गार युवाओं के लिए सरकारी आदेश (जीओ) जारी करके उनके लिए नौकरियों में बाधा उत्पन्न कर रही है। उन्होंने विशेष रूप से जीओ संख्या 4 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे केवल अपने पसंदीदा उम्मीदवारों को लेक्चरर पद दिलाने के लिए लाया गया।

कविता ने पीएचडी धारकों को 25 अंकों का अतिरिक्त लाभ देने के निर्णय की भी कड़ी आलोचना की और इसे साजिश का हिस्सा बताया। जागृति अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जैसे समूह-1 भर्ती में कुछ लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए विशेष परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, उसी प्रकार अब लेक्चरर भर्ती में भी समान रणनीति अपनाई जा रही है।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब पीएचडी में प्रवेश सीमित हैं, तब पीएचडी धारकों को 25 अंक कैसे दिए जा सकते हैं। उन्होंने जीओ संख्या 4 को तत्काल रद्द करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली और वर्तमान दोनों सरकारों ने इन आदेशों की समीक्षा नहीं की। कविता ने कहा कि लगभग 40 लाख परिवारों के छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दे रही।

कविता ने यह भी प्रश्न उठाया कि सरकार के पास मूसी नदी जैसी परियोजनाओं के लिए 7,000 करोड़ रुपये आवंटित करने का समय है, लेकिन बेरोज़गार युवाओं को प्रभावित करने वाली नीतियों की समीक्षा क्यों नहीं की जा रही। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर तेलंगाना के युवाओं का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाया और 2 लाख सरकारी पदों की भर्ती तथा नौकरी कैलेंडर को स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने कोंडगट्टु अंजनेय स्वामी मंदिर में अस्थायी शेड गिरने की घटना पर भी चिंता व्यक्त की, जिसमें 15 लोग घायल हुए। कविता ने घायलों के लिए उचित चिकित्सा सुविधा, गंभीर जांच और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पैसे वसूली के आरोप में खानपान एजेंट गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मोंडा मार्केट थाना पुलिस ने एक 34 वर्षीय खानपान एजेंट को ग्राहक से कथित तौर पर पैसे वसूलने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मुदिराज वन्नुरु स्वामी उर्फ अंजी किरण ने एक कार्यक्रम के बाद ग्राहक से अतिरिक्त भुगतान की मांग की। जब पीड़ित ने पैसे देने से इनकार किया, तो आरोपी ने उसे अपशब्दों भरे फोन कॉल कर परेशान किया और सोशल मीडिया पर भी उत्पीड़न शुरू कर दिया। आरोप है कि आरोपी ने दबाव बनाने के लिए पीड़ित के रिश्तेदारों से भी संपर्क किया और झूठी जानकारी फैलाकर धमकी दी। शिकायत मिलने के बाद मोंडा मार्केट पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

उस्मानिया यूनिवर्सिटी में बिना जरूरी योग्यता के 82 शिक्षकों की भर्ती, कैग रिपोर्ट में खुलासा

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय में नियमों की अनदेखी करते हुए 82 शिक्षकों की भर्ती का मामला सामने आया है। यह खुलासा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में हुआ है, जिसे हाल ही में विधानसभा में पेश किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, इन शिक्षकों की नियुक्ति बिना जरूरी योग्यता जैसे पीएचडी, नेट या सेट के की गई थी। यह संख्या कुल नियुक्त शिक्षकों का करीब 10 प्रतिशत बताई गई है। सबसे ज्यादा 26 नियुक्तियां उस्मानिया यूनिवर्सिटी कॉलेज फॉर विमेन (अब वीरनारी चकाली इलम्मा विमेंस यूनिवर्सिटी) में हुईं। इसके अलावा उस्मानिया यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में 23, सिकंदराबाद के पीजी कॉलेज में 18 और मिर्जापुर के जिला पीजी कॉलेज में 8 ऐसे शिक्षक पाए गए जिनके पास जरूरी योग्यता नहीं थी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के अनुसार, सहायक प्रोफेसर बनने के लिए संबंधित विषय में पोस्टग्रेजुएट डिग्री के साथ नेट/सेट पास होना जरूरी है। पीएचडी धारकों को इस परीक्षा से छूट मिलती है। लेकिन रिपोर्ट में पाया गया कि कुछ शिक्षकों को सिर्फ ग्रेजुएशन या बीई/बीटेक जैसी योग्यता के आधार पर ही नियुक्त कर दिया गया। बाद में कई शिक्षकों ने 2022 से 2024 के बीच पीएचडी पूरी की। इस मामले पर राज्य सरकार ने कहा कि कुछ नियुक्तियां एससी/एसटी बैकलॉग के तहत सशर्त रूप से की गई थीं, जिनमें शिक्षकों को दो साल के अंदर नेट या सेट पास करना जरूरी था। ऐसा न करने पर उनकी वेतन वृद्धि और पदोन्नति पर रोक लगाई जा सकती है।

फुले दंपत्ति की प्रतिमाएं युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी

प्रेरक विरासत को यादगार बनाने के लिए हैदराबाद में कांस्य प्रतिमाओं की स्थापना

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 11 अप्रैल को करेंगे प्रतिमाओं का अनावरण

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक समानता और शिक्षा के विस्तार के प्रतीक महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले की प्रेरक विरासत को यादगार बनाने के लिए हैदराबाद शहर में उनकी जीवन-आकार की कांस्य प्रतिमाओं की स्थापना की जा रही है। राज्य सरकार ने इस पहल के तहत तेज़ी से कार्य शुरू कर दिया है। प्रतिमा का अनावरण फुले जयंती के अवसर पर 11 अप्रैल को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा किया जाएगा।

इन प्रतिमाओं की स्थापना नेकलेस रोड पर आईमैक्स थिएटर के सामने स्थित लेक व्यू पार्क में की जा रही है। प्रतिमाओं की ऊँचाई लगभग 16 फीट होगी और इसके साथ क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी किया जा रहा है। पार्क में हरी-भरी हरियाली, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, बैठने की बेंचें, फुटपाथ और पैदल मार्ग बनाए गए हैं। चबूतरे, रिटेनिंग दीवारें और रेलिंग का कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है। यह परियोजना 2,015 वर्ग मीटर क्षेत्र में संचालित की जा रही है। सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए कुल 4 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

संबंधित इंजीनियरिंग और नगर निगम विभाग के अधिकारी लगातार साइट का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि कार्य की गुणवत्ता पर किसी तरह की आंच न आने पाए। मंत्री पोन्नम प्रभाकर और कोंडा सुरेखा ने खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र के साथ हाल ही में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर प्रोजेक्ट की गति की समीक्षा की है। प्रतिमाओं के माध्यम से सरकार का उद्देश्य समाज में शिक्षा और सामाजिक समानता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। ये संरचनाएं युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी और शिक्षा तथा सामाजिक न्याय के मूल्यों को आगे बढ़ाने में योगदान देंगी। इस पहल पर जनता और विभिन्न संगठनों ने उत्साहपूर्वक सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। अधिकारियों ने बताया कि यह केवल एक निर्माण कार्य नहीं बल्कि सामाजिक मूल्यों के संरक्षण और जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

बेहद खास है फुले दंपत्ति की प्रतिमाएं

हैदराबाद में स्थापित फुले दंपत्ति की प्रतिमाएं कई मायने में खास हैं। इनका निमार्ण, लागत, स्थापना और उद्घाटन बेहद खास है। इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन 11 अप्रैल को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हाथों किया जाना निर्धारित है। फुले दंपत्ति की कांस्य प्रतिमाएं लगभग 16 फीट ऊंची हैं। सरकार ने प्रतिमाओं की स्थापना और आसपास के क्षेत्र के सौंदर्यीकरण के लिए 4 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसके साथ ही हरियाली, चबूतरा, रिटेनिंग दीवारें, लैंडस्केपिंग, फुटपाथ, पैदल रास्ते, बैठने की बेंच और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था इस स्थल के विशेष आकर्षण होंगे। ये निर्माण कार्य 2,015 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र में किए जा रहे हैं।

सगाई से पहले युवक की सड़क हादसे में मौत, गांव में मातम

खम्मम, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के एडुलपुरम नगरपालिका क्षेत्र में एक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जिससे परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस के अनुसार, मद्दुलपल्ली निवासी 28 वर्षीय गोड्डुगोरला प्रसाद पेंटर का काम करते थे। उनकी शादी तय हो चुकी थी और गुरुवार को उनकी सगाई होनी थी। मंगलवार रात वह एक किराने की दुकान से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। सगाई से एक दिन पहले ही प्रसाद का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

केंद्र की अनदेखी के कारण एलपीजी संकट : रेड्डी

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस कमेटी के मीडिया कमेटी के अध्यक्ष, साम रामोहन रेड्डी ने राज्य में ऑटो ड्राइवरों के एलपीजी संकट पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि एलपीजी बैंक के सामने सैकड़ों ऑटो खड़े हैं और ड्राइवर कई दिनों से कतार में पड़े हैं, लेकिन बीआरएस और बीजेपी के नेता इस समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं।

साम रामोहन रेड्डी ने कहा कि जब राज्य सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की सुविधा शुरू की थी, तब बीआरएस नेता ऑटो चालकों के नुकसान को दिखाते हुए सेल्फी वीडियो बनाते थे, लेकिन अब यह समस्या सामने आने के बावजूद नेता कहीं दिखाई नहीं दे रहे। हैदराबाद में लगभग 95,000 एसपीजी ऑटो हैं, लेकिन एसपीजी की कमी के कारण ड्राइवर काम नहीं कर पा रहे हैं और लाखों परिवारों की आजीविका प्रभावित हो रही है। केंद्रीय सरकार का कहना है कि गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में कोई समस्या नहीं है, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है।

साम रामोहन रेड्डी ने स्पष्ट किया कि बीआरएस फिर से बीजेपी के साथ खड़ा है और केंद्र की अनदेखी निर्णयों के कारण यह संकट उत्पन्न हुआ है। उन्होंने मांग की कि केंद्र तुरंत कदम उठाए और ऑटो चालकों की आजीविका सुरक्षित करने के लिए उपाय किए जाएं। राज्य सरकार इस मामले में उनके समर्थन में खड़ी है।उन्होंने कहा कि जनता के सामने वास्तविक स्थिति सामने लानी होगी और ऑटो चालकों की परेशानियों को हल करने के लिए तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

केटीआर का कांग्रेस पर हमला

कहा- अप्रैल फूल अब 'कांग्रेस घोषणापत्र दिवस'

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में अप्रैल फूल दिवस को अब कांग्रेस घोषणापत्र दिवस के रूप में देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर दिए गए अपने बयान में केटीआर ने कहा कि यह स्थिति 3 दिसंबर 2023 से शुरू हुई, जब कांग्रेस ने राज्य की सत्ता संभाली थी। उन्होंने सरकार पर चुनावी वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया। बीआरएस ने भी सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रमुख घोषणाओं के क्रियान्वयन में देरी हो रही है, जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। वहीं, केटी रामाराव इस समय अमेरिका दौरे पर हैं। वे संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय में आयोजित कोलंबिया इंडिया बिजनेस कॉन्फ्रेंस 2026 में भाग लेंगे। इस सम्मेलन में वे भारत का उदय: वैश्विक व्यापार की रूपरेखा को पुनर्लेखन विषय पर मुख्य भाषण देंगे और तेलंगाना के विकास मॉडल को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करेंगे।

अंबेडकर और डॉ. बाबू जगजीवन राम की जयंती समारोह के लिए 92 लाख रुपये आवंटित

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर और डॉ. बाबू जगजीवन राम की जयंती को आधिकारिक समारोह के रूप में मनाने की घोषणा की है।

डॉ. अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल और डॉ. जगजीवन राम की जयंती 5 अप्रैल को होगी, और इन दोनों तिथियों को 'राज्य समारोह' के रूप में घोषित किया गया है। सरकार ने इन जयंती समारोहों के सुचारू आयोजन के लिए उच्च स्तरीय जयंती समारोह समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता अनुसूचित जाति विकास मंत्री करेंगे, जबकि वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल होंगे। सरकार ने समारोहों के लिए कुल 92 लाख रुपये खर्च को मंजूरी दी है, जिसमें जिला स्तर पर कार्यक्रमों के लिए 62 लाख रुपये और राज्य मुख्यालय पर भव्य आयोजन के लिए 30 लाख रुपये शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, सह-अध्यक्षों को प्रत्येक को 10 लाख रुपये आवंटित किए जाएंगे, ताकि वे कार्यक्रमों का भव्य आयोजन सुनिश्चित कर सकें। समारोहों का उपयोग किसी भी राजनीतिक प्रचार या भाषण के लिए नहीं किया जाएगा, इसके लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि ये पूरी तरह से आधिकारिक और स्मरणीय स्वरूप में आयोजित हों। अनुसूचित जाति विकास विभाग को निर्देश दिया गया है कि वे तेलंगाना में सभी आयोजनों की देखरेख करें और इन जयंती समारोहों का गरिमापूर्ण एवं व्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करें।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, HAV BABHULKAR YOGESH SUDAMA R/O: ZADEGAON, SHEGAON, BULDHANA, MAHARASHTRA – 444203 have changed my Daughter's name from AAYUSHI to AAYUSHI YOGESH BABHULKAR vide Affidavit dt.31-03-2026.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मुख्यमंत्री राहत कोष चेक वितरण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी शहर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत 17 लाभार्थियों को लगभग 6 लाख रुपये मूल्य के चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर म्यूनिसिपल चेयरमैन कून वनिता संतोष, निर्वाचन क्षेत्र कन्वीनर जूलकांटी आंजनेयुलु, टीपीसीसी मुख्य सचिव तोपाजी अनंत किशन, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रघु गौड़ और मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन अशोक रेड्डी ने लाभार्थियों को चेक प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान शहर अध्यक्ष जार्ज जी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कांग्रेस के अन्य नेता कून संतोष, महेश, महेश गौड़, प्रशांत समेत कई अन्य नेता भी शामिल हुए। कार्यक्रम में लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाले आर्थिक सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और इसे अपने जीवन में सहायता के रूप में महत्व दिया।

दो दिन के नवजात के पेट में पल रहा था भ्रूण, डॉक्टर हैरान

जौनपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। शाहगंज स्थित चाइल्ड केयर अस्पताल में नवजात के पेट में अर्ध विकसित भ्रूण मिलने का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। इस दुर्लभ स्थिति ने डॉक्टरों को भी चौंका दिया है। आजमगढ़ निवासी सुंदरी देवी ने सोमवार को वहां के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। नवजात की तबीयत बिगड़ने पर पिता चंदन बिंद उसे शाहगंज के चाइल्ड केयर अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ डा। महफूज अहमद ने जांच के बाद अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी। रेडियोलाजिस्ट डा। फारूक अरशद द्वारा किए गए अल्ट्रासाउंड में नवजात के पेट के अंदर एक अर्ध विकसित भ्रूण होने की पुष्टि हुई। डॉक्टरों के अनुसार यह स्थिति फीटस इन फीटू कहलाती है। यह एक अत्यंत दुर्लभ अवस्था है, जिसमें एक भ्रूण के भीतर दूसरा भ्रूण विकसित होने लगता है, लेकिन वह पूरी तरह विकसित नहीं हो पाता। ऐसे मामले बहुत कम देखने को मिलते हैं।

'स्त्रीधन पर महिला का पूर्ण अधिकार

इसे नहीं लिया जा सकता', इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

प्रयागराज, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि एक महिला अपने स्त्रीधन की पूर्ण रूप से मालिक है और इसे ले जाने के लिए कानूनी रूप से विवाहित महिला पर कथित विश्वासघात के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। अदालत ने अनामिका तिवारी और चार अन्य लोगों द्वारा दायर याचिका स्वीकार करते हुए समन और उनके खिलाफ दर्ज किये गये आपराधिक मामले को रद्द कर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया आदेश

न्यायमूर्ति चवन प्रकाश ने हाल ही में दिए आदेश में कहा कि शादी के समय एक महिला को दी गई संपत्ति उसका स्त्रीधन है और यह पति व पत्नी की संयुक्त संपत्ति नहीं बन जाती। अदालत ने कहा कि एक पत्नी को अपनी खुशी से इस संपत्ति को निस्तारित करने का पूरा अधिकार है हालांकि पति संकटकाल में इसका उपयोग कर सकता है।

महिला स्त्रीधन की पूर्ण रूप से मालकिन

याचिकाकर्ता महिला का विवाह अप्रैल, 2012 में हुआ था। शादी के बाद उसने अपने पति और ससुराल के लोगों के खिलाफ दहेज की मांग को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले में आरोप पत्र दिसंबर, 2018 में दाखिल किया गया था। बाद में महिला के पति ने एक शिकायत में आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी और अन्य लोग सितंबर, 2018 में उसके घर में घुसे और 6,400 रुपये नकद, करीब डेढ़ लाख रुपये मूल्य के आभूषण और कुछ घरेलू सामान उठा ले गए। इस शिकायत और गवाहों के बयान के आधार पर मजिस्ट्रेट ने महिला और उसके परिजनों को मुकदमे का सामना करने के लिए समन जारी किया, जिसे चुनौती देते हुए महिला ने मौजूदा याचिका दायर की।

हाईकोर्ट ने दिया ये आदेश

अदालत ने तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 405 और 406 की समीक्षा करते हुए कहा कि अगर कोई संपत्ति किसी व्यक्ति को सौंपी जाती है और वह व्यक्ति इसका दुरुपयोग करता है या इसे अपने लिए इस्तेमाल करता है तो विश्वासघात का अपराध बनता है। अदालत ने कहा कि इस मामले में चूंकि पत्नी अपने स्त्रीधन की पूर्ण स्वामिनी है इसलिए कथित तौर पर अपना आभूषण ले जाने के लिए याचिकाकर्ता के खिलाफ धारा 406 के तहत कोई अपराध नहीं बनता।

गो-तस्करी प्रकरण की जांच में लापरवाही पड़ी भारी

थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिस कर्मियों पर गिरी गाज

सुल्तानपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के सुल्तानपुर में जांच में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है, सुल्तानपुर में थानाध्यक्ष सहित 3 पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। सुल्तानपुर की पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। पुलिस अधीक्षक की इस कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। दरअसल, यह पूरा मामला गोसाईगंज थाना क्षेत्र के राजापुर दिनवा तालाब के पास का है।

बताया गया कि गोवंश की तस्करी की खबर पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची थी, पुलिस ने गोमांस समेत अन्य उपकरणों के साथ कुल 8 लोगों को गिरफ्तार किया था। सुल्तानपुर की पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने जब इस प्रकरण की तहकीकात अपने तरीके से की तो जांच में लापरवाही की बात सामने आई। एसपी की जांच में सामने आया है कि आरोपियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से पुलिस ने जानबूझकर पर्याप्त सबूत प्रस्तुत नहीं किए, जिस वजह से आरोपियों को कोर्ट ने बरी कर दिया।

इस प्रकरण में पुलिस अधीक्षक ने विवेचक अनिल यादव और घटना की सही मॉनिटरिंग न करने के चलते थानाध्यक्ष राम आशीष उपाध्याय और हेड कांस्टेबल राघवेंद्र प्रताप सिंह को भी निलंबित कर दिया है। आपको बता दें कि बीते दिनों एसपी चारू निगम ने गोसाईगंज थानाध्यक्ष राम आशीष उपाध्याय का तबादला बल्दीराय थाने में किया गया था लेकिन आज नए थाने का चार्ज लेने से पहले ही उन्हें निलंबित कर दिया।

कोविड मुआवजा: इलाहाबाद हाई कोर्ट का अहम फैसला, टेस्ट रिपोर्ट अनिवार्य

प्रयागराज, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि कोविड से मृत्यु के आधार पर मुआवजा पाने के लिए मृतक की पाजिटिव टेस्ट रिपोर्ट या ऐसा मृत्यु प्रमाण पत्र, जिसमें मौत का कारण कोविड दर्ज हो, आवश्यक अभिलेख है।

न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इन कागजात के अभाव में मुआवजा दिया जाना संभव नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने मृत सहायक अध्यापिका के पति अजय कुमार की याचिका खारिज करते हुए दिया है। सहायक अध्यापिका अप्रैल 2021 में चुनाव ड्यूटी पर तैनात थीं। याची का दावा था कि इसी दौरान उनकी पत्नी को कोविड संक्रमण हुआ और बाद में मृत्यु हो गई। उन्होंने मुआवजे के लिए आवेदन किया, जिसे फिरोजाबाद के जिलाधिकारी ने खारिज कर दिया। इसके बाद हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर छाती की जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि उस समय कोविड का प्रकोप था, इसलिए पत्नी की मौत कोविड से ही हुई है। अदालत ने कहा कि मुआवजा योजना के तहत तीन प्रमुख दस्तावेज जरूरी हैं। यह हैं संक्रमण का प्रमाण, पाजिटिव टेस्ट रिपोर्ट व कोविड से हुई मृत्यु का प्रमाण। यह साबित करना अनिवार्य है। हालांकि कोर्ट ने यह भी माना कि यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु संक्रमण के 30 दिनों के भीतर होती है और मृत्यु प्रमाण पत्र में कोविड को कारण बताया गया तो कुछ मामलों में टेस्ट रिपोर्ट के बिना भी मुआवजा दिया जा सकता है। इस मामले में अदालत ने पाया कि याची कोई ऐसा दस्तावेज पेश नहीं कर सका, जिससे यह साबित हो सके कि उसकी पत्नी की मृत्यु कोविड-19 के कारण हुई।

सीएम की चर्चा के बीच निशांत कुमार ने बता दी अपनी आगे की रणनीति

'जल्द ही मैं सभी जिलों में आकर आपसे मिलूंगा'

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार अपनी रणनीति पर काम करने में जुट गए हैं। पार्टी की सदस्यता लेने के बाद से ही वो एक्टिव नजर आ रहे हैं। अभी हाल ही में उन्होंने कई जिलों के पार्टी नेताओं से मुलाकात की थी। उनसे उनका फीडबैक लिया था। इसके साथ ही पटना में कई बड़े और वरिष्ठ नेताओं के यहां भी जाकर वे मिले थे।

पार्टी कार्यालय में अपनी बात कहते निशांत कुमार

इस बीच अब निशांत ने अपने आगे के एजेंडे को लेकर काफी कुछ बताया है। निशांत ने अपने एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया। इसमें वे लिखते हैं, बिहार हम सभी का गौरव है। हमारी पहचान है। इसी तरह अपनी पार्टी भी हमारी आन, बान और शान है। बिहार के करोड़ों लोगों ने पिताजी की निर्माण यात्रा में कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी को इस मुकाम तक पहुंचाया है। हम सबको मिलकर जेडीयू को नई ऊंचाई पर पहुंचाना है।

निशांत कुमार ने अपने इस पोस्ट में जो पोस्टर शेयर किया उस पर उनकी आगे की रणनीति का जिक्र है। लिखा गया है, जिस पार्टी को पिताजी ने बिहार के करोड़ों लोगों के साथ मिलकर खड़ा किया।

उन सभी समर्थन देने वाले लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार। आप लोग ही जेडीयू परिवार की रीढ़ हैं। आपके साथ मिलकर जेडीयू को नई ऊंचाई पर पहुंचाना है। जल्द ही मैं सभी जिलों में आकर आपसे मिलूंगा।

आपकी सुनूंगा। बता दें कि निशांत कुमार को लेकर जेडीयू कार्यकर्ताओं की ओर से मांग हो रही है कि उन्हें नई सरकार में सीएम बनाया जाए। हालांकि कई नेता यह कह चुके हैं कि इस पर एनडीए के शीर्ष नेतृत्व को तय करना है कि अगला सीएम कौन होगा। नीतीश कुमार की राय भी ली जाएगी। सीएम पद को लेकर इन तमाम चर्चाओं के बीच निशांत कुमार अपने काम में लगे हैं।

उनकी सादगी की चर्चा पार्टी (जेडीयू) में लगातार हो रही है। जेडीयू के युवा विधायक चेतन आनंद ने तो यहां तक कहा है कि सीएम पद के लिए निशांत में सारे गुण हैं।

जेल से रिहा होते ही सपा नेता ने निकाला जुलूस एफआईआर दर्ज

हरदोई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भगवान श्रीराम और माता कौशल्या पर आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर समाज की भावनाओं को आहत करने के आरोप में जेल गए सपा नेता यदुनंदन लाल वर्मा जमानत पर रात जेल से रिहा हुए। उनकी रिहाई पर तो लोगों की भावनाओं को और ही आहत करने का काम किया गया। यदुनंदन लाल वर्मा और उनके समर्थक जुलूस निकालते हुए लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन के सामने जमा हुए और खूब नारेबाजी की।

पुलिस के अनुसार इससे जाम लग गया और लोगों में अफरा तफरी सी मच गई, जिसको लेकर पुलिस ने सपा नेता यदुनंदन लाल वर्मा के साथ ही उनके पांच अन्य साथियों और 40-50 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है।

'इलेक्टोरल बॉण्ड का पैसा कब लौटाएगी बीजेपी'

अखिलेश यादव ने एफसीआरए बिल को लेकर सरकार पर उठाए सवाल

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार विदेशी पैसे से चलने वाली सामाजिक संस्थाओं को रेगुलेटरी से कंट्रोल ओरिएंटेड करने जा रही है, जिसे लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार इसके बहाने उनकी संपत्तियां हड़प लेना चाहती है।

अध्यक्ष अखिलेश यादव

सपा मुखिया ने सवाल किया कि क्या सरकार पीएम फंड में आए पैसे को भी लौटाएगी या नहीं। अखिलेश यादव ने इसे लेकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लंबी पोस्ट लिखी और कहा- 'एनजीओएस की विदेशी फ़ंडिंग को नियमित करने के नाम पर जो विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 की धांधली होने वाली है, उसको लाने से पहले भाजपा बताए किः दरअसल ये भाजपाई राजनीति की अलोकतांत्रिक, अति नियंत्रणवादी एकाधिकारी सोच है जो एनजीओएस पर अवांछित नियंत्रण करके, उन्हें अपनी कठपुतली बनाना चाहती है और इसके बहाने धीरे-धीरे उनकी संपत्तियों को ही हड़प लेना चाहती है। भाजपा सरकार ख़ुद तो कुछ करती नहीं है और जो सच्चे स्वतंत्र एनजीओएस अच्छा काम कर रहे हैं उनको भी नहीं करने देना चाहती है क्योंकि कई बार जनता कहती है कि सरकार से ज़्यादा अच्छा काम तो गैर सरकारी संस्थाएं कर दिखाती हैं, इससे कई मोर्चों पर सरकार की बेहद किरकिरी होती है और भाजपाइयों की नाकामी उजागर हो जाती है। भाजपा ये भी बताए कि जो पैसा विदेश से विधि-विधान से आ रहा है उस पर तो इतने प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं लेकिन उस अकूत धन का क्या जो अवैध रूप से विदेश जा रहा है मतलब जो दौलत उनके मित्र विदेश ले जाकर, और वहाँ बेख़ौफ़ रहकर आराम से ऐश कर रहे हैं,

उनकी ज़मीनें-संपत्तियां कब जब्त करके वसूली की जाएगी या उन 'भगोड़े भाजपाई भाईयों' को वैसे ही विशेष छूट मिलती रहेगी जैसे कि साम्राज्यवादी ताक़तों का साथ देनेवाले उनके मुख़बिर संगी-साथियों और वैचारिक पूर्वजों को स्वतंत्रता से पहले मिलती रही थी। जनता इस बार भाजपा का पक्षपात का एटीएम बंद कर देगी। भाजपा की बदनीयत और बेईमानी ही उसके हर बिल की बुनियाद होती है।

बाप-बेटे का 'काला कारोबार', छिपाकर रखे थे 12 करोड़ की हेरोइन पुलिस ने दबोचा

बरेली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। भमोरा थाने की पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक ही परिवार के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पिता और उसके दो बेटे शामिल हैं, जो लंबे समय से नशे की तस्करी में शामिल थे।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान परमानंद उर्फ पप्पू और उसके बेटे रविंद्र व यशवीर के रूप में हुई है। तीनों मूल रूप से बदायूं जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब 1 किलो 750 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 12 करोड़ रुपये आंकी गई है।

10 अप्रैल के बाद होगा नई सरकार का गठन

ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी

मुजफ्फरपुर में बोले मंत्री अशोक चौधरी

कुढ़नी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। (मुजफ्फरपुर)। दस अप्रैल के बाद बिहार में नई सरकार का गठन हो जाएगा। कुढ़नी के चढ़ुआ में केंद्रीकृत रसोईघर का शुभारंभ करने आए राज्य के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने उक्त बात कही। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में विकास की रफ्तार लगातार जारी रहेगी। चल रही योजनाओं को समय पर पूरा करना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे जनता के सहयोग से पूरा किया जाएगा।

मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके माता-पिता के शासनकाल में करीब 20 वर्षो तक विकास के बजाय लौंडा नाच और जंगलराज का दौर चला। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय राज्य में विकास कार्य ठप थे और कानून-व्यवस्था की स्थिति भी खराब थी। अब जब बिहार विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है, तो विपक्ष को यह रास नहीं आ रहा है। मंत्री ने कहा कि केंद्रीकृत रसोईघर मध्याह्न भोजन योजना को सुदृढ़ बनाएगी। इससे बच्चों को समय पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा सकेगा।

251 विद्यालयों के लिए एक ही स्थान पर भोजन

पूर्व मंत्री मनोज कुशवाहा ने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत प्रखंड के 251 विद्यालयों के लिए एक ही स्थान पर भोजन तैयार किया जाएगा और उसे निर्धारित समय पर सभी स्कूलों तक पहुंचाया जाएगा। यह सेवा एक अप्रैल से शुरू होगी। करीब 40 हजार बच्चों के लिए यहां भोजन तैयार किया जाएगा।

कार्यक्रम में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान, विधायक केदार प्रसाद गुप्ता, विधायक बेबी कुमारी, विधान पार्षद संजय सिंह, जदयू अध्यक्ष अनुपम कुमार, जिप अध्यक्ष रीना पासवान, जदयू नेता शिशिर कुमार नीरज, शंकर कुशवाहा, शिवशंकर यादव, श्यामनंदन यादव, बबलू कुशवाहा, उमाकांत यादव, रामबाबू कुशवाहा, पप्पू सिंह, बबन सिंह, उषा सिंह, राजाबाबू, प्रखंड अध्यक्ष सुमन सौरभ, अबोध साह, अली इरफान, एसडीपीओ पश्चिमी टू एसी ज्ञानी आदि मौजूद थे।

समाज सेवा के प्रति गजब का समर्पण

ज्ञान प्रकाश सिंह को मिला जौनपुर गौरव सम्मान

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। समरस फाउंडेशन, मुंबई के बैनर तले कैलाशपति गोधना , जौनपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में जौनपुर जनपद के वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह को उत्कृष्ट सामाजिक सेवा के लिए "जौनपुर गौरव सम्मान" से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मनोज मिश्रा ने कहा कि महामना व्यक्तित्व के धनी, अपरिमित विभूति होने के बावजूद जिनके व्यवहार में सहजता की झलक मिलती है, ऐसे समाजसेवी और युग पुरुष ज्ञान प्रकाश सिंह को सम्मानित करना ऐसा प्रतीत होता है मानो सम्मान स्वयं सम्मानित हो रहा हो। उन्होंने कहा कि सामान्यतः मां सरस्वती और मां लक्ष्मी दोनों की कृपा एक साथ विरले लोगों पर ही होती है, और ज्ञान प्रकाश सिंह उन चुनिंदा व्यक्तित्वों में से एक हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि श्री सिंह एक अच्छे रचनाकार भी हैं तथा जिनके भीतर समाज की पीड़ा और संवेदना होती है, वही समाज के लिए कुछ कर पाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि श्री सिंह ने अपने जीवन को परोपकार के लिए समर्पित कर दिया है। जहां कई लोग वादे करके पीछे हट जाते हैं, वहीं ज्ञान प्रकाश सिंह हमेशा अपने संकल्प पर अडिग रहते हैं। उन्होंने सैकड़ों मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया है और असंख्य लोगों की सहायता की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुंबई के वरिष्ठ समाजसेवी पं. राधेश्याम तिवारी ने कहा कि ज्ञान प्रकाश सिंह ने मुंबई से लेकर पूरे उत्तर प्रदेश में जो कार्य किए हैं, उनकी गिनती करना संभव नहीं है। उन्होंने मुंबई में भी कई क्षेत्रों में निःस्वार्थ भाव से कार्य किया है।

जब वे वहां उपस्थित नहीं होते, तब भी लोग उन्हें याद करते हैं और उनके कार्यों की सराहना करते हैं। समारोह के आयोजक समरस फाउंडेशन के महासचिव शिवपूजन पाण्डेय ने कहा कि संस्था अपने सत्कारमूर्ति ज्ञान प्रकाश सिंह को "जौनपुर गौरव सम्मान" प्रदान कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही है। उन्होंने सम्मान पत्र में लिखे प्रत्येक शब्द का वाचन करते हुए कहा कि उनके प्रेरणादायक कार्यों को किसी एक सम्मान पत्र में समेटा नहीं जा सकता। सम्मान समारोह न केवल ज्ञान प्रकाश सिंह के सामाजिक योगदान का सम्मान था, बल्कि समाज सेवा के प्रति समर्पण की प्रेरणा भी प्रदान करता है।

महिला सिपाही से छेड़छाड़ , बड़े साहब ने दो पुलिसकर्मियो को किया सस्पेंड

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में खाकी के अंदर छुपे गुनाह का एक सनसनीखेज़ मामला सामने आया है, जिसने पूरे पुलिस महकमे में हलचल मचा दी है। मोतीहारी के स्वर्ण प्रभात ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पताही थाना के दरोगा सुदामा सिंह और मुंशी संतोष कुमार को फौरन सस्पेंड कर दिया है। इन दोनों पर महिला सिपाही के साथ छेड़छाड़ और बदसलूकी का संगीन इल्ज़ाम लगा है। मामला उस वक्त उजागर हुआ जब पीड़ित महिला सिपाही ने अपने साथ हुई ज्यादती की शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के बाद पूरे मामले की तफ्तीश पकड़ीदयाल डीएसपी को सौंपी गई। जांच के दौरान जो हकीकत सामने आई, उसने पुलिस विभाग को भी झकझोर कर रख दिया। डीएसपी की जांच रिपोर्ट में दोनों आरोपियों की हरकतें संदिग्ध पाई गईं, जिसके बाद एसपी ने बिना देर किए सख्त एक्शन लिया। दरोगा और मुंशी को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में 'हड़कंप' मच गया है और हर कोई इस केस को लेकर 'सतर्क' नजर आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह पूरा मामला थाने के अंदर ही हुआ, जहां भरोसे की 'दीवार' को तोड़ते हुए खाकी पहनने वालों ने ही मर्यादा को तार-तार कर दिया। महिला सिपाही के आरोपों ने यह साफ कर दिया कि मामला बेहद 'गंभीर' है और इसमें किसी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बिहार के डीजीपी नहीं रखते कैश

मुख्य सचिव की पत्नी के पास ज्यादा संपत्ति, बाकी के अधिकारियों का क्या है ब्योरा?

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की पत्नी के पास उनसे अधिक संपत्ति है। मुख्य सचिव के हाथ में मात्र 15400 रुपए नगद है। जबकि पत्नी करोड़पति हैं। मुख्य सचिव के बैंक में उनके पास लगभग साढ़े पांच लाख जमा है। म्यूचुअल फंड के रूप में 3.15 लाख है। एक मारुति इस्टीम गाड़ी भी उनके पास है। उनके पास 20 ग्राम सोना है। मुजफ्फरपुर में 1.2 कट्ठा 14 धुर जमीन है। इसमें भाई-बहनों का हिस्सा भी है। गुड़गांव में 1500 वर्गफीट का एक प्लैट है,

जिसकी कीमत 16.79 लाख है। बिहार के डीजीपी विनय कुमार के बैंक में जमा राशि 32.55 लाख का है। वह कैश नहीं रखते हैं। आभूषण के रूप में उनके पास करीब 25 लाख रुपए का

डीजीपी विनय कुमार (बाएं) और मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत (दाएं)

सोना और 1.15 लाख रुपए की चांदी है। प्राइवेट गाड़ी में आई-10 कार है। कृषि और गैर कृषि जमीन के मालिक हैं। डीजीपी ने यह भी जानकारी दी कि उन्होंने 44 लाख रुपए के कर्ज से नोएडा में आम्रपाली सैफायर में फ्लैट खरीदा था। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी के पास करीब 52 हजार रुपए नगद हैं, जबकि बैंक खातों में 10.09 लाख रुपए जमा हैं। संपत्ति के मामले में उनके पास केवल पैतृक और गैर-कृषि जमीन है, कोई कॉमर्शियल जमीन या मकान नहीं है। लगभग 14.52 लाख रुपए बॉन्ड में निवेश कर रखा है।

उनके नाम पर कोई प्राइवेट गाड़ी नहीं है। एसीएस के पास 4.84 लाख रुपए का सोना है, जबकि उनकी पत्नी के पास 37.25 लाख रुपए का सोना और 6.21 लाख रुपये की हीरे की ज्वेलरी है। राज्यपाल के प्रधान सचिव आर एल चोंगथू के बैंक खाते में करीब 3 लाख रुपए हैं। उनकी पत्नी के खातों में लगभग 8 लाख रुपए जमा हैं। उनके पीपीएफ में करीब 1.27 करोड़ रुपए का निवेश है। चोंगथू के पास मारुति अर्टिगा, मारुति ब्रेजा और एक रॉयल एनफील्ड बाइक है।

मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम के पास मात्र 5,000 रुपए नकद हैं, जबकि बैंक खातों, पीपीएफ और एनपीएस को मिलाकर उनकी कुल जमा राशि लगभग 37 लाख रुपए है। साथ ही पत्नी प्रतिमा सतीश कुमार वर्मा के पास 25 हजार रुपए नगद हैं। बैंक और पीपीएफ खातों में लगभग 36 लाख जमा राशि है।

केजी की बच्ची भी सेफ नहीं!

फतेहपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले से एक ऐसा संवेदनशील और चौंकाने वाला मामला सामने आया है जिसे सुन किसी की भी रूह कांप जाएं। यहां एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाली केजी की मासूम छात्रा के साथ रेप का प्रयास किए जाने की घटना सामें आई है। ऐसा बताया जा रहा है कि छात्रा स्कूल में रिजल्ट लेने गई थी तभी उसी स्कूल में पढ़ने वाले ही एक बड़े छात्र ने उसे बहाने से टॉयलेट में ले जाकर ये घिनौनी हरकत करने की कोशिश की।

घर लौटने के बाद बच्ची ने अपने परिजनों को प्राइवेट पार्ट में परेशानी होने की शिकायत की जिसके बाद परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इस बात का खुलासा हुआ घर पहुंचते ही बच्ची ने अपने परिजनों से बताया कि उसके प्राइवेट पार्ट में दर्द है। ये सुनते ही परिजन तुरंत बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज करवाया गया। इलाज के बाद बच्ची को घर लाया गया जिसके बाद उसने विस्तार से बताया कि स्कूल के एक बड़े छात्र ने उसे टॉयलेट में ले जाकर उसका रेप करने की कोशिश की थी।

इस घटना के बारे में सुनते ही परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। इसके बाद परिजनों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई गई।

मंदिर में अश्लीलता कर रहे युवक को पीटा

इंदौर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के बाणेश्वर कुंड मंदिर परिसर में युवक-युवती के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। कुछ लोगों ने उन पर अश्लील हरकत करने का आरोप लगाते हुए न सिर्फ उनके साथ मारपीट की, बल्कि पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मंदिर परिसर में मौजूद लोगों ने युवक-युवती को आपत्तिजनक स्थिति में देखने का दावा किया।

इसके बाद गुस्साई भीड़ ने दोनों को घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान कई लोग वीडियो बनाते रहे। पुलिस के अनुसार युवक-युवती की ओर से किसी प्रकार की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, जिसके चलते उन्हें बिना कार्रवाई के छोड़ दिया गया।

'क्या कोई गहरा एजेंडा है?'

अहमदाबाद प्लेन क्रैश डिटेल मांगने पर एससी ने याचिकाकर्ता को फटकारा

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में पिछले साल जून में हुए एयर इंडिया विमान हादसे को लेकर दाखिल जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, 'क्या कोई गहरा एजेंडा है? क्या हम आपकी मंशा नहीं समझते? जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, वे याचिका दाखिल नहीं कर रहे, लेकिन आप कर रहे हैं।' यह याचिका सुरेश चंद श्रीवास्तव ने दाखिल की थी, जो आईआईटी दिल्ली से मैकेनिकल इंजीनियर हैं। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि लंदन जा रहे एयर इंडिया विमान के ईंधन स्विच को 'रन' से 'कट-ऑफ' किए जाने का सटीक समय सार्वजनिक किया जाए।

इसके साथ ही उन्होंने एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में दुर्घटना से पहले की पूरी घटनाक्रम श्रृंखला को शामिल करने की मांग भी की थी।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट भी इस याचिका को 'गलत धारणा पर आधारित' बताते हुए खारिज कर चुका है। गौरतलब है कि यह मामला पिछले साल जून में अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे से जुड़ा है, जिसकी जांच अभी भी संबंधित एजेंसियों द्वारा की जा रही है।

आबकारी मामले में ईडी की याचिका पर एचसी ने मांगा केजरीवाल से जवाब 29 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बार-बार समन जारी होने के बावजूद भी पूछताछ में शामिल नहीं होने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ ईडी की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने जवाब मांगा है। ईडी की याचिका पर कोर्ट ने केजरीवाल को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले में अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी। ट्रायल कोर्ट के 22 जनवरी को इस मामले में निर्णय सुनाया था।

भोजशाला कमाल मौला मस्जिद विवाद

एससी ने सुनवाई पर रोक लगाने से किया इनकार, मुस्लिम पक्ष हाईकोर्ट में पक्ष रखे

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोजशाला बनाम कमाल मौला मस्जिद विवाद मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इस दौरान अदालत ने मुस्लिम पक्ष की हाईकोर्ट मे चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी पक्ष को कोई आपत्ति है तो वह अपनी बात हाईकोर्ट के सामने रखे। मामले पर हाईकोर्ट में सुनवाई 2 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। दरअसल मुस्लिम पक्ष ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के 16 मार्च के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट के 16 मार्च के आदेश में जजों ने विवादित जगह का ख़ुद निरीक्षण का फैसला लेते हुए 2 अप्रैल से नियमित सुनवाई की बात कही। मुस्लिम पक्ष का यह भी कहना है कि उन्हें रिपोर्ट पर अपने एतराज दाखिल करने का पर्याप्त मौका नहीं मिला। मुस्लिम पक्ष की तरफ से एडवोकेट सलमान खुर्शीद ने अहा कि हमने कुछ ऑब्जेक्शन उठाए हैं। हमारे ऑब्जेक्शन के लिए सर्वे की वीडियोग्राफी और कलर पिक्चर्स दी जाएं। वहीं हिन्दू पक्ष की तरफ से एडवोकेट विष्णु जैन ने कहा कि हाईकोर्ट ने रिक्वेस्ट रिजेक्ट नहीं की है। एचसी ने बस इतना कहा है कि हम फाइनल हियरिंग के समय देखेंगे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने मेरिट पर कोई राय नहीं दी है। किसी भी पक्ष को अगर कोई शिकायत है तो हाईकोर्ट जा सकती हैं

पीएम मोदी का ध्यान खींचने को महिला ने उठाया खौफनाक कदम

हाईकोर्ट के बाहर गाड़ियों में पेट्रोल छिड़ककर आग लगाई

कटक, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कटक में उड़ीसा हाईकोर्ट के पास मंगलवार को आग लगाने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने कथित तौर पर पेट्रोल डालकर गाड़ियों में आग लगा दी। सीसीटीवी फुटेज ने इस घटना को संदिग्ध मामले से आपराधिक जांच में बदल दिया है। वीडियो फुटेज में वह एक एसयूवी में आग लगाते हुए और कोर्ट परिसर की ओर आग फेंकते हुए कैद हो गई। इस घटना ने हाईकोर्ट परिसर जैसे संवेदनशील सार्वजनिक क्षेत्र में सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेजी से फैल रही आग ने आसपास की गाड़ियों को भी अपने चपेट में ले लिया। कुछ ही मिनटों में बोलेरो कार के साथ दो स्कूटर और एक इलेक्ट्रिक बाइक जलकर राख हो गई। इस दौरान आसमान में काले धुएं का गुबार उठने लगा, जिससे अफरा-तफरी मच गई। उस दौरान कोर्ट के अंदर कार्रवाई चल रही थी। आरोपी महिला की पहचान मिनाती साहू के रूप में हुई है, जिसने आग लगाने के लिए पेट्रोल का इस्तेमाल किया था। हाईकोर्ट परिसर के सीसीटीवी फुटेज में महिला यह सब करती दिख रही है। यह फुटेज अब चल रही जांच में एक अहम सबूत है। आग हाईकोर्ट के सामने सड़क पर लगी। लोगों ने तुरंत दमकल को सूचना दी, जिस कारण फायर सर्विस की तुरंत मदद से एक बड़ा हादसा टल गया।

हाईकोर्ट फायर यूनिट, बिदानासी फायर स्टेशन और कटक फायर सर्विस की दमकल टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं थी। गनीमत रही कि किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया है कि आरोपी महिला जगतसिंहपुर जिले के बिरिडी इलाके की रहने वाली है। महिला ने आग क्यों लगाई, इसका मकसद अभी साफ नहीं है, लेकिन अधिकारी कारणों और किसी भी संभावित लिंक का पता लगाने के लिए डिटेल में जांच कर रहे हैं।

बायपास पर गौवंश की तस्करी पकड़ी

इंदौर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने बायपास रोड पर मवेशियों की अवैध ढुलाई करते हुए एक आयशर वाहन जब्त किया है। वाहन में गौवंश को अमानवीय तरीके से ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। मौके पर मौजूद लोगों ने गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक रालामंडल निवासी हर्षवर्धन सिंह (पटेल कॉलेज) ने सूचना दी थी कि एक आयशर वाहन (एमपी13जेडएक्स8165) में गौवंश को क्रूरता पूर्वक भरकर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कैलोद करताल फाटा के पास बायपास रोड पर घेराबंदी की। मौके पर पहुंची पुलिस को आयशर वाहन मिला, जिसमें कुल 7 मवेशी ठूंस-ठूंसकर भरे हुए थे। पुलिस को देखकर चालक और उसके साथी वाहन छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने वाहन जब्त कर थाने पहुंचा दिया है। मामले में मध्यप्रदेश गौवंश प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4/9 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(घ) के तहत केस दर्ज किया गया है।

सिद्धिविनायक मंदिर के अधिकारी कर रहे घपला

आरोप के बाद जांच के आदेश जवाब के लिए 7 दिन दिए

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में प्रशासनिक स्तर पर घोटाला करने का आरोप लगा है। मंदिर ट्रस्ट के कुछ विश्वस्तों ने कार्यकारी अधिकारी और उप कार्यकारी अधिकारी पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, जिससे पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है। सूत्रों के मुताबिक, विश्वस्तों ने इस संबंध में विधि व न्याय विभाग को पत्र लिखकर औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। विभाग ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग की ओर से कार्यकारी अधिकारी विणा पाटील और उप कार्यकारी अधिकारी संदीप राठोड़ को 7 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं। इस आदेश के बाद मंदिर प्रशासन में हलचल तेज हो गई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मंदिर के ही विश्वस्तों द्वारा भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं।

दो विश्वस्तों के अलावा तीन अन्य शिकायतकर्ताओं ने भी अधिकारियों पर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। इससे यह सवाल उठने लगा है कि आखिर मंदिर के भीतर चल क्या रहा है। जांच के तहत विधि व न्याय विभाग ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज तलब किए हैं, जिनमें निविदा से जुड़े कागजात, निविदा उपसमिति की बैठक के इतिवृत्त, ट्रस्ट बोर्ड के फैसले, जारी किए गए प्रशासनिक आदेश और भोजन/महाप्रसाद से जुड़े ठेके शामिल हैं। इन सभी की विस्तृत जानकारी मांगी गई है। कुछ ही दिनों पहले मंदिर के 8 कर्मचारियों को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। ऐसे में लगातार सामने आ रहे मामलों से मंदिर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

लूथरा ब्रदर्स को मिली जमानत

फिर भी रहेंगे सलाखों के पीछे, जानें क्या है वजह?

पणजी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। गोवा के चर्चित 'बिर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब अग्निकांड मामले में एक बड़ा मोड़ आया है। मर्सेस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने क्लब के मालिकों, गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा को नियमित जमानत दे दी है। अदालत में वरिष्ठ वकील सुबोध कांतक और वकील वैभव सूरी ने आरोपियों का पक्ष रखा। अदालत से जमानत मिलने के बावजूद दोनों भाई अभी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। मापुसा पुलिस ने सोमवार को इन दोनों भाइयों को अपनी हिरासत में ले लिया है। यह कार्रवाई फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) बनाने के आरोप में की गई है। पुलिस का आरोप है कि इन लोगों ने आबकारी विभाग से लाइसेंस लेने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर वाला दस्तावेज इस्तेमाल किया था। यह पूरा मामला 6 दिसंबर 2025 को अरपोरा स्थित नाइटक्लब में लगी भीषण आग से जुड़ा है। उस दर्दनाक हादसे में 25 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। आग लगने के बाद दोनों आरोपी थाईलैंड भाग गए थे, जिन्हें 17 दिसंबर को वहां से वापस भारत लाया गया था।

तब से वे उत्तरी गोवा की कोलवाले जेल में बंद हैं। मामले में अंजुना पुलिस जब इस अग्निकांड की जांच कर रही थी, तभी फर्जी दस्तावेजों का मामला सामने आया। पुलिस के अनुसार, क्लब चलाने के लिए जरूरी कागजात गलत तरीके से तैयार किए गए थे। इस मामले में एक अन्य मालिक अजय गुप्ता को पहले ही राहत मिल चुकी है। फिलहाल लूथरा भाइयों की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। पुलिस अब फर्जीवाड़े के इस नए मामले में उनसे पूछताछ कर रही है।

दाखा के पूर्व विधायक एचएस फुलका भाजपा में शामिल

चंडीगढ़, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दाखा के पूर्व विधायक एचएस फुलका आज भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने उन्हें पार्टी में शामिल करवाया। फुलका ने 2014 में लुधियाना लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था लेकिन कांग्रेस के रवनीत सिंह बिट्टू से 19,709 वोटों से हार गए थे। 2017 में पंजाब विधानसभा चुनाव में, उन्होंने दाखा निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की और अकाली नेता मनप्रीत सिंह अयाली को हराया था। जनवरी 2019 में उन्होंने औपचारिक रूप से आप छोड़ दी थी।

दिल्ली हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील फुलका एक मानवाधिकार कार्यकर्ता, लेखक और राजनेता भी हैं। वे 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए अपनी लगातार लड़ाई के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने उन सबसे लंबी और मुश्किल कानूनी लड़ाइयों में से एक का नेतृत्व किया। उनके इन प्रयासों के लिए, उन्हें 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। दंगों के बाद, फुलका ने 1985 में 'सिटिजन्स जस्टिस कमेटी' बनाने में मदद की। इस कमेटी ने कानूनी विशेषज्ञों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को एकजुट किया था ताकि वे न्यायिक आयोगों के सामने पीड़ितों का पक्ष रख सकें।

2001 में उन्होंने एक वेबसाइट शुरू की ताकि दंगों से जुड़े दस्तावेज और जांच के नतीजे आम लोगों तक पहुंच सकें। एडवोकेट एचएस फुलका के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि उन्हें मेरी शुभकामनाएं। तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जो नेता अपनी राजनीतिक आस्था बदलते हैं जनता उन्हें दोबारा नहीं जितवाती। फिलहाल तो मैं सिर्फ फुलका साहब को शुभकामनाएं ही दे सकता हूं।

2015 में सड़क किनारे नमाज पढ़ते समय हुई थी सड़क दुर्घटना

पीड़ित को 7.76 लाख रुपये मुआवजे का आदेश

ठाणे, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। ठाणे में मोटर दुर्घटना क्लेम ट्रिब्यूनल (एमएसीटी) ने एक व्यक्ति को 7.76 लाख रुपये का मुआवज़ा देने का आदेश दिया है। यह व्यक्ति 2015 में सड़क किनारे नमाज पढ़ते समय हुई एक दुर्घटना स्थायी रूप से विकलांग हो गया था। ट्रिब्यूनल ने बस बीमाकर्ता को उन्हें मुआवज़े की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया। यह दुर्घटना 28 अगस्त, 2015 को मुंबई में सायन-कुर्ला रोड पर एक मस्जिद के पास हुई थी, जब याचिकाकर्ता सड़क किनारे नमाज़ पढ़ रहा था। केपी। श्रीखंडे की अध्यक्षता वाले ट्रिब्यूनल ने 25 मार्च को ये आदेश दिया है।

अपने आदेश में ट्रिब्यूनल ने निजी बस बीमाकर्ता के इस तर्क को खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ता की ओर से कोई लापरवाही थी या उसने पॉलिसी की शर्तों का उल्लंघन किया था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि बीमाकर्ता के तरफ से याचिकाकर्ता के खिलाफ लापरवाही का कोई भी सबूत नहीं दिया गया है। ट्रिब्यूनल ने वाहिद अजीज खान, जो पेशे से एक ड्राइवर थे उनका याचिका को आंशिक रूप से स्वाकर कर लिया। बस बीमाकर्ता को उन्हें मुआवज़े की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया। इस मामले में बस का मालिक ट्रिब्यूनल के सामने पेश नहीं हुआ, जिसके कारण यह आदेश उसके खिलाफ एकतरफा रूप से तय किया गया।

यह दुर्घटना 28 अगस्त, 2015 को मुंबई में सायन-कुर्ला रोड पर एक मस्जिद के पास हुई थी, जब याचिकाकर्ता सड़क किनारे नमाज़ पढ़ रहा था। एक तेज रफ़्तार स्कूल बस एक टेम्पो से टकरा गई। इसके बाद टेम्पो पलट गया और वाहिद अजीज खान तथा अन्य लोगों के ऊपर जा गिरा, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। ट्रिब्यूनल ने यह भी बताया कि बस ड्राइवर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और मोटर वाहन अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत एक मामला दर्ज किया गया था, और बाद में ड्राइवर के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया और उसे दोषी ठहराया गया। दुर्घटना के बाद, खान को अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनकी पसलियों तथा कंधे की हड्डी में हुए फ्रैक्चर के लिए उनकी सर्जरी की गई। यह माना गया कि याचिकाकर्ता को 'स्थायी आंशिक विकलांगता' हुई है, और उसने उनकी 'कार्यात्मक विकलांगता' का आकलन 30 प्रतिशत के रूप में किया।

हालांकि याचिकाकर्ता ने 39 लाख रुपये से अधिक के मुआवजे की मांग की थी, लेकिन कमाई का कोई विश्वसनीय सबूत न होने के कारण, उनकी 'काल्पनिक मासिक आय' का आकलन 10,500 रुपये के रूप में किया। ट्रिब्यूनल ने कुल 7,76,590 रुपये का मुआवज़ा देने का आदेश दिया।

हनुमान जयंती से पहले कैंची धाम में पुलिस की कई टीमों की तैनाती... प्रशासन अलर्ट

नैनीताल, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। हनुमान जयंती और आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ देखते हुए नैनीताल स्थित कैंची धाम में पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर है। हाल ही में बिहार के शीतला माता मंदिर में हुई भगदड़ में 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी, जिसके बाद पुलिस-प्रशासन के आलाधिकारी लगातार कैंची धाम का निरीक्षण कर रहे हैं। वहीं किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस- प्रशासन और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम लगातार अभ्यास कर रही है। बीते उत्तराखंड के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध और कानून-व्यवस्था) वी। मुरुगेसन ने कैंची धाम का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्र में यातायात व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्यटन सीजन शुरू होने से पहले हर हाल में सभी तैयारियां पूरी कर ली जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से यातायात के दबाव को कम करने के लिए एक व्यापक ट्रैफिक प्लान तैयार करने को भी कहा। इसके अलावा, उन्होंने निर्धारित पार्किंग स्थलों पर सभी आवश्यक जन सुविधाओं (पेयजल, शौचालय और साइनबोर्ड) की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैंची आने वाले तीर्थयात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए, निर्धारित पार्किंग स्थलों से मंदिर तक शटल सेवा को बेहतर और व्यवस्थित किया जाना चाहिए, ताकि मुख्य सड़क पर वाहनों का दबाव कम हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माणाधीन पार्किंग स्थलों और बाईपास सड़क का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

हिमाचल हाईकोर्ट के आदेश, राज्य सरकार 7 अप्रैल तक हर हाल में जारी करे आरक्षण रोस्टर

शिमला, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण रोस्टर 7 अप्रैल तक हर हाल में जारी करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि रोस्टर 13 फरवरी 2026 की स्थिति के आधार पर तैयार किया जाए और उसी आधार पर पंचायत चुनाव करवाए जाएं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राज्य में 13 फरवरी 2026 के बाद गठित नई पंचायतों, पुरानी पंचायतों के विभाजन और पुनर्गठन से जुड़ी अधिसूचनाओं को चुनौती देने वाले मामलों का फैसला बाद में मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

फिलहाल इनसे संबंधित प्रक्रिया पर रोक जारी रहेगी। न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर और न्यायाधीश रंजन शर्मा की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि जहां पंचायतों का पुनर्गठन तो वैध है लेकिन परिसीमन प्रक्रिया गलत रही, वहां यह बदलाव इस चुनाव में लागू नहीं होगा। यह पुनर्गठन केवल अगले चुनावों के लिए प्रभावी माना जाएगा।

हिमाचल के चीफ सेक्रेटरी ने 25 करोड़ की जमीन 1.38 करोड़ में खरीदी

एफआईआर दर्ज होते ही सीएम बोले- 'कार्रवाई होगी'

शिमला, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में इस वक्त जबरदस्त घमासान मचा है। प्रदेश के सबसे बड़े अफसर, यानी चीफ सेक्रेटरी संजय गुप्ता पर जमीन घोटाले के गंभीर आरोप लगे हैं। मामला तब गरमाया जब छोटा शिमला थाने में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई। आरोप है कि पंजाब के खरड़ में जिस जमीन की कीमत करीब 25 करोड़ रुपये है, उसे चीफ सेक्रेटरी ने अपने कागजों में सिर्फ 1.38 करोड़ रुपये का दिखाया है। जैसे ही यह खबर फैली, हड़कंप मच गया और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू (को भी सफाई देनी पड़ी कि अगर कुछ गड़बड़ हुई तो कार्रवाई जरूर होगी।

आमतौर पर बड़े अफसर विवादों पर चुप रहते हैं, लेकिन संजय गुप्ता खुद मीडिया के सामने आए और उन्होंने एक बड़ा बयान दे दिया। उन्होंने इन आरोपों को पूरी तरह गलत बताया और सीधे-सीधे अपने ही विभाग के दो पूर्व चीफ सेक्रेटरी- आर।डी। धीमान और प्रबोध सक्सेना पर साजिश रचने का आरोप लगा दिया। संजय गुप्ता का कहना है कि उन्होंने बिजली बोर्ड में रहते हुए सरकार को फायदा पहुंचाया और इन दोनों अफसरों की शिकायत की थी, बस उसी खुन्नस में उन्हें फंसाने के लिए यह खेल रचा जा रहा है। चीफ सेक्रेटरी ने दावा किया कि यह सब इसलिए किया जा रहा है ताकि मुख्यमंत्री उन्हें सर्विस में एक्सटेंशन (कार्यकाल बढ़ाना) न दें। उन्होंने सफाई दी कि सोलन के जिस चेस्टर हिल प्रोजेक्ट में गड़बड़ी की बात हो रही है, उस वक्त वो पशुपालन विभाग में थे। गुप्ता ने दो टूक कहा, 'मैंने जमीन अपने पैसे से खरीदी है, सरकार से परमिशन ली है और मेरे पास सारे कागज मौजूद हैं।' उन्होंने साफ किया कि उस प्रोजेक्ट को पूर्व अफसर श्रीकांत बाल्दी ने रेरा प्रमुख रहते हुए पास किया था, इसमें उनका कोई लेना-देना नहीं है। इस मामले को लेकर कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआईएम) और वकील विनय शर्मा ने मोर्चा खोल दिया है। पूर्व विधायक राकेश सिंघा और संजय चौहान का कहना है कि हिमाचल में भू-माफिया और बड़े अफसर मिलकर खेल कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर इस घोटाले की सही जांच नहीं हुई और दोषियों पर एक्शन नहीं लिया गया, तो वे सचिवालय का घेराव करेंगे। उनका आरोप है कि अधिकारियों के संरक्षण में भ्रष्टाचार फल-फूल रहा है। जब इस पूरे बवाल पर मुख्यमंत्री सुक्खू से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि फिलहाल उनके पास इसकी पूरी जानकारी नहीं है,

लेकिन नियमों के खिलाफ कुछ भी हुआ तो किसी को बख्शा नहीं जाएगा। अब हिमाचल में अफसरों की यह आपसी लड़ाई क्या मोड़ लेती है, यह देखना दिलचस्प होगा। एक तरफ 25 करोड़ की जमीन को 1.38 करोड़ में खरीदने का आरोप है, तो दूसरी तरफ रसूखदार अफसरों के बीच की जंग।

अवैध पटाखा फैक्टरी में ब्लास्ट एक मजदूर की मौत, दो घायल

हलवारा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। (पंजाब) लुधियाना के गांव जोधां से आसी कलां और नारंगवाल लिंक सड़क पर स्थित एक अवैध पटाखा फैक्टरी में देर रात हुए ब्लास्ट में मोहम्मद कैफ (18) की मौत की पुष्टि हो गई है। 18 वर्षीय युवती और 50 वर्षीय अधेड़ गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है। बुधवार सुबह डीएसपी दाखा वरिंदर सिंह खोसा ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुजफ्फराबाद निवासी दो सगे भाई साजिद और वाजिद पुत्र अलायुदीन के खिलाफ एक्सप्लोसिव एक्ट 1908 की धारा 3,4,5 और बीएनएस की धारा 108 के अधीन केस दर्ज करके दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा जिस मकान में अवैध पटाखा फैक्टरी चल रही थी, उस के मालिकों की भूमिका की जांच की जा रही है, उन्हें भी केस में नामजद किया जा सकता है। डीएसपी खोसा ने बताया कि मलबे में पड़ी विस्फोटक सामग्री को हटाने के लिए सेना और एनडीआरएफ की टीमों की मदद ली जा रही है। इसके अलावा सिविल प्रशासन, सेहत विभाग और गांव वासियों की भी मदद ली जा रही है। डीएसपी खोसा ने बताया कि आरोपी भाई साजिद और वाजिद उत्तर प्रदेश के गरीब मजदूर परिवारों को पंजाब में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ले आए थे और तीन चार दिन से इस अवैध पटाखा फैक्टरी में काम करवा रहे थे। फैक्टरी के स्टोर में विस्फोटक पोटाश रखी हुई थी और मजदूर परिवार पटाखे बना रहे थे। अचानक पोटाश में जबरदस्त विस्फोट हो गया। धमाके की आवाज पूरे इलाके में गूंजी जिससे हड़कंप मच गया। जोरदार आवाज सुनकर लोग घरों से बाहर निकल आए। उन्होंने बताया कि अब मलबे में किसी दबे होने की आशंका कम है, फिर भी तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार घटना के वक्त फैक्टरी में मजदूर परिवार की महिलाओं और बच्चे मौजूद थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि छतें और दीवारें गिर गई और पूरा घर मलबे में तब्दील हो गया।

भारत-अमेरिका में सुधर रहे रिश्ते या दिखावे की गर्मजोशी?

पी-8आई विमान और जेट इंजन पर चुप्पी बरकरार

वॉशिंगटन, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप ने जब भारत से रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाया गया 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ हटाया था तो लगा था कि दोनों देशों के संबंध फिर से पटरी पर आने की शुरूआत हो गई है।

इस साल भारत और अमेरिकी अधिकारियों के बीच एक के बाद एक कई मुलाकातें हुई हैं। जैसे 1 मार्च को दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री एस. पॉल कपूर भारत पहुंचे। उनके अलावा नीति मामलों के रक्षा उप-सचिव एलब्रिज कोल्बी 23 मार्च से 26 मार्च तक नई दिल्ली में थे जहां उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात की।

अमेरिका के विदेश उप-सचिव क्रिस्टोफर लैंडौ भी पिछले दिनों दिल्ली आए थे। इस दौरान उन्होंने रायसीना डॉयलॉग में यह कहकर विवाद शुरू कर दिया कि 'वॉशिंगटन भारत के साथ वही गलतियां नहीं दोहराएगा जो उसने 20 साल पहले चीन के साथ की थीं।' जबकि इसके विपरीत कोल्बी के बयान काफी सौहार्दपूर्ण थे। यहां तक कि मैत्रीपूर्ण भी थे। उन्होंने नई दिल्ली को सिर्फ एक प्रमुख साझेदार ही नहीं बल्कि

एशिया में शक्ति के दीर्घकालिक अनुकूल संतुलन को सुनिश्चित करने में एक अनिवार्य साझेदार भी बताया।

इसके अलावा खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कई बार टेलीफोन पर बात हुई है। ईरान के साथ संघर्ष छिड़ने के बाद भी दोनों नेताओं के बीच पहली बातचीत हुई जिसमें पश्चिम एशिया की स्थिति और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की गई। इसके अलावा फरवरी में भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर की भी मुलाकात हुई है। लेकिन इन हाई प्रोफाइल मुलाकातों के बाद भी ऐसा महसूस हो रहा है कि दोनों देशों के बीच 'दिखावे की गर्मजोशी' हो रही है। ऐसा कहने के पीछे कई वजहे हैं।

ट्रेड डील में देरी- वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर की मुलाकात के बावजूद द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की समय सीमा पिछड़ रही है। दालों के मार्केट एक्सेस को लेकर दोनों देशों में खींचतान जारी है।

भारत के खिलाफ जांच- अमेरिका ने भारत सहित 16 अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ जांच शुरू की है कि कहीं उनकी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता अमेरिकी व्यवसायों को नुकसान तो नहीं पहुंचा रही। इससे व्यापार वार्ता और जटिल हो गई है।

भारतीय नौसेना के पी-8 विमानों के रख-रखाव के लिए बोइंग इंडिया के साथ 4.13 अरब रुपये का एक छोटा अनुबंध हुआ था लेकिन अमेरिका ने इसपर चुप्पी साध रखी है। जबकि भारत इसे जल्द से जल्द पूरा करना चाहता है। **पी8-आई पोसीडॉन सौदा अटका-** इसके अलावा करीब 4 अरब डॉलर का 'पी8-आई पोसीडॉन' विमान सौदा और जेट इंजन (F414) के संयुक्त उत्पादन का महत्वपूर्ण समझौता अभी भी अंतिम मुहर का इंतजार कर रहा है जबकि इनके मार्च अंत तक फाइनल होने की उम्मीद थी। पिछले महीने भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने भी इसको लेकर मंजूरी दे दी थी फिर भी अमेरिका कुछ भी नहीं बोल रहा है। हैरान करने वाली बात ये है कि डीएसी ने पहली बार नवंबर 2019 में ही 2.42 अरब में डॉलर की इस डील को मंजूरी दी थी और ये सौदा लागत में करीब दोगुना होने के बाद भी नहीं हो पाया है।

लड़ाकू विमान इंजन पर भी चुप्पी- इतनी सारी मुलाकातों के बाद भी भारत की हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक के बीच भारत में संयुक्त रूप से F414 लड़ाकू विमान के इंजन बनाने के लंबे समय से लंबित सौदे का कोई जिक्र नहीं किया गया है।

दो युवकों पर चापड़ से हमला

3 राउंड फायरिंग, एक गंभीर, छेड़खानी को लेकर दोनों गुटों में हुई मारपीट

जमशेदपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उलीडीह के बाद बेखौफ बदमाशों ने शहर में लगातार दूसरे दिन भी फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के छायानगर डब्बा लाइन सामुदायिक भवन के सामने वर्चस्व और रामनवमी के दौरान हुई छेड़खानी को लेकर दो गुटों के बीच विवाद में ताबड़तोड़ फायरिंग और चापड़बाजी हुई। इस घटना में चंडीनगर निवासी नंदू लोहार (25) और उसका दोस्त सन्नी पुष्टि उर्फ जगन्नाथ पुष्टि (22) गंभीर रूप से घायल हो गए। सन्नी को एक आंख में गोली लगी है, साथ ही सिर और हाथ में चापड़ से गहरे जख्म हैं। नंदू के सिर, हाथ और छाती पर भी चापड़ से हमला किया गया है। सन्नी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घटनास्थल से दो पिलेट, दो खोखा, तीन जोड़ी चप्पल और खून से सना कपड़ा बरामद किया है। चंडीनगर निवासी मुस्कान ने बताया कि उसका भाई नंदू लोहार शादी-पार्टी में नान-रोटी बनाने का काम करता है और दो बहनों में सबसे छोटा है।

44 टन प्लूटोनियम और 5500 परमाणु वारहेड

रूस-अमेरिका से भी बड़ा न्यूक्लियर पावर बनेगा जापान! चीन का बड़ा दावा

बीजिंग, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जापान इन दिनों चीन और उत्तर कोरिया की आक्रामकता का सामना कर रहा है। इस कारण वह अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा को उजागर भी कर रहा है। 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद, पूर्व पीएम शिंजो आबे ने अमेरिकी हथियारों को जापानी धरती पर रखने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, व्यापक जनसमर्थन न मिलने के कारण इस पर बात नहीं बन सकी थी। लेकिन, पड़ोसी देशों से बढ़ते खतरों ने जापान को अपनी सुरक्षा नीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। इस बीच चीन के सरकारी सैन्य मुखपत्र पीएलए डेली ने जापान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं के बारे में सनसनीखेज दावा किया है।

पीएलए डेली ने 30 मार्च को जापान पर परमाणु हथियार बनाने की इच्छा रखने का आरोप लगाते हुए एक पूरे पन्ने की रिपोर्ट प्रकाशित की। इस रिपोर्ट में जापान पर चीन के खिलाफ अपनी रक्षा उद्योग की क्षमता बढ़ाने, तकनीकी और अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को मजबूत करने का आरोप लगाया। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई कि जापान लक्ष्मण रेखा को पार कर रहा है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि जापान के पास परमाणु सामग्री का चौंकाने वाला भंडार मौजूद है। इसके अलावा उसके पास परमाणु हथियार बनाने की तकनीक भी है।

इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जापान के पास 44.4 टन प्लूटोनियम का भंडार है। यह लगभग 5500 परमाणु हथियारों को बनाने के लिए काफी है। दिलचस्प बात यह है कि एसआईपीआरआई के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु शक्ति रूस के पास 5,400 परमाणु हथियारों का भंडार है। ऐसे में इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जापान न सिर्फ परमाणु हथियार बना सकता है, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु शक्ति के रूप में भी उभर सकता है। इसमें कहा गया है कि अगर जापान अपने 'तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों' के तहत खुद पर लगाई गई पाबंदियों को हटाने का फैसला करता है, तो यह देश बहुत कम समय में ही एक परमाणु-शक्ति वाला देश बन सकता है।

जापान के 'तीन गैर-परमाणु सिद्धांत' क्या हैं?

जापान के 'तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों' को सबसे पहले 1967 में प्रधानमंत्री ईसाकु सातो ने पेश किया था।

इन्हें 1971 में जापानी संसद के प्रस्ताव के तौर पर औपचारिक रूप से मंजूरी दी गई। जापान के तीन गैर-परमाणु सिद्धांत हैः (1) परमाणु हथियार न रखना, (2) परमाणु हथियार न बनाना, (3) जापान की जमीन पर परमाणु हथियारों को आने की इजाजत न देना। इसी के तहत जापान अमेरिकी परमाणु हथियारों को अपने देश में नहीं रखता है और ना ही परमाणु हथियारों से लैस अमेरिकी विमान, पनडुब्बियों या युद्धपोतों को अपने यहां आने की इजाजत देता है।

अमेरिकी पत्रकार का बीच सड़क से अपहरण

जबरन गाड़ी में खींचकर ले गए, अमेरिकी दूतावास ने इराक न जाने की सलाह दी थी

बगदाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की फ्रीलांस पत्रकार शैली किटल्सन का मंगलवार को इराक की राजधानी बगदाद में अपहरण कर लिया गया। अज्ञात हमलावरों ने शैली को अल-सादून स्ट्रीट पर स्थित बगदाद होटल के पास से अगवा किया।

इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें अपराधी, पत्रकार को जबरन गाड़ी में खींचकर ले जाते नजर आ रहे हैं। इराक के गृह मंत्रालय ने भी घटना की पुष्टि की है, हालांकि उसने पत्रकार की पहचान सार्वजनिक नहीं की। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि एक विदेशी पत्रकार का अज्ञात लोगों ने अपहरण कर लिया, जिसके बाद सुरक्षा बलों को तुरंत कार्रवाई के लिए भेजा गया। कुछ समय से वह न्यूज वेबसाइट अल-मॉनिटर के लिए रिपोर्टिंग कर रही थी। इसी वेबसाइट के मुताबिक अमेरिकी सरकार ने पत्रकार को सुरक्षा वजहों से इराक की यात्रा न करने की सलाह भी दी थी।

शैली किटल्सन युद्ध क्षेत्रों में रिपोर्टिंग के लिए जानी जाती हैं और उन्हें 2017 में प्रेमियो कारावेला अवॉर्ड मिल चुका है। वह मुख्य रूप से मिडिल ईस्ट, खासकर इराक और सीरिया से जुड़ी रिपोर्टिंग करती रही हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर अपहरणकर्ताओं का पीछा किया। इस दौरान अपहरण में इस्तेमाल हो रही एक गाड़ी पलट गई, जिससे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और कुछ वाहन भी जब्त किए गए।

हालांकि पत्रकार को ले जा रही दूसरी गाड़ी मौके से फरार हो गई और वह बगदाद के दक्षिण की ओर निकल गई।

दो इराकी सुरक्षा अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि अपहरण की शिकार पत्रकार एक अमेरिकी महिला हैं। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हथियारबंद लोग उनकी गाड़ी रोककर उन्हें जबरन बाहर निकालते दिख रहे हैं।

सउदी अरब के चैनल अल-अरबिया ने इस कथित अपहरण का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

एलपीजी किल्लत से छात्र पढ़ाई छोड़ गांव लौटने लगे

कोडरमा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के कोडरमा जिले में एलपीजी की किल्लत का असर अब छात्रों पर भी पड़ रहा है। गैस की कमी के कारण लॉज में रहकर पढ़ाई करने वाले कई विद्यार्थी अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़कर घर लौटने को मजबूर हो रहे हैं। यह समस्या पिछले एक महीने से बनी हुई है। रसोई गैस सिलेंडर के ना मिलने से ऐसे छात्र घर पर खाना नहीं बना पा रहे हैं और बाहर ढाबा होटल में खाना महंगा हो गया है। ऐसी स्थिति में छात्र गांव जाने को विवश हो रहे हैं। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के कारण भारत के विभिन्न राज्यों में एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। झारखंड भी इससे अछूता नहीं है, जहां के कई जिलों में गैस की कमी साफ दिखाई दे रही है। पहले इस किल्लत का सामना घरेलू उपभोक्ताओं को करना पड़ रहा था।

ईरान में सरकार-सेना के बीच टकराव बढ़ा

रिपोर्ट में दावा- मुजतबा खामेनेई से नहीं मिल पा रहे राष्ट्रपति, कंट्रोल आईआरजीसी के हाथ में

तेहरान, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान में सरकार और धार्मिक सेना (आईआरजीसी) के बीच टकराव बढ़ने की खबर है। तेहरान टाइम्स रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की ताकतवर सेना जैसी संस्था इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के बीच सत्ता को लेकर खींचतान चल रही है।

अखबार के मुताबिक आईआरजीसी ने देश का कंट्रोल अब अपने हाथ में ले लिया है। दावा यह भी है कि राष्ट्रपति पजशकियान की मुलाकात सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई से नहीं हो पा रही है।

दरअसल इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को लेकर एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत जारी है। ट्रम्प के मुताबिक, उनकी टीम कुछ 'समझदार' ईरानी नेताओं के संपर्क में है और बातचीत के जरिए हालात को शांत करने की कोशिश

की जा रही है। हालांकि, ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को तुरंत खारिज कर दिया। ईरानी अधिकारियों ने साफ कहा कि किसी भी तरह की सीधी बातचीत नहीं चल रही है। ट्रम्प का दावा खारिज होने के बाद यह सवाल उठने लगा कि आखिर ईरान में असली कंट्रोल किसके पास है।

रिपोर्ट के मुताबिक पजशकियान कोई बड़ा फैसला नहीं ले पा रहे हैं। आईआरजीसी जिसका काम अमेरिका के हमलों का जवाब देना था, अब सरकार की अहम फैसले भी ले रहा है।

अखबार ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि पजशकियान ने 26 मार्च को नया खुफिया मंत्री नियुक्त करने की कोशिश की थी। वे हुसैन देहगान को यह पद देना चाहते थे, लेकिन आईआरजीसी चीफ अहमद वहीदी ने इसे रोक दिया। वहीदी ने यह पद तब संभाला था, जब युद्ध की शुरुआत में पिछले कमांडर मोहम्मद पाकपुर मारे गए थे। वहीदी का कहना है कि युद्ध की स्थिति में सभी अहम और संवेदनशील पदों पर नियुक्ति आईआरजीसी ही करेगा और वही उन्हें संभालेगा।

आमतौर पर ईरान की व्यवस्था में राष्ट्रपति खुफिया मंत्री का नाम तभी तय करते हैं, जब सुप्रीम लीडर की मंजूरी मिल जाती है, क्योंकि सुरक्षा से जुड़े मामलों में अंतिम अधिकार उन्हीं के पास होता है।

अखबार लिखता है कि ईरान में सुप्रीम लीडर कौन है, इसे लेकर स्थिति साफ नहीं है। 28 फरवरी को जब जंग शुरू हुई उसी दिन अयातुल्लाह अली खामेनेई और कई बड़े नेता मारे गए थे।

कुछ दिनों बाद खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता बनाया गया, लेकिन तब से वे न तो सामने आए हैं और न ही सीधे कोई बयान दिया है। उनके संदेश सिर्फ टीवी पर पढ़कर सुनाए जा रहे हैं।

दलितों से भेदभाव पर पहली बार माफी मांगेगा भारत का पड़ोसी नेपाल

पीएम बालेन शाह ने किया बड़ा ऐलान

काठमांडू, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल वर्षों तक दलितों से किए गये भेदभाव को लेकर माफी मांगने की तैयारी कर रहा है। नेपाल की नई सरकार का कहना है कि वह आखिरकार इस अन्याय को स्वीकार करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के प्रशासन ने रविवार को घोषणा की है कि नेपाल, पहली बार दलित समुदाय से औपचारिक रूप से माफी मांगेगा।

इसके अलावा नेपाल की नई सरकार की 100-दिन की शासन-सुधार कार्ययोजना के तहत दो हफ्तों के भीतर एक सुधार कार्यक्रम शुरू करने का भी वादा किया है। इसका मकसद समावेशी पुनर्वास, ऐतिहासिक मेल-मिलाप और सामाजिक न्याय के लिए आधार तैयार करना है।

नेपाल की दलित सोसाइटी डेवलपमेंट फोरम के अध्यक्ष नेपाली ने कहा है कि 'राज्य की तरफ से मांगी गई औपचारिक माफी हमारे जख्मों पर मरहम का काम करेगी।' नेपाली 40 साल की उम्र की एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं और सुदूर-पश्चिमी ज़िले बैतड़ी में 'दलित समाज विकास मंच' की अध्यक्ष हैं। उन्होंने आगे कहा कि 'लेकिन इन जख्मों को पूरी तरह भरने के लिए नेपाल सरकार को हमारे सभी गारंटीशुदा अधिकारों को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करना होगा। इससे हमें न्याय मिलेगा और हमारी गरिमा भी बनी रहेगी।'

नेपाल की करीब 3 करोड़ आबादी में दलित समुदाय की आबादी करीब 13 प्रतिशत है। भारत समेत दक्षिण एशिया के सभी देशों में वर्षों से दलितों के साथ अत्याचार किया गया है, उनके साथ भेदभाव किया गया है और उन्हें 'अछूत' मांगा गया है। उन्हें सदियों से सामाजिक और धार्मिक जीवन से अलग रखा गया है और नेपाल सरकार का माफी मांगने का

फैसला स्वागत योग्य है। नेपाल ने 2006 में खुद को 'अछूत-मुक्त राष्ट्र' घोषित कर लिया था। 2011 में जाति-आधारित भेदभाव को अपराध घोषित कर दिया गया और 2015 में लागू देश के मौजूदा गणतांत्रिक संविधान में दलितों के अधिकारों को शामिल किया गया था।

हालांकि मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि 'भेदभाव अभी भी जारी है'। इसके लिए प्रमुख संस्थानों में दलितों के प्रतिनिधित्व की कमी और समुदाय की सीमित राजनीतिक शक्ति को जिम्मेदार ठहराया जाता है जिसके कारण मौजूदा कानूनों को ठीक से लागू नहीं किया जा पा रहा है। नेपाल में हर आठ में से लगभग एक व्यक्ति दलित होने के बावजूद देश की संसद में उनके पास सिर्फ 6 प्रतिशत सीटें ही हैं और उनमें से लगभग 42 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं जो राष्ट्रीय औसत का लगभग दोगुना है।

8वीं की छात्रा से अफेयर, पीछा छुड़ाने ट्रेन से फेंका

बिलासपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर में बॉयफ्रेंड ने 14 साल की गर्लफ्रेंड को चलती ट्रेन से धक्का देकर मार डाला। नाबालिग 8वीं में पढ़ती थी। उसका मोहन वर्मा (27) से अफेयर था, इस दौरान कई बार उनके बीच शारीरिक संबंध बने। जब नाबालिग प्रेग्नेंट हुई तो आरोपी ने मेडिसिन देकर अबॉर्शन भी कराया था। इससे परेशान बॉयफ्रेंड ने दोस्तों संग मिलकर उसे मारने की प्लानिंग की। 28 मार्च को उसे घर से भगा ले गया था। पहले डोंगरगढ़ ले जाकर उसे खूब समझाया। नहीं मानी तो ट्रेन से बिलासपुर ले जाते समय बीच रास्ते में ही उसे फेंक दिया।

भारत को सबसे घातक हथियार क्यों दे रहे

कभी रूस पर भड़का था चीन, अब दोस्ती पर बड़ा खतरा

केनबरा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही चीन और रूस के बीच दोस्ती 'नो लिमिट' वाली हो गई है। एक समय था जब रूस को डर सताता था कि चीन उसके फॉर ईस्ट इलाके पर कब्जा कर सकता है। ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक एएसपीआई की रिपोर्ट के मुताबिक अब चीन और रूस की जोड़ी वैश्विक व्यवस्था को आकार दे रही है और यह पश्चिमी देशों के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही है।

चीन के पास अत्याधुनिक रूसी हथियार तकनीक खुलकर आ रही है जिसका असर भारत की सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। एक समय वह भी था जब चीन ने रूस से शिकायत की थी कि वह भारत को अत्याधुनिक हथियारों की तकनीक क्यों दे रहा है। एएसपीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस और चीन के बीच दोस्ती कोल्ड वॉर की समाप्ति के बाद बढ़ना शुरू हो गया था लेकिन हाल के वर्षों में इसमें और भी ज्यादा तेजी आई है। रूस और चीन दोनों को अब यह भरोसा हो गया है कि वे मिलकर पश्चिमी देशों को मात दे सकते हैं और उनके साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। पश्चिमी देश लगातार रूस के यूक्रेन पर हमले और चीन की हिंद प्रशांत क्षेत्र में तेजी से बढ़ती सैन्य आक्रामकता का विरोध करते हैं। साल 2022 में पुतिन और शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद रूस और चीन ने 'नो लिमिट' वाली दोस्ती का ऐलान किया था।

आतंकी हाफिज सईद के बेटे से हाथ मिलाते दिखे पीएम शहबाज के करीबी नेता

इस्लामाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के करीबी सहयोगी राणा सनाउल्लाह और आतंकी हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि यह तस्वीर फैसलाबाद में हुए एक शादी समारोह की है, जिसमें राणा सनाउल्लाह और तल्हा सईद एक-दूसरे से हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। हालांकि, इस मुलाकात की सही तारीख की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

हाफिज सईद को 2008 के मुंबई आतंकी हमलों का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है। उस पर भारत, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने प्रतिबंध लगाए हुए हैं। उसका बेटा तल्हा सईद भी भारत द्वारा यूएपीए कानून के तहत आतंकी घोषित किया जा चुका है। हाफिज सईद इस समय पाकिस्तान में सजा काट रहा है, लेकिन समय-समय पर उसके खुलेआम घूमने की खबरें भी सामने आती रही हैं। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान के किसी नेता का नाम ऐसे विवाद में जुड़ा हो। पिछले साल पंजाब के कसूर में हुए एक कार्यक्रम में भी कई पाकिस्तानी मंत्री आतंकी संगठनों से जुड़े लोगों के साथ मंच साझा करते दिखे थे।

नाटो से 77 साल बाद अलग होगा अमेरिका?

वॉशिंगटन, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन के 'डेली टेलीग्राफ' अखबार को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अमेरिका को नाटो से बाहर निकालने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। उन्होंने यह बात तब कही जब नाटो के सहयोगी देश ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का समर्थन करने में नाकाम रहे हैं। ट्रंप के इस बयान के बाद यूरोपीय देशों में हड़कंप मचा हुआ है। नाटो को मूल रूप से सोवियत संघ की आक्रामकता से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को बचाने के लिए किया गया था। वर्तमान में अमेरिका नाटो का सबसे शक्तिशाली देश है। ऐसे में अमेरिका के नाटो से अलग होने से यह सैन्य गठबंधन बिखर सकता है।

अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने इस गठबंधन को कागजी शेर बताया और कहा कि अमेरिका को इस रक्षा समझौते से बाहर निकालना अब पुनर्विचार से परे है। उन्होंने कहा कि उन्हें लंबे समय से नाटो की विश्वसनीयता पर संदेह रहा है। जब अखबार ने उनसे पूछा कि क्या वह इस संघर्ष के बाद गठबंधन में अमेरिका की सदस्यता पर पुनर्विचार करेंगे, तो ट्रंप ने कहा, ओह हां, मैं कहूंगा कि यह दोबारा विचार करने की बात से भी आगे की बात है।

नाटो सैन्य गठबंधन में अमेरिका सबसे प्रमुख और शक्तिशाली सदस्य है। 1949 में स्थापित, यह उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच एक सुरक्षा गठबंधन है। अमेरिका नाटो गठबंधन के बजट में सबसे बड़ा योगदान देता है। इसके अलावा अमेरिका यूरोप की रक्षा रणनीति में भी सबसे बड़ी भूमिका निभाता है।

अमेरिका नाटो का संस्थापक सदस्य है और इसके सैन्य गठबंधन का नेतृत्व करता है, लेकिन ईरान युद्ध में नाटो देशों की निष्क्रियता से वह नाराज है।

चंबल एक्सप्रेस में नशा खुरानी से महिला की हुई थी मौत

कोडरमा से 7 आरोपी गिरफ्तार, यात्रियों को बेहोश कर कीमती सामान ले जाते थे

धनबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मध्य रेल के आरपीएफ(सीआईबी) अपराध आसूचना शाखा धनबाद ने चंबल एक्सप्रेस में हुई नशा खुरानी की घटना का खुलासा करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई लंबी तकनीकी जांच और कई राज्यों में फैले सीसीटीवी विश्लेषण के बाद की गई। इस घटना में एक महिला की मौत हो गई थी।

यह घटना गाड़ी संख्या 20975 चंबल एक्सप्रेस के जनरल कोच में 10-11 मार्च की रात घटी थी। शिवानी (30) अपने पति के साथ धनबाद से बांदा जा रही थीं। भीड़ के कारण वह ऊपर की बर्थ पर सो गई थीं। उसी दौरान साधु के वेश में एक व्यक्ति ने उन्हें प्रसाद के नाम पर नशीला लड्डू खिलाया और झाड़-फूंक की।

लड्डू में नशीला पदार्थ मिला होने के कारण महिला बेहोश हो गई। आरोपी उनके पर्स से करीब चार हजार रुपए नगद और चांदी की पायल-बिछिया लेकर फरार हो गया। महिला को बेहोशी की हालत में बांदा स्टेशन पर उतारा गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 15 मार्च को उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरपीएफ ने मामले की जांच शुरू की।

पांच साधु और संदिग्ध व्यक्ति ट्रेन में चढ़ते दिखे

जांच के दौरान, धनबाद स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में साधु वेशधारी संदिग्ध उसी कोच में चढ़ते-उतरते दिखा। आगे की जांच में आसनसोल और बर्धमान के फुटेज में पांच साधु और फिर दो अन्य संदिग्ध व्यक्ति उसी कोच में चढ़ते हुए नजर आए। गोमो, पारसनाथ, कोडरमा, गया और डीडीयू तक के फुटेज खंगाले गए। डीडीयू के बाहर सड़क कैमरे में सभी सात संदिग्ध एक मैजिक वाहन से बनारस कैंट की ओर जाते दिखे। बनारस कैंट के सीसीटीवी में ये लोग प्लेटफॉर्म 9 से 20401 बनारस-लखनऊ शटल के जनरल कोच में चढ़ते हुए पाए गए। सुल्तानपुर स्टेशन के फुटेज ने यह पुष्टि की कि गिरोह मुसाफिरखाना या निहालगढ़ के आसपास उतरा होगा। आईपीएफ/सीआईबी धनबाद के नेतृत्व में एक टास्क टीम का गठन किया गया। टीम ने लखनऊ, सुल्तानपुर और निहालगढ़ होते हुए आखिरकार आसनसोल में काली पहाड़ी के पास गिरोह के अस्थायी टेंट का पता लगाया।

भगवान हनुमान क्यों कहलाते हैं 'चिरंजीवी'?

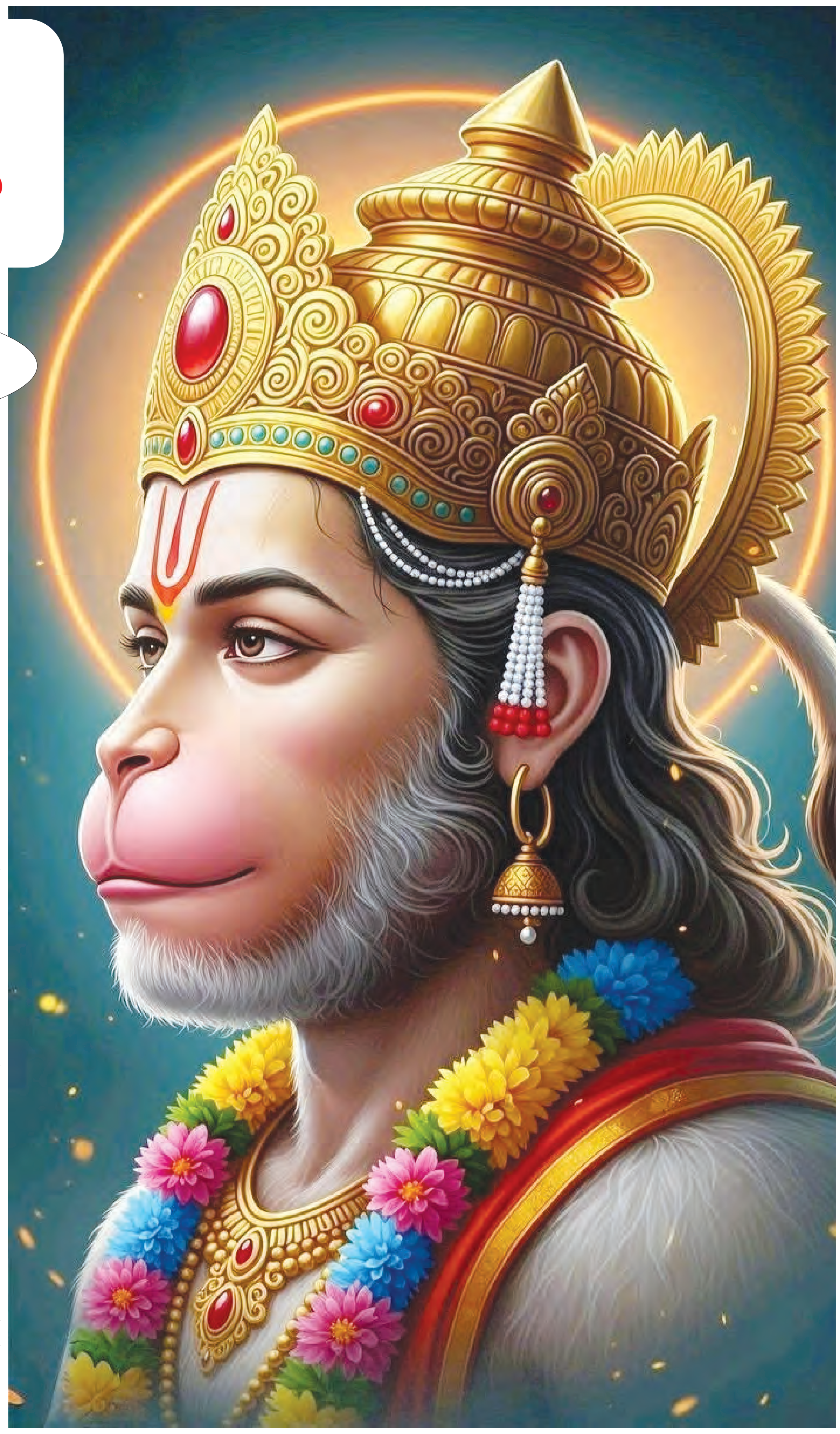

हनुमान जयंती 2 अप्रैल 2026, गुरुवार को मनाई जाएगी। इस दिन श्रद्धालु व्रत रखते हैं और शुभ मुहूर्त में बजरंगबली की विधि विधान पूजा करते हैं। वहीं कई भक्त इस दिन सुदरकांड का पाठ भी करते हैं।

हनुमान जयंती शुभ मुहूर्त 2026
ब्रह्म मुहूर्त – 04:38 प्रात: 05:24
प्रात: सन्ध्या – 05:01 प्रात: 06:10
अभिजित मुहूर्त – 12:00 दोपहर 12:50 दोपहर
विजय मुहूर्त – 02:30 दोपहर से 03:20 दोपहर
गोधूलि मुहूर्त – 06:38 शाम से 07:01 शाम
सायाह्न सन्ध्या – 06:39 शाम से 07:48 शाम
अमृत काल – 11:18 रात्रि 12:59 रात्रि

भगवान हनुमान का नाम सुनते ही शक्ति, भक्ति और निडरता की तस्वीर आंखों के सामने आ जाती है। लेकिन एक बात जो उन्हें सबसे अलग बनाती है, वह है उनका 'चिरंजीवी' होना यानी अमर होना। आम तौर पर इंसान का जन्म होता है और एक दिन उसका अंत भी होता है, लेकिन हनुमान जी को ऐसा वरदान मिला कि वे आज भी इस धरती पर मौजूद माने जाते हैं। यही वजह है कि भक्तों का विश्वास है कि जहां भी राम नाम का जप होता है, वहां हनुमान जी जरूर पहुंचते हैं। उनकी अमरता सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई पौराणिक घटनाएं, देवताओं के आशीर्वाद और उनकी अतुलनीय भक्ति छिपी हुई है। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने कभी अपने लिए कुछ नहीं मांगा, बस भगवान राम की सेवा को ही अपना जीवन बना लिया। इसी निस्वार्थ भक्ति और सेवा भावना के कारण उन्हें ऐसा वरदान मिला जो बहुत कम लोगों को मिलता है। आज के समय में भी जब लोग मुश्किल में होते हैं, तो हनुमान जी का नाम लेते हैं और मानते हैं कि वे उनकी रक्षा करते हैं। यही कारण है कि उन्हें सिर्फ शक्तिशाली देवता ही नहीं, बल्कि हमेशा जीवित रहने वाले देवता यानी चिरंजीवी कहा जाता है।

चिरंजीवी का मतलब क्या होता है: चिरंजीवी शब्द का मतलब होता है वह जो हमेशा जीवित रहे। हिंदू धर्म में कुछ ही ऐसे पात्र हैं जिन्हें चिरंजीवी माना गया है। इसका मतलब यह नहीं कि वे बिल्कुल साधारण रूप में हमारे बीच घूमते हैं, बल्कि यह माना जाता है कि वे अलग रूप में, ऊर्जा के रूप में या दिव्य शक्ति के रूप में आज भी मौजूद हैं। हनुमान जी उनमें सबसे प्रसिद्ध हैं, क्योंकि उनका संबंध सीधे भगवान राम की सेवा से जुड़ा हुआ है।

बचपन में मिले दिव्य वरदान: हनुमान जी के बचपन की एक प्रसिद्ध कहानी है जब उन्होंने सूरज को फल समझकर निगलने की कोशिश की। इस घटना से देवता चिंतित हो गए और उन्हें रोकने के लिए इंद्र देव ने वज्र से प्रहार किया। इससे हनुमान जी को चोट लगी, लेकिन उनके पिता वायु देव नाराज हो गए और उन्होंने पूरे संसार में हवा का प्रवाह रोक दिया। तब सभी देवताओं ने मिलकर हनुमान जी को कई शक्तियां और वरदान दिए। इन्हीं वरदानों में उन्हें अजर अमर रहने का आशीर्वाद भी मिला, यानी वे कभी खत्म नहीं होंगे।

भगवान राम से मिला अमरत्व का वरदान: रामायण में हनुमान जी की सबसे बड़ी पहचान भगवान राम के प्रति उनकी भक्ति है। जब उन्होंने राम जी की हर मुश्किल में साथ दिया, सीता माता को खोजा और लंका में जाकर अपने पराक्रम का परिचय दिया, तब भगवान राम उनके इस समर्पण से बहुत खुश हुए। कहा जाता है कि भगवान राम ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि जब तक इस दुनिया में उनका नाम लिया जाएगा, तब तक हनुमान जी भी जीवित रहेंगे। यही वह सबसे बड़ा कारण है जिससे उन्हें चिरंजीवी कहा जाता है।

निस्वार्थ भक्ति का मिला फल: हनुमान जी ने कभी भी अपने लिए शक्ति या सम्मान नहीं मांगा। उन्होंने सिर्फ सेवा की और हर काम भगवान राम के नाम पर किया। उनकी यही निस्वार्थ भावना उन्हें बाकी सभी से अलग बनाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के सेवा करता है, उसे दिव्य शक्तियां प्राप्त होती हैं। हनुमान जी इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं।

आज भी मौजूद होने की मान्यता: कई जगहों पर यह माना जाता है कि हनुमान जी आज भी जीवित हैं और भक्तों की मदद करते हैं। कुछ कथाओं में यह भी कहा जाता है कि वे हिमालय या जंगलों में तपस्या कर रहे हैं। हालांकि यह सब आस्था का विषय है, लेकिन करोड़ों लोग इसे सच्चाई मानते हैं। मंगलवार और शनिवार को उनकी पूजा करने का विशेष महत्व भी इसी कारण से माना जाता है।

जीवन में क्या सीख मिलती है: हनुमान जी की कहानी हमें सिखाती है कि सच्ची भक्ति, मेहनत और निस्वार्थ सेवा से इंसान बहुत ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। उनकी अमरता सिर्फ शरीर की नहीं, बल्कि उनके विचारों और गुणों की भी है। अगर हम उनके जैसे गुण अपनाएं, तो हम भी अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

जब 56 भोग खाकर भी शांत नहीं हुई हनुमान जी की भूख

ये खास पत्ता तुलसी का था, जिसे भगवान हनुमान की पूजा में जरूर शामिल किया जाता है। कहते हैं इसके बिना बजरंगबली की पूजा पूरी नहीं होती, इसलिए भक्त हनुमान जी को भोग स्वरूप तुलसी जरूर अर्पित करते हैं। कहते हैं जो भी श्रद्धालु हनुमान जी को तुलसी दल चढ़ाता है उसकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। चलिए जानते हैं ये पत्ता भगवान हनुमान का प्रिय कैसे बना?

जब 56 भोग भी पड़ गए कम

ये पौराणिक कथा उस समय की है जब भगवान राम अयोध्या वापस लौट आए थे। एक दिन भगवान हनुमान को माता सीता ने सभी के साथ भोजन करने के लिए कहा। माता सीता ने हनुमान जी के लिए अनेक प्रकार के छप्पन भोग और स्वादिष्ट पकवान तैयार किए थे। हनुमान जी भोजन करने बैठे और देखते ही देखते सारा भोजन समाप्त हो गया, लेकिन फिर भी भूख शांत नहीं हुई। माता सीता ने फिर से भोजन बनवाया, लेकिन हनुमान जी उसे भी खा गए और अब भी उनकी भूख शांत नहीं हुई थी। धीरे-धीरे स्थिति यह आ गई कि महल के सारे अन्न भंडार खाली होने लगे। माता सीता चिंतित हो गईं कि हनुमान जी की भूख कैसे शांत की जाए।

तब माता ने किया ये उपाय

तब माता सीता ने राम जी से उनके भक्त हनुमान की भूख शांत करने का उपाय पूछा। उपाय जानने के बाद माता सीता ने एक तुलसी का पत्ता लिया और उस पर राम नाम लिख दिया। जैसे ही हनुमान जी ने ये पत्ता खाया उनकी भूख तुरंत शांत हो गई। तब माता सीता समझ गईं कि ये भूख खाने की नहीं, बल्कि श्रीराम की भक्ति की भूख थी। कहते हैं तभी से ऐसी मान्यता चली आ रही है कि हनुमानजी को तुलसी अर्पित करने से उनकी शीघ्र ही कृपा प्राप्त हो जाती है।

कलियुग के देवता हैं पवनपुत्र हनुमान

योगेश गोयल

सनातन धर्म में सप्ताह के प्रत्येक दिन को किसी न किसी देवता को समर्पित किया गया है और भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त पवनपुत्र हनुमान को मंगलवार का दिन समर्पित माना गया है। हनुमान जयंती, जिसे 'हनुमान जन्मोत्सव' भी कहा जाता है, प्रतिवर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। इस वर्ष यह पावन पर्व 2 अप्रैल को मनाया जा रहा है। हनुमान जयंती को 'हनुमान जन्मोत्सव' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि ऐसी मान्यता है कि महाबली हनुमान आज भी धरती पर विद्यमान हैं और अपने भक्तों की सहायता के लिए सदैव उपस्थित रहते हैं। पुराणों के अनुसार, जब हनुमानजी ने भगवान श्रीराम की सेवा, भक्ति और समर्पण का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया, तब माता सीता ने उन्हें अमरता का वरदान दिया था। यही कारण है कि उन्हें 'चिरंजीवी' माना जाता है और उनके जन्मोत्सव को विशेष श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह पर्व हिन्दू समाज के लिए केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सांस्कृतिक चेतना और आस्था का प्रतीक है। हनुमान जन्मोत्सव अच्छाई की विजय और न्याय की स्थापना के संकल्प का स्मरण कराता है। यह दिन सभी को प्रेरणा देता है कि वे धर्म के मार्ग पर चलते हुए जीवन में सच्चाई, सेवा और समर्पण को अपनाएं। भगवान श्रीराम का जन्म लगभग 5114 ईसा पूर्व अयोध्या में हुआ माना जाता है और यह मान्यता है कि हनुमानजी का जन्म श्रीराम के जन्म से पूर्व हुआ था ताकि वे श्रीराम की सेवा में समर्पित हो सकें। हनुमानजी हिन्दू धर्म के सबसे पूज्यनीय और लोकप्रिय देवताओं में से एक हैं। उनकी पूजा केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में फैले हिन्दू समुदाय द्वारा श्रद्धा और भक्ति भाव से की जाती है। भगवान हनुमान को कलियुग का देवता माना गया है, जो शीघ्र प्रसन्न होते हैं। यह मान्यता है कि सच्चे मन से उनकी पूजा करने से सभी प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं, आरोग्यता प्राप्त होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विशेष रूप से मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी की पूजा अत्यंत फलदायक मानी जाती है। हनुमान चालीसा का पाठ इस दिन विशेष रूप से किया जाता है। 16वीं शताब्दी के महान संत, कवि और भक्त गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा की रचना की थी, जो आज भी करोड़ों लोगों की श्रद्धा का केन्द्र है। हनुमान चालीसा में हनुमानजी के गुण, पराक्रम, भक्ति और उनके चमत्कारों का विस्तारपूर्वक वर्णन है। ऐसा कहा जाता है कि इसका पाठ करने से भय और दुख दूर होते हैं और साधक को मानसिक शांति प्राप्त होती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान हनुमान का जन्म त्रेतायुग में हुआ था, जब भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। भगवान शिव ने भगवान राम की सेवा हेतु रुद्रावतार हनुमान के रूप में जन्म लिया। वाल्मीकि रामायण, महाभारत, पुराणों और अन्य ग्रंथों में हनुमानजी के पराक्रम, भक्ति और सेवाभाव का विस्तारपूर्वक वर्णन मिलता है। माता अंजना और वानरराज केसरी के पुत्र हनुमान को जन्म से ही असाधारण शक्तियां प्राप्त थीं। उन्हें सूर्य से शिक्षा प्राप्त करने का सौभाग्य मिला और अनेक देवी-देवताओं ने उन्हें अपने-अपने आशीर्वाद से शक्तिशाली बना दिया। हनुमानजी को अष्ट सिद्धियां और नव निधियां प्राप्त हैं। यही कारण है कि उन्हें अजेय, अमर और महाबली देवता माना गया है।

हनुमानजी की भक्ति और शक्ति का सबसे बड़ा प्रमाण रामायण में मिलता है, जब उन्होंने माता सीता की खोज में समुद्र पार किया, लंका दहन किया और संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मणजी के प्राणों की रक्षा की। उनका समर्पण, साहस और त्याग अप्रतिम है। वे केवल पराक्रमी योद्धा ही नहीं बल्कि एक अत्यंत बुद्धिमान और विनम्र भक्त भी हैं। 'संकटमोचन' कहे जाने वाले हनुमान अपने भक्तों को हर प्रकार के संकट से उबारते हैं और उन्हें भय, पीड़ा तथा क्लेश से मुक्त करते हैं। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति सच्चे मन से हनुमानजी की उपासना करता है, वह जीवन में आने वाली सभी बाधाओं को पार करते हुए सफलता की सीढ़ियां चढ़ता है।

हनुमानजी के नामकरण को लेकर भी एक विशेष कथा प्रचलित है। संस्कृत में 'हनु' का अर्थ होता है दाढ़ी। पौराणिक मान्यता के अनुसार, बाल्यावस्था में जब हनुमानजी को तीव्र भूख लगी तो उन्होंने सूर्य को एक लाल फल समझकर खाने के लिए दौड़ लगा दी। उसी समय राहु भी सूर्यग्रहण के लिए आया था लेकिन हनुमानजी ने राहु को भगा दिया और सूर्य को निगल लिया।

संकट मोचन मंदिर : जहां भक्त की भक्ति पर प्रकट हुए बजरंगबली

सुरेश गांधी

काशी, अर्थात वाराणसी, सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि वह अनादि चेतना है, जहां समय ठहरकर आध्यात्मिकता का अर्थ समझाता है। यहां हर घाट एक कथा है, हर मंदिर एक इतिहास, और हर आस्था एक अनुभव। इसी दिव्य नगरी के मध्य स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर वह स्थल है, जहां भक्ति ने ईश्वर को साकार रूप में प्रकट होते देखा है। यह केवल मंदिर नहीं, यह विश्वास का वह केंद्र है, जहां संकटों से घिरे मनुष्य को आश्रय मिलता है, जहां आंखों में भरे आंसू प्रार्थना बनते हैं और जहां हर 'असंभव' संभव हो जाता है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में यह मान्यता रही है कि जब भक्ति अपने चरम पर पहुंचती है, तो ईश्वर स्वयं प्रकट होते हैं। यह कोई कल्पना नहीं, बल्कि काशी के इस पावन स्थल पर घटित एक ऐतिहासिक सत्य है।

16वीं शताब्दी में संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जब रामकथा के माध्यम से जन-जन में भक्ति का संचार कर रहे थे, तब उनके जीवन में एक ऐसा मोड़ आया जिसने उन्हें अमरत्व प्रदान कर दिया। कथा के दौरान एक साधारण, कुष्ठग्रस्त ब्राह्मण प्रतिदिन उपस्थित रहता था। वह शांत भाव से कथा सुनता, किसी से संवाद नहीं करता। तुलसीदास के मन में जिज्ञासा जगी, परंतु रहस्य का उद्घाटन तब हुआ जब एक अलौकिक संकेत मिला, वह ब्राह्मण कोई साधारण व्यक्ति नहीं, बल्कि स्वयं पवनपुत्र हनुमान जी हैं। यह जानकर तुलसीदास का मन व्याकुल हो उठा। उन्होंने उस ब्राह्मण का पीछा किया, और फिर वह क्षण आया जिसने इतिहास बदल दिया। एकांत में पहुंचते ही वह ब्राह्मण दिव्य प्रकाश में परिवर्तित हुआ और अपने वास्तविक स्वरूप में प्रकट हुआ, वह थे संकटमोचन, भक्तवत्सल हनुमान।

हनुमान जी के दर्शन से अभिभूत तुलसीदास ने अपने आराध्य भगवान राम के दर्शन की इच्छा व्यक्त की। हनुमान जी ने उन्हें मार्ग बताया, चित्रकूट। तुलसीदास चित्रकूट पहुंचे। वहां संतों की भीड़ थी, भक्ति का वातावरण था, और उसी भीड़ में एक साधारण बालक के रूप में स्वयं भगवान राम उपस्थित थे। तुलसीदास ने उन्हें पहचान लिया : भगवान राम के दर्शन के पश्चात तुलसीदास पुनः काशी लौटे। जिस स्थान पर उन्हें हनुमान जी के दर्शन हुए थे, वहीं उन्होंने हनुमान जी की मूर्ति स्थापित की। यह वही स्थान है, जो आज संकटमोचन मंदिर के रूप में विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां स्थापित हनुमान जी की मूर्ति अन्य मंदिरों से भिन्न है। यह केवल एक प्रतिमा नहीं, बल्कि वह दिव्य प्रतीक है, जिसमें भक्तों को साक्षात उपस्थिति का अनुभव होता है। सिन्दूरी रंग से आच्छादित यह मूर्ति दक्षिणमुखी है, और विशेष बात यह है कि इसकी दृष्टि सदैव भगवान राम की ओर रहती है। यह केवल स्थापत्य नहीं, बल्कि भक्ति की पराकाष्ठा का प्रतीक है। संकटमोचन मंदिर के निकट स्थित तुलसीघाट वह स्थान है, जहां तुलसीदास ने गंगा के तट पर बैठकर रामचरितमानस की रचना की। यहां का पीपल वृक्ष, घाट की सीढ़ियां, और गंगा की धारा, सब उस युग की साक्षी हैं, जब एक साधक ने अपने तप और भक्ति से एक ऐसा ग्रंथ रचा, जो आज भी करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 2 अप्रैल - 2026

नालंदा हादसा: अव्यवस्था का शिकार

बिहार के नालंदा जिले के शीतला माता मंदिर में मची भगदड़ और उसमें आठ महिलाओं की मौत की घटना जितनी दर्दनाक है, उतनी ही चेतावनी देने वाली भी है। सवाल सिर्फ एक हादसे का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का है जो हर बार ऐसी घटनाओं के बाद सक्रिय दिखती है, लेकिन पहले से तैयारी करने में लगातार असफल रहती है। आस्था के केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी अब अपवाद नहीं, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति बनती जा रही है। चैत्र मास के अंतिम मंगलवार को मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना पहले से थी। यह कोई अचानक उमड़ी भीड़ नहीं थी। इसके बावजूद यदि भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए, तो यह प्रशासनिक लापरवाही का स्पष्ट उदाहरण है। दुखद यह भी है कि हर बार हादसे के बाद जांच और मुआवजे की घोषणा कर दी जाती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जाते। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा मृतकों के परिजनों के लिए सहायता राशि की घोषणा संवेदनशील पहल है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल मुआवजा ही समाधान है? असली जिम्मेदारी उन व्यवस्थागत कमियों को दूर करने की है, जिनकी वजह से ऐसे हादसे होते हैं। धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन कोई नई चुनौती नहीं है। फिर भी बार-बार वही गलतियां दोहराई जा रही हैं। कुछ ही समय पहले तमिलनाडु के करूर में एक राजनीतिक रैली में भगदड़ से 40 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। उससे पहले आरसीबी की विजय रैली और कुंभ मेले के दौरान भी हादसे हुए। यह घटनाएं बताती हैं कि भीड़ नियंत्रण की समस्या केवल किसी एक राज्य या आयोजन तक सीमित नहीं है। यह पूरे देश की प्रशासनिक चुनौती बन चुकी है। तकनीकी विकास और आधुनिक प्रबंधन के इस दौर में भी हम भीड़ नियंत्रण जैसे बुनियादी विषय पर बार-बार असफल साबित हो रहे हैं। सीसीटीवी, ड्रोन निगरानी, प्रवेश-निकास के अलग रास्ते, बैरिकेडिंग और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की तैनाती जैसे उपाय अब सामान्य व्यवस्था का हिस्सा होने चाहिए। लेकिन अक्सर ये इंतजाम कागजों तक ही सीमित रह जाते हैं। धार्मिक स्थलों पर पहुंचने वाले श्रद्धालु केवल दर्शन के लिए आते हैं, जोखिम उठाने के लिए नहीं। किसी भी व्यवस्था की प्राथमिक जिम्मेदारी उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह भी जरूरी है कि आयोजकों, मंदिर समितियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो। केवल सरकारी तंत्र पर निर्भर रहने से समाधान नहीं निकलेगा। नागरिक समाज की भूमिका भी यहां कम महत्वपूर्ण नहीं है। श्रद्धालुओं को भी अनुशासन बनाए रखने और अफवाहों से बचने की जिम्मेदारी निभानी होगी। आस्था का मतलब अव्यवस्था नहीं हो सकता। धक्का-मुक्की और जल्दबाजी किसी भी पुण्य का रास्ता नहीं बन सकती। बिहार के नालंदा का यह हादसा एक बार फिर हमें चेतावनी देता है कि धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन को प्राथमिकता देने का समय अब टल नहीं सकता। जरूरत है कि राज्य सरकारें सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करें और उसका सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। वरना हर बार की तरह इस बार भी कुछ दिन बाद यह घटना केवल एक आंकड़ा बनकर रह जाएगी। आस्था लोगों को जोड़ती है, लेकिन अव्यवस्था उसे त्रासदी में बदल देती है। इसलिए जरूरी है कि श्रद्धा सुरक्षित रहे और व्यवस्था संवेदनशील बने। यही इस हादसे से सबसे बड़ी सीख होनी चाहिए।

पर्सनल आय पर टैक्स हटाने से विकास की रफ्तार तेज

डॉ. शैलेश शुक्ला

आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं में कर-वस्था केवल राजस्व जुटाने का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवहार, निवेश प्रवृत्तियों और उपभोग के स्वरूप को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण नीति-उपकरण भी है। भारत जैसे विकासशील देश में, जहाँ एक ओर तीव्र आर्थिक वृद्धि की आकांक्षा है और दूसरी ओर सामाजिक असमानता तथा सीमित राजकोषीय संसाधनों की चुनौती, वहाँ यह प्रश्न बार-बार उठता है कि क्या व्यक्तिगत आय पर टैक्स को समाप्त करने से विकास की गति को और तेज किया जा सकता है। यह विचार पहली दृष्टि में आकर्षक प्रतीत होता है, क्योंकि इससे लोगों की आय में प्रत्यक्ष वृद्धि होगी, उपभोग बढ़ेगा और आर्थिक गतिविधियाँ तेज हो सकती हैं किंतु इस प्रस्ताव का गंभीर विश्लेषण आवश्यक है, क्योंकि इसके प्रभाव बहुआयामी हैं और केवल सतही लाभों तक सीमित नहीं हैं।

भारत की कर- व्यवस्था पर दृष्टि डालें तो स्पष्ट होता है कि व्यक्तिगत आयकर देश के प्रत्यक्ष कर संग्रह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। वर्ष 2023-24 में व्यक्तिगत आयकर का हिस्सा कुल प्रत्यक्ष करों का लगभग 53 प्रतिशत तक पहुँच गया है, जो 2000-01 के 47 प्रतिशत से उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। यह केवल आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण, वेतनभोगी वर्ग के विस्तार और कर अनुपालन में सुधार का संकेत है। साथ ही, प्रत्यक्ष करों का जीडीपी में योगदान भी बढ़कर लगभग 6.6 प्रतिशत तक पहुँच गया है, जो पिछले कई वर्षों का उच्च स्तर है। इन तथ्यों से स्पष्ट है कि व्यक्तिगत आयकर सरकार के लिए एक स्थिर और बढ़ता हुआ राजस्व स्रोत है, जिसे अचानक समाप्त करना सरल निर्णय नहीं हो सकता। फिर भी, इस विचार के समर्थन में कई तर्क प्रस्तुत किए जाते हैं। पहला और सबसे प्रमुख तर्क यह है कि आयकर हटाने से लोगों के हाथ में अधिक धन आएगा, जिससे उपभोग में वृद्धि होगी। भारत जैसी अर्थव्यवस्था, जहाँ घरेलू उपभोग जीडीपी का बड़ा हिस्सा बनाता है, वहाँ यह प्रभाव महत्वपूर्ण हो सकता है। जब मध्यवर्ग और निम्न-मध्यवर्ग के पास अधिक क्रय-शक्ति होगी, तो वे अधिक वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करेंगे, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। हाल के वर्षों में भी यह देखा गया है कि कर में छूट या कटौती की संभावनाएँ उपभोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विचाराधीन रही हैं। इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो आयकर समाप्त करना एक बड़े प्रोत्साहन पैकेज के समान हो सकता है, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक हो।

दूसरा महत्वपूर्ण तर्क निवेश और उद्यमिता से जुड़ा है। यदि व्यक्तियों पर आयकर का बोझ कम या समाप्त हो जाता है, तो उनके पास बचत और निवेश के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध होंगे। यह पूँजी स्टार्टअप, लघु उद्योगों और नवाचार में निवेश के रूप में प्रवाहित हो सकती है। भारत में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पहले से ही अनेक नीतिगत प्रयास किए जा रहे हैं, और यदि आयकर हटाने से निजी पूँजी की उपलब्धता बढ़ती है, तो यह आर्थिक विकास को और गति दे सकता है। विशेष रूप से, उच्च आय वर्ग के निवेश निर्णयों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जो पूँजी निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तीसरा तर्क कर प्रशासन और अनुपालन से जुड़ा है। आयकर व्यवस्था जटिल होती है और इसमें अनुपालन की लागत भी अधिक होती है। यदि व्यक्तिगत आयकर समाप्त कर दिया जाए, तो कर चोरी, रिटर्न दाखिल करने की जटिलता और प्रशासनिक खर्च में कमी आ सकती है। भारत में अभी भी करदाता आधार कुल जनसंख्या का सीमित हिस्सा है—लगभग 6 प्रतिशत लोग ही आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं। ऐसे में यह तर्क दिया जाता है कि एक सीमित आधार पर जटिल कर प्रणाली बनाए रखने के बजाय अन्य स्रोतों से राजस्व जुटाना अधिक व्यावहारिक हो सकता है।

हालाँकि, इन तर्कों के बावजूद इस प्रस्ताव के गंभीर नकारात्मक पहलू भी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है—राजस्व की भरपाई कैसे होगी। भारत की कुल कर-से-जीडीपी अनुपात अभी भी लगभग 11.7 प्रतिशत के आसपास है, जो विकसित देशों के 24 से 34 प्रतिशत के औसत से काफी कम है। ऐसे में यदि व्यक्तिगत आयकर को समाप्त कर दिया जाता है, तो सरकार के पास पहले से ही सीमित संसाधन और कम हो जाएँगे। इससे बुनियादी ढाँचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर व्यय प्रभावित हो सकता है, जो दीर्घकालिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू असमानता का है। व्यक्तिगत आयकर एक प्रगतिशील कर होता है, जिसका अर्थ है कि अधिक आय वाले व्यक्ति अधिक कर देते हैं। यह व्यवस्था आय के पुनर्वितरण में सहायक होती है और सामाजिक असमानताओं को कम करने का एक साधन प्रदान करती है। यदि आयकर समाप्त कर दिया जाए, तो उच्च आय वर्ग को अपेक्षाकृत अधिक लाभ मिलेगा, जिससे आय असमानता बढ़ने की संभावना है। भारत में पहले से ही आय वितरण में असमानता एक गंभीर मुद्दा है और ऐसी नीति इसे और गहरा सकती है। तीसरा पहलू यह है कि आयकर हटाने से सरकार को वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करनी पड़ेगी, जो संभवतः अप्रत्यक्ष करों के रूप में होंगे। अप्रत्यक्ष कर, जैसे जीएसटी, सभी उपभोक्ताओं पर समान रूप से लागू होते हैं और अपेक्षाकृत गरीब वर्ग पर अधिक बोझ डालते हैं। यदि राजस्व की भरपाई अप्रत्यक्ष करों के माध्यम से की जाती है, तो यह कर प्रणाली को अधिक प्रतिगामी बना सकता है, जिससे सामाजिक न्याय के सिद्धांत पर प्रश्न उठ सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत में कर संग्रह की प्रवृत्ति लगातार बढ़ रही है। 2024-25 में प्रत्यक्ष कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है और यह 22 लाख करोड़ रुपये से अधिक तक पहुँच चुका है। यह संकेत देता है कि कर आधार और अनुपालन में सुधार हो रहा है। ऐसे समय में आयकर को समाप्त करना उस सकारात्मक प्रवृत्ति को बाधित कर सकता है, जो दीर्घकाल में राजकोषीय स्थिरता के लिए आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी इस विषय में मिश्रित संकेत देते हैं। कुछ देशों ने सीमित रूप में आयकर में कटौती या सरलीकरण किया है, लेकिन पूर्ण रूप से समाप्त करने के उदाहरण बहुत कम हैं। अधिकांश विकसित देशों में उच्च कर-से-जीडीपी अनुपात इस बात का प्रमाण है कि मजबूत सार्वजनिक सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा के लिए कर राजस्व आवश्यक है। भारत जैसे देश, जहाँ अभी भी बुनियादी सेवाओं में सुधार की आवश्यकता है, वहाँ कर राजस्व का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। इस संदर्भ में यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि क्या विकास केवल उपभोग बढ़ाने से संभव है। वास्तविकता यह है कि दीर्घकालिक विकास के लिए निवेश, मानव पूँजी, बुनियादी ढाँचा और संस्थागत सुधार अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। यदि आयकर हटाने से अल्पकालिक उपभोग तो बढ़ता है, लेकिन सरकार के निवेश की क्षमता घट जाती है, तो इसका समग्र प्रभाव नकारात्मक भी हो सकता है। इसलिए इस नीति के प्रभाव को केवल एक आयाम में नहीं, बल्कि समग्र आर्थिक परिप्रेक्ष्य में देखना आवश्यक है।

अब अर्बन नक्सलियों पर नजर!

कमलेश पांडेय

देश के 'पीएम इन वेटिंग' और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों और आतंकवादियों की कमर तोड़ने में अभूतपूर्व और उल्लेखनीय सफलता हासिल की है लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि भारत अभी पूरी तरह नक्सलवाद और आतंकवाद मुक्त हुआ है। हां, सरकार की कोशिशें सराहनीय हैं। यदि शाह अपने नेक मकसद में कामयाब हुए तो प्रधानमंत्री पद की उनकी दावेदारी और पुख्ता हो जाएगी क्योंकि उन्होंने मनमाफिक राष्ट्रीय टीम पहले से ही बना रखी है।

यह ठीक है कि सरकार ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने का लक्ष्य रखा था और आतंकवाद समाप्ति को लेकर ऐसा कोई दुरूह लक्ष्य घोषित नहीं किया गया था और कड़ी कार्रवाई गतिमान है लेकिन पूरे देश की बात छोड़ दी जाए तो खुद दिल्ली-एनसीआर से ब्रेक के बाद सामने आने वाले मामले इस बात की चुगली कर रहे हैं कि उद्देश्यपूर्ति काफी जटिल है।

ऐसा इसलिए कि नक्सलियों और आतंकवादियों को बौद्धिक और आर्थिक खुराक देने वाली जमात राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक हलकों में सक्रिय हैं! प्रशासनिक गलियारों तक में इनकी जातिवादी और सांप्रदायिक पैठ है। जब तक इनकी शिनाख्त और गिरफ्तारी नहीं होती, उद्देश्य अधूरा रहेगा। संभव हो कुछ तत्व सत्ताधारी दल से भी डायरेक्ट या वाया मीडिया सम्बन्धित हों।

आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में नक्सली गतिविधियाँ बनी हुई हैं। फरवरी 2026 तक नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या घटकर 6-7 रह गई थी, मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र (बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर) में। वहीं, मार्च 2026 के अंत में सुकमा में नक्सली मुठभेड़ हुई, जहाँ एक नक्सली मारा गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा कि नक्सलवाद लगभग समाप्ति की कगार पर है, लेकिन औपचारिक घोषणा प्रक्रिया पूरी होने पर होगी। सरकारी दावा करते हुए अमित शाह ने 30 मार्च 2026 को लोकसभा में कहा कि देश नक्सल मुक्त हो चुका है और नक्सलवाद विलुप्ति की ओर है। 31 मार्च 2026 की डेडलाइन के ठीक पहले भी ऑपरेशन चल रहे थे जिसमें सैकड़ों नक्सली मारे गए या आत्मसमर्पण कर चुके हैं। फिर भी, बस्तर जैसे क्षेत्रों में सीमित गतिविधियाँ जारी हैं।

प्रगति के आंकड़े बताते हैं कि नक्सल प्रभावित जिले 126 (2010) से घटकर 6-7 (2026) पर पहुंच गए और ज्यादातर नक्सली मारे गए। 700+ तो हाल के वर्षों में।वहीं, आत्मसमर्पण करने वाले 4,800+ नक्सली दूसरे धंधों में जुड़ चुके हैं। बहरहाल, नक्सलवाद बहुत

कमजोर हो चुका है, लेकिन पूर्ण मुक्ति की घोषणा अभी बाकी है। भारत में नक्सल प्रभावित 6 जिलों की स्थिति काफी संवेदनशील बनी हुई है, जहाँ सुरक्षा बल लगातार अभियान चला रहे हैं। ये जिले मुख्यतः छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में केंद्रित हैं।

वहीं, सबसे अधिक प्रभावित जिले निम्नलिखित 6 जिले हैं, जिनके नाम छत्तीसगढ़ (बीजापुर, कांकेर/नारायणपुर, नारायणपुर, सुकमा), झारखंड (पश्चिमी सिंहभूम), और महाराष्ट्र (गढ़चिरौली) हैं। इनमें नक्सली गतिविधियाँ सीमित लेकिन सक्रिय हैं, जैसे छिपे हुए कैंप और छोटे हमले। सुरक्षा बलों ने हाल के ऑपरेशनों से इन क्षेत्रों में घुसपैठ बढ़ाई है।

जहां तक वर्तमान अभियान की बात है तो छत्तीसगढ़ के सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और गरियाबंद (कभी-कभी सूचीबद्ध) में हाई-अलर्ट सर्च ऑपरेशन चल रहे हैं। सरकार ने अंतिम बड़े अभियान की तैयारी की है, जिसमें आत्मसमर्पण और मुठभेड़ों पर जोर है। मार्च 2026 तक हिंसा में भारी कमी आई लेकिन पूर्ण नियंत्रण बाकी है। वहीं प्रगति संकेत यह है कि नक्सली संख्या घटी, सैकड़ों आत्मसमर्पण हुए। विकास परियोजनाएँ शुरू हुईं, जैसे सड़कें और स्कूल।

फिर भी, जंगलों में छिटपुट गतिविधियाँ जारी हैं। लिहाजा, 31 मार्च 2026 की डेडलाइन के बाद भी इन जिलों पर फोकस रहेगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने नक्सल प्रभावित 6 जिलों (मुख्यतः छत्तीसगढ़ के बीजापुर, कांकेर/नारायणपुर, सुकमा, झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम, महाराष्ट्र का गढ़चिरोली) को नक्सल मुक्त करने के लिए बहु आयामी रणनीति अपनाई है। यह योजना 31 मार्च 2026 तक पूर्ण मुक्ति का लक्ष्य रखती है, जिसमें सुरक्षा अभियान, आत्मसमर्पण नीति और विकास पर जोर है। सुरक्षा अभियान भी जारी है।

सुरक्षा बलों ने इन जिलों में सघन सर्च ऑपरेशन तेज कर दिए हैं, जैसे कुर्रेगुट्टालू पहाड़ मॉडल पर आधारित लंबे अभियान। नक्सलियों के सहयोगी नेटवर्क (एड नेटवर्क) को निशाना बनाया जा रहा है, साथ ही 576 मजबूत पुलिस स्टेशन और 336 नए कैंप स्थापित किए गए। मुठभेड़ों और घेराबंदी से नक्सली कमांडरों को खत्म करने पर फोकस है।

वहीं नक्सलियों के आत्मसमर्पण और पुनर्वास पर बल दिया गया है। नक्सलियों के आत्मसमर्पण को प्रोत्साहित करने के लिए उदार नीति लागू है, जिसमें वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और रोजगार दिया जाता है। हाल के वर्षों में हजारों नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। पकड़े गए या आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के लिए कौशल विकास केंद्र खोले जा रहे हैं। विकास पहल तेज है। इन जिलों में 137 केंद्र योजनाओं का तेज वितरण, सड़कें, स्कूल, अस्पताल और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित हो रहे। एसआरई योजना के तहत क्षमता निर्माण जारी रहेगा ताकि नक्सलवाद न लौटे। 10-सूत्री योजना में वित्तीय सहायता प्रणाली तोड़ना और स्थानीय विकास शामिल है। फिर भी अपेक्षित परिणाम की उम्मीद पूरी होनी अभी बाकी है। सरकार ने ठीक ही कहा है कि 31 मार्च 2026 के बाद 'अर्बन नक्सल' पर नजर रखी जाएगी। ये प्रयास नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने के करीब हैं लेकिन जंगलों में छिटपुट चुनौतियाँ बाकी हैं। रही बात आतंकवाद की तो इसे पर्दे के पीछे से धर्म और डिप्लोमैट बढ़ावा दे रहे हैं, इसलिए इनसे निबटने में अभी वक्त लगेगा।

होर्मुज में डूबा सुपर पावर का गुमान

अजय कुमार

इतिहास की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि युद्ध के मैदान में जब बंदूकें खामोश होने लगती हैं, तब झूठ के नगाड़े सबसे जोर से बजते हैं। आज फारस की खाड़ी के तपते पानी में जो कुछ घट रहा है, वह किसी हॉलीवुड थ्रिलर से कम नहीं है, लेकिन इस पटकथा का अंत वैसा नहीं है जैसा वॉशिंगटन के व्हाइट हाउस में बैठकर लिखा गया था। युद्ध में कौन जीत रहा है और कौन हार रहा है, इसे आंकने का पैमाना कभी भी मिसाइलों की संख्या या मलबे का ढेर नहीं होता। इसका सबसे सटीक पैमाना यह है कि शांति की भीख सबसे पहले किसने मांगी। आज जब हम अप्रैल 2026 की दहलीज पर खड़े हैं, तो दुनिया देख रही है कि जिस ईरान को प्रतिबंधों की बेड़ियों में जकड़कर घुटनों पर लाने का दावा किया गया था, वह आज तनकर खड़ा है और दुनिया का स्वयंभू थानेदार अब एग्जिट गेट की तलाश में हाथ-पांव मार रहा है।

इस पूरी कहानी को समझने के लिए हमें थोड़ा पीछे मुड़कर साल 2025 के उस 'ऑपरेशन सिंदूर' को देखना होगा, जिसने उपमहाद्वीप के सैन्य इतिहास को हमेशा के लिए बदल दिया। भारत ने जब अपनी सीमा पार कर आतंकवाद के फनों को कुचला, तो वह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि एक संदेश था। वह संदेश यह था कि शक्ति प्रदर्शन चीखने-चिल्लाने से नहीं, बल्कि सटीक प्रहार से होता है। पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम जब ताश के पत्तों की तरह ढह रहा था और भारतीय विमान आकाश में अपनी मर्जी से चित्रकारी कर रहे थे, तब रावलपिंडी के जनरलों ने पहली बार शांति का राग अलापा था। वह हार की तड़प थी जिसे जीत के पदकों के पीछे छिपाने की नाकाम कोशिश की गई। आसिम मुनीर का खुद को 'फील्ड मार्शल' घोषित कर देना वैसा ही था जैसे कोई डूबता हुआ आदमी खुद को समंदर का राजा कह दे। लेकिन गड्ढे झूठ नहीं बोलते। सैटेलाइट की तस्वीरों ने वह सच दुनिया के सामने रख दिया था जिसे पाकिस्तान की पीआर मशीनरी दबाना चाहती थी।

आज मिडिल ईस्ट के रणक्षेत्र में डोनाल्ड ट्रंप वही गलती दोहरा रहे हैं जो कभी पाकिस्तानी जनरलों ने की थी। 28 फरवरी को जब ईरान के शीर्ष नेतृत्व पर हमला हुआ, तो अमेरिका को लगा कि तेहरान ताश की गड्डी की तरह बिखर जाएगा। लेकिन वे भूल गए कि जिस देश ने 40 साल से प्रतिबंधों की आग में खुद को तपाया हो, उसके लिए मिसाइलों की गड़गड़ाहट किसी उत्सव से कम नहीं होती। ईरान ने पलटवार किया और ऐसा किया कि पूरे मध्य पूर्व में फैले अमेरिकी अड्डों की सुरक्षा की कलई खुल गई। आज होर्मुज स्ट्रेट बंद है। दुनिया की रगों में दौड़ने वाला तेल अब ईरान की मर्जी का मोहताज है। वह देश जो कल तक दूसरे देशों को सुरक्षा की गारंटी बेचता था, आज अपने ही सैनिकों की जान बचाने के लिए उन रास्तों को ढूंढ रहा है जो तेहरान तक जाते हों।

ट्रंप का आज का अंदाज बिल्कुल मई 2025 के पाकिस्तान जैसा है। कैमरों के सामने आकर वे अपनी जीत के कसीदे पढ़ रहे हैं, ट्रुथ सोशल पर कैप्स लॉक में अपनी ताकत का बखान कर रहे हैं, लेकिन जमीन की हकीकत उनके दावों का मजाक उड़ा रही है। जब आप हार रहे होते हैं, तो आपकी भाषा में अहंकार और हताशा का एक अजीब मिश्रण घुल जाता है। अमेरिका आज पाकिस्तान के जरिए ईरान को 15 सूत्रीय प्रेम पत्र भेज रहा है, लेकिन तेहरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी सेल्समैन से बात नहीं करेगा। ईरान की शर्तें साफ हैं होर्मुज पर उसका नियंत्रण होगा, अमेरिकी फौजें इलाका खाली करेंगी और नुकसान की भरपाई वॉशिंगटन को करनी होगी। ये शर्तें किसी हारे हुए राष्ट्र की नहीं, बल्कि उस खिलाड़ी की हैं जिसने सामने वाले की पूरी बिसात उलट दी है।

मिडिल ईस्ट में अमेरिका की विफलता केवल सैन्य नहीं, बल्कि रणनीतिक और नैतिक भी है। जिस रडार और एयर डिफेंस के भरोसे अमेरिका अपनी धौंस जमाता था, वे आज मलबे के ढेर में तब्दील हो चुके हैं। अरब देश, जो कभी अमेरिका की छत्रछाया में खुद को सुरक्षित महसूस करते थे, अब नए समीकरणों की तलाश में हैं। सऊदी अरब का यूक्रेन के साथ डिफेंस डील करना इस बात का सीधा प्रमाण है कि अब दुनिया को ट्रंप के काड्र्स की असलियत समझ आ गई है। जब घर का मुखिया ही चोरों से अपनी रक्षा न कर पाए, तो परिवार के बाकी सदस्य नए रक्षक ढूंढने लगते हैं। आज वही स्थिति अमेरिका की है।

सबसे दिलचस्प भूमिका पाकिस्तान की है, जो अपनी फटीहाली को कूटनीतिक अवसर में बदलने की कोशिश कर रहा है। वह देश जिसने खुद अपनी नाक कटवाई थी, आज अमेरिका और ईरान के बीच बिचौलिए की भूमिका में डॉलर बटोरने के सपने देख रहा है। लेकिन ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस खेल का हिस्सा नहीं बनेगा। ईरान जानता है कि वक्त उसके साथ है। वह चुप है, शांत है और अपने लक्ष्यों के प्रति अडिग है। उसकी यह खामोशी वॉशिंगटन की बेचैनी को और बढ़ा रही है। जब आपके पास खोने के लिए कुछ न बचा हो, तो आप सबसे खतरनाक योद्धा बन जाते हैं। ईरान आज उसी स्थिति में है। कार्ल मार्क्स ने सच ही कहा था कि इतिहास खुद को दोहराता है, पहले एक त्रासदी के रूप में और फिर एक मजाक के रूप में। ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए त्रासदी थी, और आज फारस की खाड़ी में अमेरिका जो कर रहा है, वह एक वैश्विक मजाक बनकर रह गया है।

ट्रंप अब एक सुरक्षित रास्ता ढूंढ रहे हैं जिससे वे अपनी साख बचा सकें, लेकिन ईरान उन्हें वह मौका देने के मूड में नहीं है। वह होर्मुज का पूरा टोल वसूलने के बाद ही चैन से बैठेगा। यह युद्ध मिसाइलों से नहीं, बल्कि सब्र और हौसले से जीता जा रहा है।

राज्यसभा जाने को क्यों तैयार नहीं?

पुरषोत्तम भदौरिया

वर्ष 2028 में मप्र में होने वाले विधानसभा सभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। इसी के चलते कोई प्रदेश का वरिष्ठ नेता राज्यसभा में जाने कन्नी काट रहे हैं। सभी अपने अपने स्तर से कांग्रेस को मजबूत करने में लगे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों में बदलाव के बाद जनरल कास्ट का जिस तरह से भाजपा से मोहभंग हुआ है उसे कांग्रेस एक अवसर के रूप में देख रही है। इसलिए कांग्रेस इस मुददे को हवा देने में लगी है ताकि बढ़ते आंदोलनों पर राजनीतिक रोटियां सेंकी जा सके। वर्ष 2003 में भाजपा ने दिग्विजय सिंह से छीनी थी तब ओबीसी नेता उमा भारती को आगे किया गया था जिनके जातीय कार्ड ने आक्सीजन का काम किया था। वादे के मुताबिक सत्ता मिलने के बाद पिछड़े वर्ग की उमा भारती को मुख्यमंत्री बनाया गया लेकिन हुबली के एक अपराधिक मामले में अचानक वारंट जारी होने के कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। उमाभारती के इस्तीफे के बाद पिछड़े वर्ग के ही बाबू लाल गौर (यादव) को मुख्यमंत्री बनाया गया लेकिन बाबू लाल गौर ज्यादा दिन तक टिक नहीं सके। बाबूलाल के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री बनाया गया चुनाव के पहले मुख्यमंत्री बने शिवराज सिंह ने सबसे पहले लाडली बहना योजना शुरू की। इस योजना के शुरू होते ही मप्र की महिला मतदाता भाजपा के पक्ष में आ गई जिससे एक बार फिर भाजपा की सरकार बनी औरशिवराज सिंह पुनः मुख्यमंत्री बनाए गए। शिवराज सिंह की सरकार बनने के बाद मेडिकल कालेज में फर्जी प्रवेश मामलों(व्यापमं)का खुलासा हुआ। तब लोगों को लगा कि शिवराज सिंह हटाए जा सकते हैं लेकिन पार्टी ने शिवराज सिंह को नहीं हटाया बल्कि विरोध का सामना किया। लेकिन जनता शिवराज सिंह को हटाना चाहती थी इस चुनाव में महाकौशल मालवा और बघेल खंड में कम बदलाव हुआ लेकिन ग्वालियर चंबल में जनता ने भाजपा को उसकी करनी का फल चखा दिया। जन आक्रोश के कारण ग्वालियर चंबल क्षेत्र में भाजपा 34 विधानसभा क्षेत्रों में केवल 8 सीटें जीत पाई। 26 सीटें कांग्रेस के खाते में गई, जिसने कांग्रेस के लिए आक्सीजन का काम किया। कांग्रेस की जीत होने के बाद कमल नाथ को मुख्यमंत्री बनाया गया लेकिन भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया के माध्यम से कांग्रेस में सेंध लगाई और उन्होंने अपने खेमे के विधायकों को लेकर भाजपा ज्वाइन कर ली। इस तरह कांग्रेस की बनी-बनाई सरकार सत्ता चली गई और कांग्रेस हाथ मलती रह गई। अब उसी का कसर निकालने के लिए कांग्रेसी अभी से अगामी विधान सभा चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। कांग्रेस का हर छोटा बड़ा नेता जनता के बीच जाना अभी से शुरू कर दिया है। कांग्रेस नेता मानते हैं कि मप्र में कांग्रेस वापसी के बाद ही देश में कांग्रेस वापसी अभियान को गति मिल सकती है इसलिए सभी नेता अगामी चुनाव की अभी से तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस नेता मप्र में अपने पारम्परिक वोट को अपने पाले में लाने के लिए अभी से संगोष्ठियां और बैठकें करने लगे हैं और उन्हें इन बैठकों में आशातीत सफलता भी मिल रही है। गौरतलब है कि मप्र में जनरल वर्ग सहित अन्य लोगों को भी भाजपा के विकल्प के रूप में कांग्रेस ही दिखाई दे रही है। बीते लगभग छह महीने से राजा साहब के नाम से विख्यात दिग्विजय सिंह व पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल कई बार ग्वालियर चंबल संभाग का दौरा कर चुके अपनी रणनीति जाहिर कर चुके हैं। दोनों ही नेता अपनी अपनी तरह से कार्यकर्ताओ को सड़कों पर उतरकर भाजपा की जनविरोधी नीतियों के विरोध की समझाइश दे चुकें हैं। इसी समझाइश का परिणाम है कि कांग्रेस स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भाजपा के निर्णयों पर प्रश्न चिन्ह तो लगाते हैं साथ ही सड़क पर उतर कर विरोध भी करते है।यह विरोध की बयार कांग्रेस का रास्ता कितना सुगम करेगी यह तो भविष्य ही बताएगा लेकिन कांग्रेस अपनी जीत के लिए कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहते।

किसी गुत्थी से कम नहीं है मोमोज

डॉ. सुरेश कुमार

उस सफेद, चिपचिपे और रहस्यमयी मैदे के गोले की शारीरिक संरचना किसी दार्शनिक गुत्थी से कम नहीं है। वह मैदा, जिसे डॉक्टर 'आंतों का फेविकोल' कहते हैं, मोमोज वाले के जादुई हाथों में आकर एक ऐसी पारदर्शी और महीन चादर बन जाता है, जिसके आर-पार पत्तागोभी का भविष्य और दुकानदार की नियत साफ नजर आती है। इसकी बनावट ऐसी है मानो किसी ने बहुत ही सलीके से एक 'लजीज अपराध' को सफेद कफन में लपेट दिया हो। ऊपर से वे नन्हीं-नन्हीं बारीक चुन्नटें... जैसे किसी महाकंजूस ने अपनी पूरी वसीयत को मोड़-तरोड़ कर एक छोटी सी पोटली में कैद कर दिया हो।

मोमोज जब स्टीमर के अंधेरे और उमस भरे कमरों से बाहर निकलता है, तो उसकी देह पर चढ़ी वह भाप उसे किसी डिजिटल फिल्टर सा अहसास देती है। वह इतना नाजुक और लचीला होता है कि अगर उसे थोड़ा जोर से घूर भर लिया जाए, तो उसकी 'मैदे वाली खाल' शर्म से फट जाए। उसकी गोलाई में वह वल्गर आकर्षण है, जिसे देखकर डाइट-चार्ट बनाने वाले न्यूट्रिशनिस्ट भी अपनी थ्योरी डस्टबिन में डाल देते हैं। लोग उसे प्लेट में ऐसे निहारते हैं जैसे वह कोई खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि मोक्ष का कोई गुप्त 'शॉर्टकट' हो। असली पागलपन तो उस लाल चटनी के उस 'अग्निपथ' में है, जो दिखने में किसी खतरे के सिग्नल जैसी है, पर जिसका हमला सीधे नर्वस सिस्टम पर होता है। यह वह चटनी है जिसे बनाने वाला शायद पूरी मानवता से अपनी किसी पुरानी रंजिश का बदला ले रहा होता है। जुबान पर लगते ही ऐसा अहसास होता है मानो किसी ने 440 वोल्ट का नंगा तार छुआ दिया हो। आंखों से जो पानी निकलता है, वह दुख का नहीं, बल्कि उस 'मिर्ची-क्रांति' का गवाह होता है जो भीतर के पूरे भूगोल को हिलाकर रख देती है। लोग सिसकारियां भरते हैं, चेहरा टमाटर की तरह लाल होकर जलने लगता है, पर उस 'अश्लील तीखेपन' से हाथ नहीं खींच पाते। यह वह नशा है जहाँ इंसान खुद जल रहा होता है और साथ में 'एक्स्ट्रा मेयोनीज' की रिश्वत देकर अपनी जलन को शांत करने का ढोंग करता है।

सोसाइटी के उन 'फिटनेस फ्रीक्स' का हाल तो और भी विचित्र है, जो सुबह पार्क में घास पर नंगे पैर चलकर 'शुद्ध जीवन' का प्रवचन देते हैं। वही लोग शाम ढलते ही किसी अंधेरे कोने में मोमोज की रेहड़ी पर 'एक प्लेट और भैया' का गुप्त कीर्तन करते पाए जाते हैं। यह मोमोज का वह उन्माद है जिसने पिज्जा और बर्गर जैसे विदेशी सामंतों की चूलें हिला दी हैं। असल में मोमोज खाना केवल पेट भरना नहीं है, बल्कि यह उस सिस्टम के खिलाफ एक भूमिगत विद्रोह है जो हमें उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। हम सब्जी तो खाते हैं, पर उसे मैदे के तहखाने में कैद करके और लाल चटनी के तेजाब में डुबोकर! उस सफेद गोले के भीतर छिपी हुई वह अधकचरी पत्तागोभी दरअसल हमारे आधुनिक समाज का ही प्रतीक है—बाहर से चिकना, चमकदार और पारदर्शी, मगर अंदर वही घिसी-पिटी और उबली हुई वास्तविकता। लोग इस सादगी के इतने भूखे हैं कि वे उस मैदे की नग्नता को भी 'हॉट एंड सेक्सी' डाइट मानकर गटक जाते हैं और फिर डकार लेकर अपनी नैतिकता के डेटा को रीसेट कर लेते हैं।

क्या योग से गुस्सा कंट्रोल होता है?

तनाव और गुस्सा आज हर दूसरे आदमी की आम समस्या बन चुका है। कई बार छोटी-छोटी बातों पर भी लोगों को गुस्सा आ जाता है, जिससे रिश्ते और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर प्रभाव पड़ता है। हालांकि कई विशेषज्ञ योग को गुस्सा और तनाव नियंत्रित करने का एक प्रभावी तरीका मानते हैं।

योग न केवल शरीर को स्वस्थ बनाता है, बल्कि मन को शांत और संतुलित रखने में भी मदद करता है। नियमित योगाभ्यास से मानसिक संतुलन बेहतर होता है और व्यक्ति अपने भावनाओं पर बेहतर नियंत्रण रख पाता है। अगर आप रोज कुछ मिनट योग और प्राणायाम का अभ्यास करते हैं, तो धीरे-धीरे गुस्से पर नियंत्रण और मानसिक शांति महसूस कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि योग कैसे गुस्से को काबू में रखने में मदद करता है।

योग गुस्सा कंट्रोल करने में कैसे मदद करता है?

योग का मुख्य उद्देश्य शरीर, मन और सांस के बीच संतुलन बनाना है। जब हम योगासन और प्राणायाम करते हैं, तो शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है और दिमाग शांत होने लगता है।

योगाभ्यास के प्रमुख फायदे

तनाव हार्मोन कम होते हैं

मन शांत और स्थिर रहता है

भावनाओं पर नियंत्रण बढ़ता है

सकारात्मक सोच विकसित होती है

नियमित योग से धीरे-धीरे गुस्से की तीव्रता कम हो सकती है।

गुस्सा कम करने में मदद करने वाले योगासन

बालासन

यह योगासन मन को शांत करने के लिए बेहद प्रभावी माना जाता है। बालासन के अभ्यास से कई फायदे होते हैं, जैसे-तनाव कम होता है।बालासन मानसिक शांति देता है। दिमाग को रिलैक्स करता है।

सुखासन

सुखासन ध्यान और प्राणायाम के लिए सबसे आसान आसन माना जाता है। सुखासन का नियमित अभ्यास करने से मन स्थिर रहता है। सांसों को नियंत्रित करने में मदद मिलती है और गुस्सा व चिंता कम होती है।

शवासन

शवासन शरीर और दिमाग को पूरी तरह आराम देने वाला आसन है। इसका अभ्यास मानसिक तनाव कम करता है। दिमाग को रिलैक्स करता है और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

गुस्सा कंट्रोल करने के लिए प्राणायाम

योग के साथ-साथ प्राणायाम भी बहुत असरदार माना जाता है। अनुलोम विलोम प्राणायाम और भ्रामरी प्राणायाम गुस्से पर काबू रखने में फायदेमंद हैं।

अनुलोम विलोम के अभ्यास से सांस लेने की यह तकनीक दिमाग को शांत करती है और तनाव कम करती है।

वहीं भ्रामरी प्राणायाम में भंवरे जैसी आवाज़ निकालते हुए सांस छोड़ते हैं। यह अभ्यास गुस्सा, चिंता और बेचैनी को कम करने में मदद करता है।

कितनी देर योग करना चाहिए?

गुस्सा नियंत्रित करने के लिए रोज 10 से15 मिनट योगासन करना चाहिए और 5-10 मिनट प्राणायाम को देने चाहिए। इसके साथ ही 5 मिनट ध्यान मुद्रा में बैठना चाहिए। ऐसा करना काफी फायदेमंद माना जाता है।

गुस्सा कम करने के लिए ये बातें भी ध्यान रखें

पर्याप्त नींद लें

कैफीन और जंक फूड कम करें

नियमित एक्सरसाइज करें

सकारात्मक सोच अपनाएं

इन आदतों के साथ योग करने से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

25 से 45 की उम्र की हर महिला को अवश्य कराने चाहिए ये टेस्ट

अगर आपकी उम्र 25 से 45 वर्ष के बीच है, तो स्वास्थ्य पर ध्यान देना सबसे जरूरी हो जाता है। इस उम्र में शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों और सिस्टम्स को नियमित रूप से जांचना आवश्यक होता है, ताकि बीमारियों को शुरुआती चरण में ही पहचाना जा सके।

बहुत से लोग केवल तभी डॉक्टर के पास जाते हैं जब किसी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ता है लेकिन हम सभी को ये समझने की जरूरत है कि नियमित हेल्थ चेकअप से आप भविष्य में होने वाली बड़ी बीमारियों को रोक सकते हैं। खासतौर पर महिलाओं की बात करें तो बढ़ती उम्र के साथ उनके शरीर में काफी बदलाव आते हैं, ऐसे में उन्हें तो अपने स्वास्थ्य का खास ध्यान रखने की जरूरत है। इसी के चलते इस लेख में हम आपको पांच ऐसे जरूरी हेल्थ चेकअप के बारे में बताएंगे, जिन्हें हर 25 से 45 साल की महिला को समय-समय पर कराना चाहिए।

बोन डेंसिटी टेस्ट

बोन डेंसिटी टेस्ट हड्डियों की मजबूती और कैल्शियम की मात्रा को मापता है। इस टेस्ट से ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डियों की कमजोरी की संभावना का पता चलता है।अगर आप समय रहते टेस्ट करा लेंगी और कहीं किसी तरह की कोई दिक्कत निकलती है तो डॉक्टर समय रहते सप्लीमेंट्स या जीवनशैली में बदलाव की सलाह दे सकते हैं।

पैप टेस्ट

पैप स्मियर टेस्ट महिलाओं के लिए आवश्यक है।

ये गर्भाशय ग्रीवा में कैंसर या प्रीकैंसर अवस्था की पहचान करता है।

ऐसे में हर महिला को ये समझने की जरूरत है कि नियमित रूप से पैप टेस्ट कराने से महिलाओं में ग्रीवा कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है। 21 साल की उम्र के बाद या यौन सक्रिय होने के बाद यह टेस्ट समय-समय पर कराना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल लेवल

कोलेस्ट्रॉल लेवल टेस्ट हृदय रोग, स्ट्रोक और ब्लड वेसल्स की समस्याओं का पता लगाने में मदद करता है। हाई कोलेस्ट्रॉल से धमनियों में प्लाक जम सकता है, जिससे हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है। अगर समय पर बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का पता लग जाएगा तो कुछ ही समय में सही खान-पान, व्यायाम और जरूरत पड़ने पर दवा के जरिए कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित किया जा सकता है।

थायराइड फंक्शन टेस्ट

थायराइड टेस्ट शरीर में थायरॉइड हार्मोन का स्तर मापता है। थायरॉइड असंतुलन से वजन बढ़ना या घटना, थकान, बाल झड़ना और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। ऐसे में समय-समय पर थायराइड टेस्ट करवाकर हार्मोन संतुलन बनाए रखा जा सकता है। ऐसा करने से आप कई दिक्कतों से बच सकती हैं।

किडनी और लिवर फंक्शन टेस्ट

किडनी और लिवर फंक्शन टेस्ट शरीर के मुख्य अंगों की कार्यक्षमता जांचते हैं। किडनी टेस्ट से यह पता चलता है कि किडनी शरीर से विषाक्त पदार्थ निकाल रही है या नहीं।

ऐसे में आप ये समझ लें कि सही समय में लिवर टेस्ट की वजह से लिवर की सेहत, फैटी लिवर या अन्य रोगों की जानकारी मिलती है। समय पर जांच से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव होता है।

घर पर बनाएं खिला-खिला पोहा

पोहा एक हल्का, हेल्दी और झटपट बनने वाला नाश्ता है। लेकिन कई लोगों की शिकायत होती है कि पोहा बनाने के बाद चिपचिपा हो जाता है और उसका स्वाद भी खराब लगता है। अगर आप सही तरीके से पोहा धोते हैं और उसे हल्के हाथों से पकाते हैं, तो आपका पोहा कभी भी चिपचिपा नहीं बनेगा। ये छोटी-छोटी टिप्स आपके नाश्ते को परफेक्ट और स्वादिष्ट बना देंगी। अगर आप भी चाहते हैं कि आपका पोहा हर बार खिला-खिला और टेस्टी बने, तो ये आसान टिप्स जरूर अपनाएं।

खिला-खिला पोहा बनाने के लिए सामग्री

2 कप पोहा (मीडियम थिक)

1 प्याज (बारीक कटा)

1-2 हरी मिर्च

मूंगफली

करी पत्ता

हल्दी

नमक स्वादानुसार

नींबू रस

हरा धनिया

बनाने की विधि

स्टेप 1- पोहा को छलनी में डालकर हल्के पानी से 1-2 बार धोएं। ध्यान रखें कि इसे पानी में भिगोकर न रखें, वरना यह चिपचिपा हो जाएगा।

स्टेप 2- धोने के बाद 5 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि वह हल्का सॉफ्ट हो जाए।

स्टेप 3- कढ़ाई में तेल गर्म करें, फिर उसमें राई, करी पत्ता, मूंगफली और हरी मिर्च डालकर भूनें।

स्टेप 4- अब कटा हुआ प्याज डालकर हल्का गोल्डन होने तक भूनें।

स्टेप 5- हल्दी और नमक डालें, फिर पोहा डालकर हल्के हाथों से मिलाएं।

स्टेप 6- ऊपर से नींबू रस और हरा धनिया डालें और गैस बंद कर दें।

पोहा खिला-खिला बनाने के सीक्रेट टिप्स

पतला पोहा इस्तेमाल न करें। ज्यादा पानी बिल्कुल न डालें।

पकाते समय ज्यादा चलाएं नहीं। हमेशा मीडियम आंच पर बनाएं।

नींबू रस अंत में ही डालें।

पोहा बनाते समय इन गलतियों से बचें

पोहा को पानी में भिगो कर न रखें। ज्यादा देर तक पकाए नहीं।

बहुत ज्यादा मसाले न मिलाएं। पकाते समय बार-बार चलाएं या मिलाएं नहीं।

तेज धूप से होता है सिरदर्द तो क्या करें?

बहुत से लोगों को सीधे धूप में आने पर सिरदर्द जैसी समस्याएं होती हैं। यह स्थिति कभी-कभी शरीर में पानी की कमी, नींद की कमी या तनाव के कारण और भी बढ़ जाती है।

जिस कारण बहुत से लोग घर से बाहर निकलने में भी काफी कतराते हैं।अगर आप भी इस दिक्कत से जूझ रहे हैं तो ये लेख आपके काम का होने वाला है। हालांकि, इस समस्या से राहत पाने के लिए बहुत से आसान और प्रभावी घरेलू उपाय मौजूद हैं। इन उपायों को अपनाकर आप धूप में निकलने के दौरान होने वाले सिरदर्द को कम कर सकते हैं और अपने दिनचर्या को आराम से जारी रख सकते हैं।

सिकाई करें

माथे और गर्दन पर ठंडे पानी का कपड़ा रखने या आइस पैक रखने से रक्त वाहिकाओं में संकुचन आता है और दर्द कम होता है। इसे दिन में 10–15 मिनट तक दो से तीन बार किया जा सकता है। यह उपाय विशेष रूप से गर्मी और सूर्य के कारण होने वाले सिरदर्द में फायदेमंद है। इससे आपको तत्काल आराम मिलेगा।

हाइड्रेशन

धूप में निकलते समय शरीर में पानी की कमी सिरदर्द बढ़ा सकती है। पर्याप्त मात्रा में पानी और नारियल पानी पीते रहें। नारियल पानी शरीर को ताजगी देता है और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखता है, जिससे सिरदर्द कम होता है। अगर नारियल पानी उपलब्ध नहीं है तो अपने साथ ठंडे पानी की बोतल हमेशा रखें और बीच-बीच में पानी पीते रहें।

छायादार जगह पर रहें

सीधी धूप में लंबा समय बिताने से सिरदर्द और थकान बढ़ सकती है। हमेशा छाया, पेड़ या छतरी का उपयोग करें। धूप से बचने के लिए हल्के रंग के कपड़े पहनना और टोपी या हैंडस्कार्फ का इस्तेमाल करना भी मददगार है। तेज धूप ही सिरदर्द की सबसे बड़ी वजह है।

हल्का भोजन करें

भारी, तैलीय या मसालेदार भोजन से सिरदर्द बढ़ सकता है। हल्का और संतुलित भोजन लें, जिसमें फल, सब्ज़ियां और दही शामिल हों। भोजन में नमक और शक्कर का संतुलित उपयोग भी जरूरी है। जंक फूड से तो दूरी बनाकर ही रखें।

आराम और नींद

पर्याप्त नींद और आराम सिरदर्द को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। तनाव कम करने के लिए मेडिटेशन, गहरी साँस या हल्की स्ट्रेचिंग करें। नींद पूरी न होने पर माइग्रेन या सामान्य सिरदर्द की संभावना बढ़ जाती है।

इन चीजों से बनाएं होटल जैसी ग्रेवी, बिना प्याज-लहसुन के

मंगलवार और बृहस्पतिवार को प्याज लहसुन का सेवन वर्जित होने तक, भारत में कई लोग धार्मिक कारणों से प्याज लहसुन का सेवन नहीं करते हैं। इसके अलावा हेल्थ वजहों से भी प्याज लहसुन से दूर रहते हैं। हालांकि अधिकतर लोगों का मानना है कि प्याज लहसुन सब्जी के स्वाद को बढ़ा देते हैं। बिना प्याज लहसुन की सब्जी की ग्रेवी हल्की और साधारण की लगती है।

लेकिन अगर आप प्याज लहसुन नहीं खाते तो इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि आप स्वाद से समझौता करें। सही सामग्री और तकनीक से आप उतनी ही रिच, क्रीमी और स्वादिष्ट ग्रेवी बना सकते हैं। आइए जानते हैं कि बिना प्याज लहसुन के रेस्तरां जैसी स्वादिष्ट ग्रेवी कैसे बनाएं।

स्वादिष्ट ग्रेवी बनाने के लिए सामग्री

2-3 टमाटर (प्यूरी)

10-12,काजू या मखाना, भिगोकर पेस्ट

दही या क्रीम

अदरक पेस्ट

हरी मिर्च

हींग

जीरा, तेज पत्ता, दालचीनी

हल्दी, धनिया पाउडर, गरम मसाला

कसूरी मेथी

ग्रेवी बनाने की आसान विधि

स्टेप 1- कढ़ाही में तेल या घी गर्म करें, उसमें जीरा, तेज पत्ता और हींग डालें।

स्टेप 2- अब अदरक पेस्ट और हरी मिर्च डालकर हल्का भूनें।

स्टेप 3- टमाटर डालकर अच्छे से पकाएं जब तक तेल अलग न होने लगे।

स्टेप 4- अब काजू या मखाना पेस्ट डालें और 2-3 मिनट पकाएं।

स्टेप 5- धीमी आंच पर दही या क्रीम मिलाएं।

स्टेप 6- नमक, गरम मसाला और कसूरी मेथी डालकर 5 मिनट पकाएं।

आपकी बिना प्याज-लहसुन की ग्रेवी तैयार है!

स्वाद बढ़ाने के सीक्रेट टिप्स

हींग का इस्तेमाल जरूर करें। यह प्याज-लहसुन की कमी पूरी करता है।

काजू पेस्ट ग्रेवी को रेस्टोरेंट जैसा बनाता है।

कसूरी मेथी से खुशबू बढ़ती है।

दही डालते समय आंच धीमी रखें, वरना फट सकता है।

किस-किस सब्जी में ऐसी ग्रेवी बना सकते हैं?

पनीर (शाही पनीर, मटर पनीर)

आलू टमाटर

मिक्स वेज

कोफ्ता करी

गर्मियों में ठंडे पानी के लिए पुराने मटके का इस्तेमाल कर देगा आपका पेट खराब!

मिट्टी के मटके का उपयोग भारत में वर्षों से पानी रखने के लिए किया जाता रहा है। ये न केवल पानी को ठंडा रखता है बल्कि इसमें प्राकृतिक स्वाद भी बना रहता है। मिट्टी के मटके की खासियत है कि यह पानी को लंबे समय तक ताजगी बनाए रखता है और उसका स्वाद भी बढ़ाता है।

इसी बीच अब जब दोबारा से गर्मी का मौसम शुरू हो गया है तो अक्सर लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि क्या पिछले साल वाला मटका फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे में आपको ये समझने की जरूरत है कि मिट्टी के मटके का रखरखाव काफी अलग होता है। इसलिए इसका इस्तेमाल एक ही सीजन किया जा सकता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि अगर आप पिछले साल का मटका फिर इस्तेमाल में लाएंगे तो क्या होगा।

पेट में संक्रमण

पुराने मटके में जमा बैक्टीरिया और फफूंदी से दस्त, पेट दर्द और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जब मटका पूरी तरह से साफ नहीं होता, तो इसमें मौजूद सूक्ष्मजीव भोजन या पानी के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। इसलिए इसके इस्तेमाल से बचें।

फूड पॉइजनिंग

गंदे मटके में उगने वाले सूक्ष्मजीव खाने या पानी के जरिए शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। इससे उल्टी, बुखार और पेट में गंभीर तकलीफ हो सकती है। इसलिए इस सीजन नया मटका लेकर आएं।

एलर्जी और त्वचा रोग

कुछ लोगों में मटके की फफूंदी या धूल से त्वचा पर चकत्ते, खुजली या एलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं। यह विशेष रूप से बच्चों और संवेदनशील लोगों में अधिक दिखाई देता है। तो अगर नये मटके का पानी पीने से भी ऐसी दिक्कत दिख रही है तो तत्काल डॉक्टर से संपर्क करें।

सांस संबंधी समस्या

अगर मटका गीला या फफूंदी वाला हो, तो इसके माइक्रोस्पोर्स हवा में फैल सकते हैं। इससे अस्थमा, सर्दी-जुकाम और सांस लेने में तकलीफ जैसी परेशानियां बढ़ सकती हैं। इसलिए गंदे मटके से दूर रहें।

स्वास्थ्य पर लंबी अवधि के असर

लगातार गंदे मटके का इस्तेमाल करने से शरीर में संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है। लंबे समय में यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर सकता है और शरीर को बीमारियों के प्रति संवेदनशील बना सकता है। इसलिए स्वस्थ्य रहने के लिए साफ मटका जरूरी है।

छोटा सा घाव भी नहीं हो रहा ठीक?

ये डायबिटीज की वजह से है या कोई अन्य समस्या

हमारे शरीर का मैकेनिज्म ऐसा है कि छोटी-मोटी समस्याओं को वह खुद से ही ठीक कर लेता है। इम्यून सिस्टम की इसमें सबसे बड़ी भूमिका होती है। आपकी इम्युनिटी जितनी मजबूत होगी, शरीर की ताकत भी उतनी अच्छी होगी। चोट-घाव के ठीक होने के पीछे भी यही साइंस काम करता है। जिनकी इम्युनिटी मजबूत होती है वो चोट से जल्दी रिकवर करते हैं, घाव जल्दी ठीक हो जाते हैं, वहीं जिनकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, उन्हें लंबा वक्त लग सकता है।

क्या आप भी किसी ऐसे घाव या कट से परेशान हैं, जो काफी समय से है पर ठीक नहीं हो रहा? आमतौर पर इसके लिए डायबिटीज को बड़ा कारण माना जाता है। हालांकि अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ पोषक तत्व, विशेषतौर पर जिंक की भी हीलिंग में बड़ी भूमिका होती है।

आपका घाव ठीक होने में क्यों लंबा वक्त ले रहा है? ये डायबिटीज की वजह से है या जिंक की कमी से, इसकी कैसे पहचान की जाए?

डायबिटीज में देर से घाव भरने की समस्या

डॉक्टर बताते हैं, डायबिटीज में ब्लड शुगर का स्तर अक्सर बढ़ा रहता है, जिससे घाव भरने की प्रक्रिया प्रभावित होती है। हाई ग्लूकोज के कारण रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है, जिससे प्रभावित हिस्से तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व कम पहुंचते हैं। यही कारण है कि डायबिटीज मरीजों में घाव देर से भरते हैं।

क्या है इसका कारण?

लगातार हाई शुगर बना रहना आपके इम्यून सिस्टम को भी कमजोर कर देता है। इससे व्हाइट ब्लड सेल्स (डब्ल्यूबीसी) की संक्रमण से लड़ने में धीमी हो जाती हैं। इस वजह से भी छोटे घाव भी जल्दी संक्रमित हो सकते हैं और आसानी से ठीक नहीं होते।

यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को शुगर कंट्रोल रखने के साथ इम्युनिटी को मजबूत बनाने की सलाह देते हैं ताकि इस तरह के जोखिमों से बचा जा सके।

जिंक की कमी में भी देर से भरते हैं घाव

डायबिटीज की समस्या के अलावा घाव देर से ठीक होने का एक कारण शरीर में जिंक की कमी भी हो सकती है।जब शरीर में जिंक की कमी होती है, तो टिश्यू रिपेयर धीमी हो जाती है। जिंक डीएनए सिंथेसिस, सेल डिवीजन और कोलेजन निर्माण में मदद करता है, ये सभी घाव भरने के लिए जरूरी प्रक्रियाएं हैं।

कैसे पहचानें कि समस्या डायबिटीज की है या जिंक की कमी की?

डायबिटीज और जिंक की कमी दोनों स्थितियों में घाव देर से भरते हैं, लेकिन आपकी दिक्कत किस वजह से है आइए जानते हैं इसका कैसे पता लगा सकते हैं?

यदि व्यक्ति को पहले से डायबिटीज है या परिवार में किसी को ये बीमारी रही है तो घाव भरने में देरी अधिकतर हाई शुगर के कारण होती है। डायबिटीज के कारण आपको अक्सर थकान, बार-बार प्यास लगने, बार-बार पेशाब की भी दिक्कत होती है। ये समस्याएं जिंक की कमी में नहीं होतीं।

वहीं जिंक की कमी के कारण घाव देर से ठीक होने के अलावा आपको त्वचा संबंधी अन्य समस्याएं, बाल झड़ने, नाखून कमजोर होने और स्वाद में बदलाव जैसे लक्षण भी दिख सकते हैं। इसमें बार-बार पेशाब या प्यास लगने की समस्या नहीं होती है। कई बार दोनों समस्याएं साथ भी हो सकती हैं इसलिए डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

अनीता आडवाणी की अपील हाई कोर्ट से खारिज
राजेश खन्ना के साथ रिश्ते को शादी मानने से इनकार

बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को अभिनेत्री अनीता आडवाणी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने दिवंगत एक्टर राजेश खन्ना के साथ अपने रिश्ते को शादी के रूप में मान्यता देने की मांग की थी। जस्टिस शर्मिला देशमुख ने दिंडोशी कोर्ट के पुराने फैसले को बरकरार रखते हुए यह आदेश सुनाया। इस फैसले के साथ ही राजेश खन्ना के परिवार यानी डिंपल कपाड़िया, अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना को कानूनी राहत मिली है।

दरअसल अनीता आडवाणी ने सार्वजनिक तौर पर दावा किया था कि वह पिछले कई सालों तक एक्टर की साथी रहीं थी। उन्होंने संपत्ति में हिस्सेदारी और रहने के लिए घर की मांग की थी।

दिंडोशी कोर्ट के फैसले को दी थी चुनौती

अनीता आडवाणी ने दिंडोशी की एक सिविल कोर्ट के 2017 के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की थी। उस समय दिंडोशी कोर्ट ने तकनीकी आधार पर अनीता के सिविल सूट को खारिज कर दिया था। बुधवार को हाई कोर्ट ने अनीता के वकील और डिंपल कपाड़िया व अक्षय कुमार के वकीलों की लंबी दलीलें सुनने के बाद कहा कि पहली अपील को खारिज किया जाता है।

2012 से चल रही है कानूनी लड़ाई

राजेश खन्ना के निधन के बाद साल 2012 से ही अनीता आडवाणी और खन्ना परिवार के बीच कई अदालती मामले चल रहे हैं। अनीता ने दावा किया था कि वह सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ उनके बांद्रा स्थित बंगले 'आशीर्वाद' में लिव-इन रिलेशनशिप में थीं। उन्होंने डिंपल कपाड़िया, अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के खिलाफ घरेलू हिंसा का केस भी दर्ज कराया था। अनीता का आरोप था कि राजेश खन्ना की मौत के बाद उन्हें बंगले से जबरन बाहर निकाल दिया गया था।

कोर्ट ने कहा था- यह रिश्ता शादी जैसा नहीं

इससे पहले साल 2015 में भी बॉम्बे हाई कोर्ट ने डिंपल कपाड़िया और उनके परिवार के खिलाफ चल रही घरेलू हिंसा की कार्यवाही को रद्द कर दिया था। तब कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा था कि अनीता आडवाणी और राजेश खन्ना का रिश्ता घरेलू हिंसा कानून, 2005 के तहत 'शादी की प्रकृति' वाला नहीं था। इसी टिप्पणी को आधार बनाकर अब उनकी शादी की मान्यता वाली अपील भी खारिज हो गई है।

बंगले 'आशीर्वाद' से शुरू हुआ विवाद

राजेश खन्ना का निधन जुलाई 2012 में हुआ था। उनकी मौत के तुरंत बाद अनीता आडवाणी ने सार्वजनिक तौर पर दावा किया था कि वह पिछले कई सालों से एक्टर की साथी रही हैं। उन्होंने संपत्ति में हिस्सेदारी और रहने के लिए घर की मांग की थी। हालांकि, खन्ना परिवार ने हमेशा इन दावों को नकारा। विवादों के केंद्र में रहा बंगला 'आशीर्वाद' बाद में बेच दिया गया था, लेकिन कानूनी लड़ाई पिछले 14 सालों से जारी थी।

प्रेसिडेंट कप का उद्घाटन करने पहुंचे सलमान खान
टाइट सिक्योरिटी के बावजूद भीड़ ने घेरा

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान मंगलवार को टेनिस टूर्नामेंट प्रेसिडेंट कप 2026 का उद्घाटन करने पहुंचे थे। ये इवेंट मुंबई के थाणे स्थित दादोजे कोंडदेव स्टेडियम में आयोजित हुआ था, जहां महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे।

हालांकि एक्टर की मौजूदगी से भीड़ बेकाबू हो गई और एक्टर भीड़ में फंस गए। सलमान को कार तक पहुंचाने में उनकी सिक्योरिटी टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी है।

जल्द ही मातृभूमि में नजर आएंगे सलमान खान

सलमान खान फिल्म मातृभूमि जल्द रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का टाइटल पहले बैटल ऑफ गलवान रखा गया था, हालांकि कुछ लोगों की आपत्ति होने के बाद विवाद से बचने के लिए फिल्म का टाइटल मातृभूमि कर दिया गया है। फिलहाल इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है। इसके अलावा सलमान खान, साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा के साथ एक अनटाइटल फिल्म भी शुरू करने वाले हैं।

अक्षय की वेलकम टू द जंगल का दुबई शूट कैंसिल
तनाव के चलते मेकर्स अब मुंबई में बनाएंगे सेट
शाहरुख की किंग का भी शेड्यूल बिगड़ा

ईरान-इजरायल जंग के बीच कई देशों में तनाव है, जिससे कई बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग का शेड्यूल बदला जा रहा है। हाल ही में शाहरुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म किंग का दुबई शूट कैंसिल किया गया है, जो 9 अप्रैल से होने वाला था। इसके बाद अब अक्षय कुमार की फिल्म वेलकम टू द जंगल की भी दुबई में होने वाली शूटिंग रद्द कर दी गई है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के डायरेक्टर अहमद खान एक गाना दुबई में पूरी स्टारकास्ट के साथ शूट करना चाहते थे। डायरेक्टर ने हालात बेहतर होने का काफी दिनों तक इंतजार किया, लेकिन फिर दुबई शूट कैंसिल करने का फैसला लिया है। अब वो दुबई की जगह मुंबई में ही सेट तैयार करवाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, शूटिंग को टालना संभव नहीं था, क्योंकि इस गाने में बड़ी स्टार कास्ट शामिल है, जिनमें सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, रवीना टंडन, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, लारा दत्ता, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार हैं। इन सभी की तारीखों का दोबारा मिलाना बेहद मुश्किल होता, इसलिए मेकर्स को जल्दी ही दूसरा ऑप्शन ढूंढना पड़ा।

मुंबई में बनेगा दुबई का सेट

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई के अलग-अलग इलाकों जैसे मद आइलैंड, गोल्डन टोबैको स्टूडियो और गोरेगांव की फिल्म सिटी में बड़े-बड़े सेट बनाए जा रहे हैं। इन सेट्स को सैलेश माडिक द्वारा डिजाइन किया जा रहा है, जिनमें नाइटक्लब, कैसीनो और प्राइवेट जेट जैसी हाई-एंड लोकेशंस को दिखाया जाएगा।

खबरों के अनुसार, निर्देशक अहमद खान और प्रोड्यूसर फिरोज ए. नाडियाडवाला इस गाने को लग्जरी लाइफस्टाइल के ग्लैमरस अंदाज में दिखाना चाहते थे, इसलिए शुरुआत में दुबई को एक आइडियल लोकेशन माना गया था।

शाहरुख की किंग का भी दुबई शूट कैंसिल

शाहरुख की मोस्ट अवेटेड फिल्म किंग की शूटिंग 9 अप्रैल से एक हफ्ते तक दुबई में होनी थी। मेकर्स ने इसकी परमिशन भी ले ली थी, लेकिन ईरान-इजरायल जंग के चलते दुबई में चल रहे तनाव को देखते हुए मेकर्स ने शूट कैंसिल कर दिया है। ये फैसला प्रोडक्शन टीम की सिक्योरिटी के मद्देनजर लिया गया है। अब इस फिल्म की शूटिंग भी मुंबई के विले पार्ले स्टूडियो में होगी, जहां रेगिस्तान का बड़ा सेट तैयार किया जाएगा।

कॉमेडियन सुनील पाल की इवेंट में बेइज्जती

गुलदस्ता देने के लिए मंच पर बुलाया, फिर अपमान किया और हाथ से माइक छीना

मशहूर कॉमेडियन सुनील पाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें उनके साथ बुरा व्यवहार किया गया। वीडियो एक इवेंट का है, जहां उन्हें गुलदस्ता देने के लिए मंच पर बुलाया गया और बाद में बेइज्जती कर उतरने को कहा गया। वायरल वीडियो मुंबई में हुए एक मुशायरे का है, जहां कुछ कवि मंच पर बैठे हैं। एक शख्स सुनील पाल को गुलदस्ता देने के लिए बुलाता है। वह झुककर आभार जताते हैं और माइक पर धन्यवाद कहना चाहते हैं, लेकिन पास खड़ा शख्स उन्हें बार-बार उतरने को कहता है। इस दौरान सुनील पाल संयम रखते हुए बार-बार झुककर आभार जताते हैं, लेकिन शख्स उन पर उतरने का दबाव बनाता रहता है। जैसे ही वह माइक पकड़ते हैं, शख्स उनका हाथ हटाकर कहता है, एक सेकेंड, आप स्टेज से उतरिए। इसके आगे कुछ नहीं, जितना किया है उतना है, आप बैठ जाइए जाकर।

इस पर सुनील कहते हैं, 'शुक्रिया तो कहने दें'। शख्स अपमानित लहजे में कहता है, 'आप बैठिए जाकर', और उनका माइक छीनकर जबरदस्ती उतार देता है। वीडियो में सुनील पाल बार-बार शुक्रिया कहने की विनती करते हैं, लेकिन शख्स उन्हें उतरने को कहता रहता है। इस पर कॉमेडियन बिना माइक मंच से शुक्रिया कहते हैं और शख्स से कहते हैं, 'आपका दिल कितना छोटा है।' इसके बाद वह मुस्कुराते हुए ऑडिटोरियम से बाहर चले जाते हैं। इस दौरान ऑडियंस भी शख्स से सुनील पाल को बोलने देने की अपील करती रही, लेकिन बात नहीं मानी गई। यह वीडियो 17 जनवरी 2026 का है, जब वह इस्कॉन जुहू के मुशायरे में शामिल थे।

राजकुमार राव ने शुरू की गांगुली बायोपिक की शूटिंग
'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' होगा फिल्म का टाइटल

राजकुमार राव ने हाल ही में अपनी फिल्म टोस्टर की अनाउंसमेंट की थी, जो नेटफ्लिक्स पर 15 अपैल को रिलीज होगी। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की।

बता दें कि एक्टर 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' फिल्म की शूटिंग की शुरुआत कर चुके हैं, जो पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली पर आधारित होगी। उन्होंने पोस्ट शेयर कर कैप्शन दिया- और अब इसकी शुरुआत हो चुकी है। फिल्म को लव फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है।

फिल्म के बारे में

बता दें कि 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' फिल्म को विक्रमादित्य मोटवानी डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली, जिन्हें 'दादा' के नाम से जाना जाता है, उनके जीवन और उनके क्रिकेटिंग करियर पर आधारित होगी। हालांकि अभी तक फिल्म की अन्य कास्ट और इसकी रिलीज डेट को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म?
अप्रैल अंत तक सिनेमाघरों में दस्तक देगी

थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' को पहले 9 जनवरी को पोंगल के मौके पर रिलीज करने का प्लान था, लेकिन सेंसर बोर्ड से जुड़ी समस्याओं की वजह से रिलीज टाल दी गई। उसके बाद से फैंस 'जन नायकन' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जानें कब रिलीज होगी फिल्म?

कब रिलीज होगी 'जन नायकन'

एक रिपोर्ट के अनुसार, 'जन नायकन' अप्रैल के आखिरी हफ्ते में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। सेंसरशिप की समस्याएं अब सुलझ गई हैं। फिल्म के मेकर्स 'जन नायकन' को 24 अप्रैल या 30 अप्रैल को रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। इस खबर से विजय के फैंस बहुत उत्साहित हैं।

सेंसर में क्यों आई थी दिक्कत?

'जन नायकन' में कुछ राजनीतिक सीन और डायलॉग होने की वजह से सेंसर बोर्ड ने आपत्ति जताई थी। इसलिए फिल्म को दोबारा समिति के सामने दिखाया गया। मुंबई में एक नई समिति ने फिल्म देखी और कुछ बदलाव सुझाए। इसी वजह से सर्टिफिकेट मिलने में ज्यादा समय लग गया।

चुनाव की वजह से भी देरी

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 23 अप्रैल को वोटिंग है और अभी आचार संहिता लागू है। इसलिए चुनाव के दौरान सर्टिफिकेट देने से परहेज किया जा रहा है। अभी मेकर्स की तरफ से आधिकारिक रिलीज डेट की घोषणा का इंतजार है। अगर सब कुछ सही रहा तो 24 या 30 अप्रैल को थलापति विजय की 'जन नायकन' सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

अपने 'सॉसी' गाने पर धमाकेदार डांस से महफिल लूट ले गईं मौनी रॉय

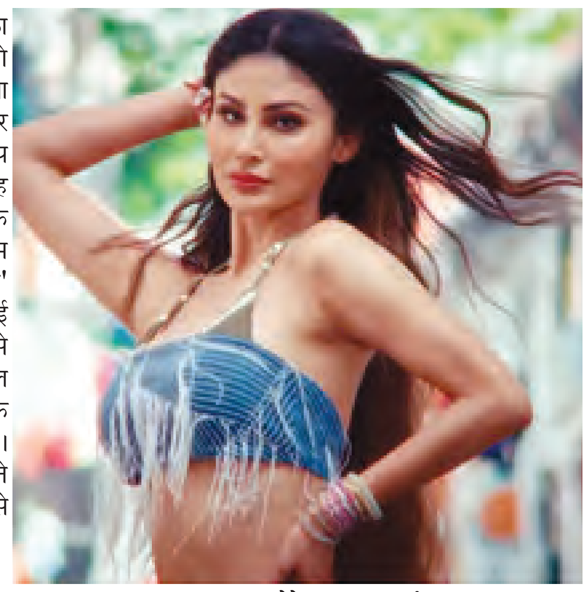

रैपर डिवाइन का नया म्यूजिक वीडियो 'सॉसी' रिलीज हो गया है। इसमें सिंगर रियार साहब और मौनी रॉय भी नजर आए हैं। यह ट्रैक डिवाइन के हालिया एल्बम 'वॉकिंग ऑन वाटर' का हिस्सा है, जो मुंबई के म्यूजिक सीन से लेकर ग्लोबल ऑडियंस तक रैपर के सफर को दिखाता है। गाने में मौनी रॉय ने अपने जबर्दस्त डांस से महफिल लूट ली है।

सिंगापुर में फिल्माया गया है गाना

भारतीय गीतकार रैपर डिवाइन की नई एल्बम 'वॉकिंग ऑन वॉटर' काफी पसंद की जा रही है। इसका नया म्यूजिक वीडियो और भी शानदार है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, यह गाना सिंगापुर में शूट हुआ है। इसके विजुअल्स लोकप्रिय लोकेशंस के हैं, जिनमें हेलिक्स ब्रिज, हाजी लेन और स्विसोटेल द स्टैमफोर्ड हेलीपैड के सीन लोगों का खूब ध्यान खींच रहे हैं। म्यूजिक वीडियो में मौनी रॉय लीड रोल में हैं।

सिंगापुर में क्यो किया शूट?

करण कंचन द्वारा प्रोड्यूस किया गया यह गाना। रैपर डिवाइन के खास रैप स्टाइल और रियार साहब की सुरीली आवाज के साथ 'सॉसी' गाना एक ऐसा हिप-हॉप ट्रैक बनता है, जो काफी अलग है। इस ट्रैक और इसके माहौल के बारे में बात करते हुए डिवाइन ने कहा कि यह गाना अच्छा महसूस कराने और सुनने में आसान होने के लिए बनाया गया था। उन्होंने कहा, 'जब हम यह तय कर रहे थे कि इस ट्रैक की शूटिंग कहां की जाए, तो सिंगापुर ही सबसे सही लगा। मैं हाल ही में F1 के लिए वहां गया था और वहां की रफ्तार मेरे साथ रह गई'।

मौनी रॉय ने शेयर किया अपना अनुभव

मौनी रॉय ने भी सिंगापुर में शूटिंग करने का अपना अनुभव भी शेयर किया और बताया कि उन्हें यह शहर बेहद पसंद आया। उन्होंने कहा, 'सिंगापुर काफी समय से मेरी ट्रैवल विश लिस्ट में था और अब इसने मेरा दिल जीत लिया है। 'सॉसी' की शूटिंग के दौरान पहली बार इस बेहद खूबसूरत देश को अनुभव करना एक बिल्कुल ही अलग एहसास था। यहां का खाना, फैशन, और एनर्जी, सब कुछ इतनी सहजता से एक साथ घुल-मिल जाता है'।

स्मूद पंजाबी टच लाना चाहते थे रियार साहब

वहीं, सिंगर रियार साहब ने इस कोलैबोरेशन के बारे में बात करते हुए कहा, 'जब म्यूजिक बनाने की बात आती है, तो भाई और मेरे बीच एक नैचुरल केमिस्ट्री है।

'सॉसी' उन ट्रैक्स में से एक था, जिसमें पहले दिन से ही एनर्जी एकदम सही थी। सिंगापुर बहुत शानदार था, पूरे शूट का एक अलग ही एहसास था। मैं बस इस ट्रैक में वो स्मूद पंजाबी टच लाना चाहता था, ताकि लोग इसके साथ थिरक सकें'।

सौरभ शुक्ला ने बच्चों की फिल्मों पर की खुलकर बात, बोले- 'मासूमियत गायब नहीं हुई है'

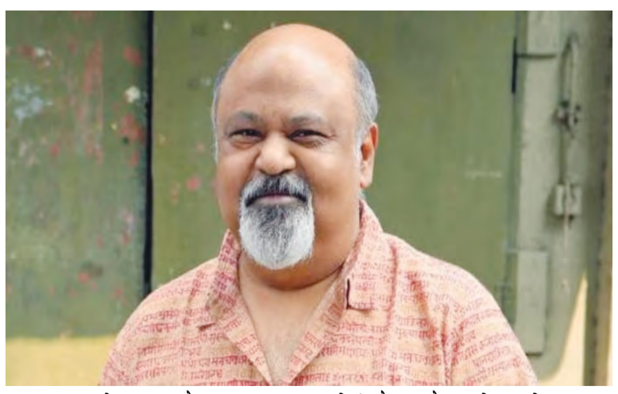

अभिनेता और फिल्म निर्देशक सौरभ शुक्ला ने बच्चों के लिए फिल्मों की कमी को लेकर चल रही चर्चा पर अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि बच्चों की फिल्में गायब नहीं हुई हैं, बल्कि समय के साथ बदल गई हैं।

बच्चों की फिल्मों को लेकर सौरभ शुक्ला की राय

सौरभ शुक्ला ने बताया कि लोग जिसे 'मासूमियत' कहते हैं, वह किसी खास समय के बच्चों के मनोविज्ञान से जुड़ा होता है। पहले का बाल मनोविज्ञान अलग था, लेकिन अब समाज बदल गया है, इसलिए बच्चों का सोचने-समझने का तरीका भी बदल गया है। सौरभ शुक्ला ने कहा, 'किसी की मासूमियत नहीं खोई है।' सौरभ ने आगे बताया कि आज के डिजिटल युग में बच्चे बहुत ज्यादा जानकारी प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन यह सामान्य बात है। जीवन इसी तरह चलता रहेगा।

सौरभ शुक्ला की फिल्म

सौरभ शुक्ला ने हाल ही में 'जब खुली किताब' नाम की एक फिल्म का निर्देशन किया है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। फिल्म की कहानी एक बुजुर्ग दंपति गोपाल और अनुसूया की है, जो 50 साल की शादी के बाद तलाक लेने का फैसला करते हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, परिवार में कई भावनाएं उभरती हैं। फिल्म उनके इसी नाम के नाटक पर आधारित है।

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर ऋचा चड्ढा को दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

दिल्ली हाई कोर्ट ने ऋचा चड्ढा को उनके एक सोशल मीडिया पोस्ट्स के लिए फटकार लगाई है। इसमें अभिनेत्री ने आरोपों के आधार पर एक शख्स को 'मॉलेस्टर' कह दिया है। ऋचा के अलावा कोर्ट ने एक पत्रकार और कुछ अन्य प्लेटफॉर्म्स को भी उनके पोस्ट के लिए फटकारा है। इन सोशल मीडिया पोस्ट्स में एक व्यक्ति पर विमान के भीतर हुई एक घटना के बाद कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों के आधार पर उसे 'छेड़छाड़ करने वाला' बताया गया था।

'एफआईआर की सीमाओं का साफतौर पर उल्लंघन'

जस्टिस विकास महाजन ने कहा कि सोशल मीडिया पर गढ़ी गई कहानियों ने एफआईआर की सीमाओं का साफतौर पर उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि इन प्रकाशनों ने न केवल FIR में लगे आरोपों की रिपोर्टिंग की, बल्कि मामले पर समय से पहले ही अपना फैसला भी सुना दिया। कोर्ट ने इस सिलसिले में कई पोस्ट पर कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने इसे 'सोशल मीडिया का सबसे आपत्तिजनक और बेवजह इस्तेमाल' बताया, जिसके जरिए मामले के तथ्यों की पुष्टि किए बिना ही एक मुद्दे को सनसनीखेज बनाने की कोशिश की गई।

अदालत ने क्या कहा?

अदालत ने कहा, 'संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट में वादी को 'छेड़छाड़ करने वाला' बताया गया है और यह शब्द उसकी तस्वीर के ठीक ऊपर बड़े अक्षरों में लिखा गया है। इस तस्वीर में वादी और उसके नियोक्ता का नाम भी शामिल है। प्रथम दृष्टया, यह ऑनलाइन मानहानि का मामला बनता है, जिससे वादी को सार्वजनिक उपहास और प्रतिष्ठा की हानि का सामना करना पड़ सकता है'। एक मानहानि के मुकदमे की सुनवाई करते हुए जज ने यह कहा। इस मुकदमें को एक शख्स ने एक स्वतंत्र पत्रकार, मेटा प्लेटफॉर्म, इंडियो एयरलाइंस, कई सोशल मीडिया पोस्ट और एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा के खिलाफ दायर किया था।

शिकायत करने वाले शख्स ने क्या कहा?

बता दें कि यह विवाद 11 मार्च की एक घटना से जुड़ा है। दिल्ली से मुंबई जा रही फ्लाइट के दौरान, एक महिला स्वतंत्र पत्रकार (पहली प्रतिवादी) ने वादी पर फ्लाइट के बीच में ही गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया था। मुकदमे के अनुसार, वादी ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उसका कहना है कि वह पूरी फ्लाइट के दौरान वह अपनी सीट पर ही बैठा रहा और फ्लाइट से उतरने से पहले वह सो रहा था।

कोर्ट ने कहा- 'निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन हुआ'

यह विवाद तब और बढ़ गया, जब एक महिला ने एक्स पर आरोप लगाते हुए एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में एफआईआर दर्ज होने से पहले ही वादी की पहचान, फोटो और पेशेवर जानकारी सार्वजनिक कर दी गई थी। इसके बाद, इस पोस्ट को कई जानी-मानी हस्तियों ने और ज्यादा फैलाया। इनमें अभिनेत्री ऋचा चड्ढा भी शामिल थीं, जिन्होंने इस सामग्री को दोबारा पोस्ट करते हुए यह टिप्पणी की, 'इसे और मशहूर बनाओ'। अदालत ने वादी के पक्ष में अंतरिम आदेश पारित करते हुए यह टिप्पणी की कि सोशल मीडिया पोस्ट और समाचार रिपोर्टों ने वादी को समय से पहले ही दोषी करार दे दिया था, जिससे उसके मान-सम्मान और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन हुआ।

यौन शोषण मामले में निर्देशक रंजीत हुए गिरफ्तार

मशहूर मलयालम फिल्म निर्देशक रंजीत को यौन शोषण के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। आज बुधवार को कोच्चि की एक अदालत ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अब रंजीत पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम करेगी। जानें क्या है पूरा मामला?

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

पुलिस ने मंगलवार शाम को इडुक्की जिले से रंजीत को हिरासत में लिया। उन्हें पहले थोडुपुझा पुलिस स्टेशन ले जाया गया, फिर कोच्चि पुलिस को सौंप दिया गया। मेडिकल जांच के बाद उन्हें आज बुधवार को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। रंजीत के वकील ने कहा है कि वे जल्द ही कोर्ट में जमानत की याचिका दायर करेंगे।

अश्वथी गिगी का बयान

डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस अश्वथी गिगी ने बताया कि एक युवा अभिनेत्री ने रंजीत पर फिल्म की शूटिंग के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इस शिकायत के आधार पर 28 मार्च को FIR दर्ज की गई है। पुलिस ने सबूत जुटाने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने यह भी बताया कि अभिनेत्री के बयान के आधार पर रंजीत पर यौन उत्पीड़न और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

पिनाराई विजयन ने कही यह बात

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस मामले पर कहा कि उन्हें अभी इसकी पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि आचार संहिता लागू होने के कारण मामले को उसी के अनुसार देखा जा रहा है।

जानें क्या है पूरा मामला?

एक महिला अभिनेत्री ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि फिल्म की शूटिंग के दौरान निर्देशक रंजीत ने उसके साथ यौन उत्पीड़न की कोशिश की। शिकायत के अनुसार, शूटिंग के समय रंजीत ने अभिनेत्री को कारवां में बुलाया। वहां उन्होंने उसके साथ गलत व्यवहार करने की कोशिश की।

पहले भी लग चुके हैं आरोप

इससे पहले भी रंजीत पर यौन शोषण के आरोप लगे थे। 2024 में एक बंगाली अभिनेत्री ने शिकायत की थी कि साल 2009 में फिल्म 'पलेरी माणिक्यम' की शूटिंग के दौरान रंजीत ने उनके साथ गलत व्यवहार किया था। केरल हाई कोर्ट ने रंजीत की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में यौन उत्पीड़न के मामलों की जांच कर रही जस्टिस के. हेमा समिति की रिपोर्ट के बाद भी रंजीत पर आरोप लगे थे।

एफसीआरए 2026 बिल में ऐसा क्या है जिससे भड़का विपक्ष

क्या सरकार पीछे हटी? हर सवाल का जवाब

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। संसद में आज फिर सरकार और विपक्ष आमने सामने आ गए। इसकी वजह विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 है जो लोकसभा में आज की कार्यवाही सूची में चर्चा और पारित कराने के लिए शामिल है। विपक्षी दलों ने इस विधेयक के खिलाफ बुधवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस का कहना है कि यह विधेयक असंवैधानिक है और गैर सरकारी संगठनों, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित संगठनों को निशाना बनाएगा।

वहीं गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बीते बुधवार को लोकसभा में विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। इस विधेयक का मकसद विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 में संशोधन करना है। उनका कहना था कि यह विधेयक विदेशी अंशदान के उपयोग को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाएगा।

जब एफसीआरए संशोधन विधेयक पेश किया गया था, तो मैंने संवैधानिक सिद्धांतों के आधार पर इसका विरोध किया था। यह विधेयक मनमाना और दुर्भावनापूर्ण है। यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21 और 301(ए) का उल्लंघन करता है, और इसका कड़ा विरोध किया जाना चाहिए।

बहरहाल, बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार दोहरी मुश्किल वाली स्थिति में नजर आ रही है; क्योंकि इस विधेयक को आगे बढ़ाने से केरल के ईसाई मतदाताओं के नाराज होने का खतरा है, जहां 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं। हालांकि, इस बिल को वापस लेने से यह मेसेज जाएगा कि पार्टी विदेशी फंडिंग पाने वाले एनजीओस के प्रति नरम रुख अपना रही है।

पुराने एफसीआरए एक्ट में क्या प्रावधान हैं?

बता दें कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 (एफसीआरए, 2010) एक ऐसा कानून है जिसे व्यक्तियों, संस्थाओं और कंपनियों द्वारा विदेशी योगदान को स्वीकार करने और इस्तेमाल करने को विनियमित करने के लिए बनाया गया है। एफसीआरए की वेबसाइट के अनुसार, इसका मकसद विदेशी फंड को राष्ट्रीय हितों के लिए नुकसानदायक गतिविधियों पर असर डालने से रोकना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और एनजीओस के लिए विदेशी फंड पाने के लिए गृह मंत्रालय में रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी बनाना है।

विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम को लेकर विवाद क्या है?

नया विधेयक विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 में संशोधन के लिए लाया गया है। इस संशोधन में सबसे बड़ा बदलाव एक "डेजिग्नेटेड अथॉरिटी" का गठन करना है।

यह अथॉरिटी एनजीओस के विदेशी फंड और संपत्तियों पर अस्थायी या स्थायी नियंत्रण तब ले लेगा, जब उनका एफसीआरए रजिस्ट्रेशन खत्म हो जाए, रद्द हो जाए या वे स्वेच्छा से उसे सरेंडर कर दें।

इसका मतलब है कि स्कूल, अस्पताल, हॉस्टल या कल्याण केंद्र, जो आंशिक रूप से विदेशी दान से बने हैं, उन्हें सरकार अपने नियंत्रण में ले सकती है। किसी भी बिक्री या हस्तांतरण से मिलने वाली रकम भारत की संचित निधि में जमा हो जाएगी, जो केंद्र सरकार का मुख्य खाता है।

केंद्र सरकार का तर्क है कि मौजूदा कानून में यह स्पष्ट नहीं है कि किसी एनजीओ का लाइसेंस रद्द होने पर विदेशी फंड से बनी संपत्तियों का क्या होता है। सरकार की दलील है कि यह संशोधन कानूनी कमियों को दूर करने और विदेशी फंड के दुरुपयोग को रोकने के लिए जरूरी है।

गृह मंत्रालय के अनुसार, वर्तमान में एफसीआरए के तहत लगभग 16,000 संगठन रजिस्टर्ड हैं और उन्हें हर साल कुल मिलाकर लगभग 22,000 करोड़ रुपये का विदेशी फंड मिलता है।

विपक्ष ने एफसीआरए बिल को सख्त क्यों कहा?

विपक्ष ने कहा कि यह बिल कार्यपालिका को बहुत ज्यादा अधिकार देता है। कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी के नेताओं की दलील है कि केंद्र द्वारा नियुक्त अथॉरिटी मामूली गलतियों या तकनीकी चूक के मामलों में भी संपत्ति जब्त कर सकती है।

बुधवार को, विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया, और एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 को वापस लेने की मांग की। कई विपक्षी दलों के नेता कार्यवाही शुरू होने से पहले वहां जमा हुए।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि इस बिल में विधायी शक्तियों का "अत्यधिक हस्तांतरण" किया गया है।

कांग्रेस के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने दावा किया कि सरकार इन प्रस्तावित संशोधनों को ऐसे समय में पारित कराने की योजना बना रही है, जब कई विपक्षी दल चुनावी में व्यस्त हैं।

विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इस कानून का इस्तेमाल चुनिंदा तौर पर उन एनजीओस, चैरिटी संस्थाओं और नागरिक समाज संगठनों के खिलाफ किया जा सकता है, जिन्हें सरकार का आलोचक माना जाता है।

केरल के ईसाइयों को एफसीआरए बिल में खतरा क्यों दिखा?

केरल में चर्च के नेताओं की तरफ से भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया आई, जहां 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं।

ईसाई संगठनों को डर है कि अगर एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिए गए, तो अल्पसंख्यक संगठनों द्वारा चलाए जा रहे संस्थान खतरे में पड़ सकते हैं।

कौन हैं तुकाराम मुंढे?

महाराष्ट्र के 'सिंघम' आईएएस का 21 साल में 24वां ट्रांसफर, अशोक खेमका जैसी है कहानी

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चर्चित वरिष्ठ आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे का फिर तबादला हो गया है। 21 साल की नौकरी में यह उनका 24वां तबादला है। सिविल सेवा में चयनित होने के बाद से अपने तौर-तरीकों से काम करने वाले तुकाराम मुंढे का तबादला होने पर उनके बारे में सोशल मीडिया पर खूब बात हो रही है। 2005 बैच के आईएएस ऑफिसर तुकाराम मुंढे की छवि ब्यूरोक्रेसी में सिंघम जैसी है। मूलरूप से महाराष्ट्र के रहने वाले इस अफसर को अब सरकार ने आपदा प्रबंधन, राहत और पुनर्वास जैसे अहम विभागों में बतौर सचिव नियुक्त किया है। तुकाराम मुंढे पिछले दिनों तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने दिव्यांग (विकलांग) कल्याण विभाग से जुड़ा मामला मुख्य रूप से फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्रों के आधार पर सरकारी नौकरी पाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की थी।

तबादले से चौंक गए लोग

सोशल मीडिया पर तुकाराम मुंढे का तबादला होने पर यूजर्स हैरानी जता रहे हैं। गौरतलब हो कि पिछले साल अगस्त 2025 में दिव्यांग कल्याण विभाग के सचिव नियुक्त होने के बाद, मुंढे ने राज्यभर में दिव्यांग कोटे से भर्ती हुए कर्मचारियों के दस्तावेजों की जांच शुरू की। जांच में पाया गया कि कई अधिकारियों ने फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट का उपयोग कर आरक्षण का लाभ लिया था। इस जांच के आधार पर, महाराष्ट्र सरकार ने लगभग 316 अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। मुंढे ने इन फर्जीवाड़ा करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने और उन्हें जेल भेजने तक की चेतावनी दी थी। इतना ही नहीं उन्होंने दिव्यांगों के नाम पर निधि डकारने वाली लगभग 900 फर्जी संस्थाओं (एनजीओस) का पंजीकरण भी रद्द कर दिया।

कौन हैं तुकाराम मुंढे

तुकाराम मुंढे की तुलना काम के मामले में हरियाणा के चर्चित आईएएस रहे अशोक खेमका से की जा सकती है। वह अब रिटायर हो चुके हैं। अशोक खेमका के 33 साल की सेवा में कुल 57 तबादले हुए थे। महाराष्ट्र के बीड जिले से आने वाले तुकाराम मुंढे का जन्म 3 जून, 1975 को हुआ था। वह बीड जिले के तडसोना गांव के रहने वाले हैं। सिविल सेवा में वह 2005 में आए। उन्होंने हिस्ट्री से बीए और फिर पॉलिटिकल साइंस में एमए किया है। तुकाराम मुंढे महाराष्ट्र के वंजारी समुदाय से आते हैं। यह समुदाय ओबीसी वर्ग का हिस्सा है। कभी बेस्ट कलेक्टर का अवॉर्ड हासिल करने वाले तुकाराम मुंढे पिछले कुल सालों से अपने ट्रांसफर के लिए चर्चा में हैं।

कड़क छवि से बनाई पहचान

आईएएस तुकाराम मुंढे को 'वॉटरमैन ऑफ महाराष्ट्र' अवॉर्ड मिल चुका है। उन्हें 'द मैन ऑफ ए मिशन' कहा जाता है। तुकाराम मुंढे को पहली पोस्टिंग सोलापुर में मिली थी। तब उन्होंने अवैध शराब के अड्डों पर रेड मार हड़कंप मचा दिया था। तुकाराम मुंढे को अब तक कई बार धमकियां भी मिल चुके हैं। वह रेत माफिया पर नकेल कसने के चर्चा में आ चुके हैं। उनकी शादी अर्चना मुंढे के साथ हुई है। मुंढे के एक बेटा और एक बेटी है। तुकाराम मुंढे ने अपनी शुरुआती पढ़ाई जिला परिषद के स्कूल से की थी। उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई औरंगाबाद से की है। तुकाराम मुंढे ने अपनी ईमानदार छवि से अलग पहचान ब्यूरोक्रेसी में बनाई है।

मोबाइल टूटा तो दोस्त को मारकर घर में दफनाई लाश

सरगुजा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अंबिकापुर के भगवानपुर इलाके में मोबाइल टूटने से गुस्साए युवक ने दोस्त की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने पत्नी के साथ मिलकर शव को घर में पहले से खोदे गए गड्ढे में दफना दिया। अब एक सप्ताह बाद आरोपी ने थाने पहुंचकर सरेंडर किया है।

आरोपी ने बताया कि, उसे दोस्त का भूत दिखता है। रात को सोते समय दोस्त आत्मा के रूप में आकर कहता है कि, मेरी हत्या कर दी है, लेकिन मेरे शरीर का अंतिम संस्कार करा दो। मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र का है।

सीएसपी राहुल बंसल ने बताया कि 24-25 मार्च की रात बृजलाल अगरिया (35) शराब के नशे में मिथलेश कुजूर (37) के घर आया था। बृजलाल ने मिथलेश को शराब पीने के लिए कहा। नवरात्रि के कारण मिथलेश ने शराब पीने से मना कर दिया। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया।

अटारी-वाघा सीमा पर रिट्रीट का समय बदला

अब शाम 5 :30 से 6 बजे तक होगी सेरेमनी, नई टाइमिंग लागू

अमृतसर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमृतसर स्थित भारत-पाकिस्तान अटारी सीमा पर होने वाली प्रसिद्ध रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। अटारी-वाघा बॉर्डर पर हर रोज होने वाली इस देशभक्ति से भरपूर सेरेमनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

नए निर्णय के अनुसार अब रिट्रीट सेरेमनी शाम 5:30 बजे से शुरू होकर 6:00 बजे तक चलेगी। इससे पहले रिट्रीट सेरेमनी 5 बजे शुरू होकर साढ़े 5 बजे खत्म हो रही थी। मौसम और दिन की घटती-बढ़ती रोशनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि दर्शकों को बेहतर अनुभव देने और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए समय में यह बदलाव जरूरी था।

यह नया समय आज यानी 1 अप्रैल से लागू कर दिया गया है। यानी अब जो भी पर्यटक या स्थानीय लोग इस सेरेमनी को देखने की योजना बना रहे हैं, उन्हें नए समय के अनुसार ही पहुंचना होगा। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी भारत और पाकिस्तान के सैनिकों द्वारा की जाने वाली एक विशेष परंपरा है, जिसमें जोश, अनुशासन और देशभक्ति की झलक देखने को मिलती है।

हर दिन हजारों लोग इस आयोजन का हिस्सा बनते हैं और भारत माता की जय तथा वंदे मातरम जैसे नारों से माहौल देशभक्ति से गूंज उठता है। इस बदलाव के बाद उम्मीद है कि लोग समय से पहुंचकर इस अद्भुत दृश्य का आनंद ले पाएंगे। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे समय का विशेष ध्यान रखें और निर्धारित समय से पहले ही पहुंचकर अपनी सीट सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गुजरात में ये क्या? विहिप नेता का डोला मन

स्थानीय निकाय चुनावों से पहले कांग्रेस में ली एंट्री

अहमदाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले खुद को मजबूत बनाने में जुटी कांग्रेस को वडोदरा में बड़ी सफलता मिली है। बुधवार को राज्य चुनाव आयोग द्वारा कार्यक्रम घोषित किए जाने से कुछ देर पहले विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के वडोदरा जिला अध्यक्ष कांग्रेस में शामिल हो गए। गुजरात में बीजेपी को इससे पहले दो बड़े झटके पहले लगे थे। राहुल गांधी के वडोदरा दौरे के बाद बीजेपी से जीते दो पार्षद कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इनमें अशीष जोशी और पारूल पटेल शामिल थे। इस मौके पर गुजरात में छह बार के विधायक मधु श्रीवास्तव की बेटी दीपा और कुछ अन्य नेता शामिल हुए थे। इस नेताओं के कांग्रेस से जुड़ने के बाद मधु श्रीवास्तव की दूसरी बेटी भी कांग्रेस में शामिल हुई थी।

अब बीजेपी को चुनावों के बीच एक बड़ा झटका लगा है। प्रमुख हिंदू संगठन विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष राजेंद्रभाई बारोट अहमदाबाद में कांग्रेस में शामिल हुए। इस मौके पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अमित चावड़ा, पूर्व अध्यक्ष जगदीश ठाकोर और वडोदरा शहर अध्यक्ष ऋत्विक जोशी मौजूद रहे। इस मौके पर विहिप वडोदरा के अध्यक्ष रहे राजेंद्र भाई बारोट ने कहा कि मैं दूध में चीनी की तरह घुल-मिलकर कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाऊंगा। बारोट ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा करने के लिए हम सभी को भाजपा की वोट-बैंक की विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना होगा। कांग्रेस में तानाशाही नहीं, बल्कि लोकतंत्र है। इस मौके पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के यूथ विंग के पूर्व प्रमुख जिग्नेश जोशी भी कांग्रेस में शामिल हुए। गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए 6 अप्रैल से नामांकन दाखिल किए जाएंगे। राज्य में 15 नगर निगमों के साथ कुल 393 स्थानीय निकाय बॉडी के लिए 26 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। राज्य चुनाव आयोग 28 अप्रैल 9024 सीटों के नतीजे घोषित करेगा।

बिहार में 10 अप्रैल तक तस्वीर साफ पवन सिंह को बीजेपी देगी 'पावर'

रोहतास, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पवन सिंह को बहुत जल्द बीजेपी बड़ी जिम्मेदारी देने वाली है। पवन सिंह की मेहनत का उचित सम्मान मिलने वाला है। उनके योगदान को बीजेपी का हर कार्यकर्ता मानता है। जी हां, दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने औरंगाबाद से लौटते हुए रोहतास जिले में पत्रकारों से बातचीत में बड़ी बात कही है। उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि पवन सिंह को लेकर यूज एंड थ्रो की बात करने वाले ठीक नहीं कर रहे हैं। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि छोटी- छोटी बातों को बड़ा बनाकर उसे पेश करना विपक्ष की आदत में शामिल है। उन्होंने कहा कि पवन सिंह केवल एक स्टार नहीं बल्कि पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाई है। ऐसे में उनकी मेहनत को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

उन्होंने आगे भरोसा दिलाते हुए कहा कि उन्हें उनका हक पार्टी जरूर देगी। आने वाले समय में पवन सिंह को बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। मनोज तिवारी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि वे लोग जनता का ध्यान भटकाने के लिए कई तरह के आरोप लगाते रहते हैं। बीजेपी में हर कार्यकर्ता मेहनत करता है। चाहे वो किसी भी क्षेत्र से जुड़ा क्यों न हो। उन्होंने कहा कि बीजेपी की कार्यशैली बिल्कुल पारदर्शी है। इसमें व्यक्तिगत लाभ की जगह संगठन और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी जाती है। यही कारण है कि बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी है। मनोज तिवारी ने परिवारवाद पर बोलते हुए कहा कि नीतीश कुमार को लेकर चल रही बातें बिल्कुल ठीक नहीं है।

'मैं किसी और की हूं' सुहागरात पर दूल्हे को जड़ दिया थप्पड़

रामपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रामपुर में दूल्हे को थप्पड़ मारने का मामला सामने आया है। शादी के बाद दूल्हे के साथ इस प्रकार की वारदात हुई, जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की होगी। शादी के बाद सुहागरात के मौके पर नई नवेली दुल्हन ने अलग ही रूप दिखाया। दूल्हन के कमरे में पहुंचे दूल्हे को पास भी नहीं फटकने दिया। दूल्हे ने जब कारण पूछा तो दूल्हन ने खुद को किसी और की बताया। इसके बाद दूल्हे को थप्पड़ मार दी। परिवार में इस मामले को लेकर विवाद शुरू हुआ। इसके बाद पंचायत तक मामला पहुंच गया। इसमें दूल्हन के भी घरवाले भी पहुंचे थे। पंचायत के दौरान विवाद इतना गहरा गया कि दूल्हे की पिटाई कर दी गई। इसमें उसका सिर फूट गया। मामले की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है।

रामपुर जिले के विलासपुर क्षेत्र से यह मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार को युवक की शादी हुई थी। गाजे-बाजे के साथ आई बारात के बाद दूल्हन ने दूल्हे के साथ सात फेरे लिए। शादी की सभी तैयारियों को सामान्य तरीके से पूरा कराया गया। सब कुछ ठीक-ठाक था। बात सुहागरात की रात बिगड़ी। दूल्हा जब दूल्हन के कमरे में पहुंचा तो दुल्हन ने उसे तमाचा जड़ दिया। इसके बाद दुल्हन ने पति के साथ रहने से इनकार कर दिया।

दुल्हन ने पति से साफ तौर पर कहा कि वह किसी और से प्यार करती है। वह किसी और की है। उसके साथ नही रह सकती है। मामले की जानकारी के बाद दूल्हे की बहन ने नई नवेली दूल्हन से बात शुरू की। इसके बाद उसके प्रेम प्रसंग का किस्सा सामने आया। दूल्हे की बहन का कहना है कि उसका भाई सुहागरात पर नई नवेली दुल्हन के पास गया था। इसी दौरान उसे रोक दिया गया। दुल्हन ने कहा कि उसे यह रिश्ता स्वीकार नहीं है। वह किसी और की है। दूल्हे ने इस मामले में नई नवेली दुल्हन के समक्ष आपत्ति जताई। उससे सवाल पूछना शुरू किया कि उसे पहले से कोई पसंद था तो शादी क्यों की। इस पर दुल्हन ने उसे थप्पड़ मार दिया।

दूल्हे को थप्पड़ मारे जाने और कमरे में हंगामा को सुनकर परिवार के अन्य लोग वहां पहुंचे। इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। अगली सुबह पंचायत बुलाई गई। इसमें दुल्हन पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंचे। समझौते की कोशिश शुरू हुई। इसी दौरान दूल्हे पक्ष ने शादी को बरकरार रखने से इनकार दिया।

पत्नी-मौसेरे भाई को काटने वाले पति को फांसी की सजा

पिता और छोटा भाई भी दोषी 1 मिनट में 22 फरसे मारे थे

आगरा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आगरा में पत्नी और मौसेरे भाई को फरसे से काटने वाले पति समेत 3 लोगों को फांसी की सजा हुई है। कोर्ट ने पति के छोटे भाई और पिता को भी हत्या का दोषी माना है। तीनों पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, सबूतों की कमी के चलते उसकी मां को बरी कर दिया है। एडीजे-26 अमरदीप ने बुधवार को यह फैसला सुनाया।

मामला 4 साल पहले 2022 का है, जहां एत्माद्दौला में अवैध संबंध के शक में गौरव ने अपनी पत्नी पूजा और मौसेरे भाई शिवम को फरसे से काट डाला था। इस डबल मर्डर में पिता मदन और छोटे भाई अभिषेक ने गौरव का साथ दिया था। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया था, जो कोर्ट में अहम सबूत साबित हुआ। पिता-बेटों ने पहले पूजा और शिवम को गली में दौड़ा-दौड़ाकर डंडों से पीटा। दोनों जब जमीन पर गिर पड़े तो फरसे से उनके गले काट दिए थे। पूजा के देवर ने शिवम को 1 मिनट में 22 बार फरसे मारे थे। पुलिस को पूजा की लाश घर के दरवाजे पर, जबकि शिवम की लाश गली में पड़ी मिली थी।

दतिया विधायक राजेंद्र भारती को जेल

भूमि विकास बैंक घोटाले में दिल्ली एमपी-एमएलए कोर्ट ने माना दोषी, फर्जीवाड़ा कर एफडी की अवधि बढ़वाई थी

दतिया, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को दिल्ली एमपी-एमएलए कोर्ट ने भूमि विकास बैंक से जुड़े मामले में बुधवार को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत दोषी ठहराया। कोर्ट ने राजेंद्र भारती को तिहाड़ जेल भेज दिया है।

विधायक राजेंद्र भारती ने अपनी मां के नाम बैंक में 10.50 लाख रुपए की एफडी तीन साल के लिए कराई थी, जिस पर 13.50% ब्याज मिल रहा था। आरोप है कि बाद में एफडी की अवधि 3 साल से बढ़ाकर 15 साल कर दी गई।

इसी मामले में बैंक कर्मचारी नरेंद्र सिंह ने कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई। कोर्ट ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए इसे धोखाधड़ी का मामला माना और केस दर्ज करने के आदेश दिए।

दतिया से कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक दांगी ने बताया कि विधायक राजेंद्र भारती को न्यायालय ने अभी केवल दोषी ठहराया है। कितनी सजा दी गई है, या क्या दंड दिया गया है। इस का अभी कोई अपडेट न्यायालय से नहीं आया है।

यह मामला करीब 25 साल पुराना है, जब दतिया के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती जिला सहकारी कृषि ग्रामीण बैंक दतिया के अध्यक्ष थे। उसी दौरान उन्होंने अपनी मां स्व. सावित्री देवी के नाम पर 1998 में 10 लाख रुपये की एफडी (सावधि जमा) कराई, जिसकी अवधि 3 साल थी। उस समय 13.5% वार्षिक ब्याज मिल रहा था। आरोप है कि अध्यक्ष पद पर रहते हुए उन्होंने नियमों के विपरीत हर साल एफडी का ब्याज अलग से निकलवाया, जबकि नियमानुसार ब्याज और मूलधन मैच्योरिटी के बाद ही दिया जाता है। इस तरह तीन साल तक नियमों के खिलाफ भुगतान कराया गया। आरोप है कि 2001 में जब एफडी की अवधि पूरी होने वाली थी और बाजार में ब्याज दरें कम हो गई थीं, तब राजेंद्र भारती ने पद का दुरुपयोग कर दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर अवधि 3 साल और बढ़ा दी। इसके बाद भी उन्होंने 13.5% की ऊंची ब्याज दर पर हर साल ब्याज लिया। आरोप है कि 2004 में फिर दस्तावेजों में बदलाव कर एफडी की अवधि करीब 10 साल और बढ़ा दी गई, जिससे उन्हें ज्यादा ब्याज मिलता रहा। यह पूरा खेल फर्जी दस्तावेजों और रिकॉर्ड में बदलाव से किया गया। बैंक प्रबंधन को गड़बड़ी की जानकारी 2003 में मिली, जिसके बाद आंतरिक जांच शुरू हुई। जांच में राजेंद्र भारती और उनकी मां को दोषी पाया गया। इसके बाद मामला उपभोक्ता फोरम और दतिया की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) कोर्ट तक पहुंचा।

पूर्व-मंत्री के खिलाफ सभा में कांग्रेसियों पर मधुमक्खियों का हमला

डालियां तोड़ी, शर्ट में मुंह छिपा कर भागे, अपनी ही पार्टी के नेता का विरोध कर रहे थे

बीकानेर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व कैबिनेट मंत्री के खिलाफ पैदल मार्च निकाल कर विरोध करने जुटे कांग्रेसियों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सभा में अफरा तफरी मच गई, कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता सभास्थल से भागने लगे। किसी ने गमछे का सहारा लिया तो कोई मधुमक्खियां भगाने के लिए पेड़ की डाली तोड़ लाया। इस दौरान एक कार्यकर्ता शर्ट में मुंह डाल कर वहां से निकलते नजर आया। मामला बीकानेर के गांधी मैदान का बुधवार दोपहर 1 बजे का है। यहां पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंदराम मेघवाल के एक विवादित बयान के खिलाफ नोखा और बीकानेर से दिवंगत रामेश्वर डूडी के समर्थक इकट्ठा हुए थे।

खादिम ने स्टूडेंट को गोली मारी, किराए को लेकर मकान मालिक से हुआ था विवाद

अजमेर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर में मकान मालिक और किराए पर रहने वाले खादिम के बीच किराए को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया। इस दौरान खादिम ने देसी कट्टा निकालकर फायरिंग कर दी। बंदूक से निकली गोली घटनास्थल पर मौजूद एक छात्र के हाथ में लग गई। झगड़े और फायरिंग की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी खादिम को हिरासत में ले लिया। घटना सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के फुस की कोठी में हुई। गई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। थाना प्रभारी शंभू सिंह ने बताया- रोडवेज बस स्टैंड के पीछे कुंदन नगर स्थित फुस की कोठी क्षेत्र में फायरिंग में छात्र को गोली लगने की सूचना मिली। इस पर टीम मौके पर पहुंची और आरोपी खादिम गुलरेज चिश्ती को हिरासत में लिया है। आरोपी गुलरेज चिश्ती के पास देसी कट्टा था। उसने फायर किया तो गोली क्षेत्र में रहने वाले 16 साल के छात्र को लग गई। घायल छात्र को प्राथमिक इलाज के लिए अस्पताल में भिजवाया गया।

थाना प्रभारी ने बताया- आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि उसका मकान मालिक से किराए को लेकर विवाद हो गया था। तभी वहां मौजूद लोगों ने इकट्ठा होकर उसके साथ मारपीट कर दी थी। मकान मालिक आईशा ने बताया- घर पर आरोपी खादिम कुछ ताबीज जला रहा था।

एटीएम से बार-बार कैश निकालने की आदत छोड़ दो, नहीं तो चुकाना होगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर आप एटीएम से बार-बार कैश निकालते हैं तो इस आदत को तुरंत छोड़ना होगा। ऐसा नहीं करने पर आपको भारी जुर्माना देना पड़ेगा। बैंकों ने एटीएम निकासी से संबंधित नियमों को बदल दिया है। ये नए नियम आज यानी 1 अप्रैल 2026 से लागू हो गए हैं। इनमें प्राइवेट से लेकर सरकारी बैंक तक शामिल हैं।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी के ग्राहक एचडीएफसी बैंक के एटीएम से महीने में फ्री 5 ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। अन्य बैंक के एटीएम से फ्री ट्रांजेक्शन की लिमिट मेट्रो शहरों में 3 और नॉन-मेट्रो शहरों में 5 है। अगर आप एचडीएफसी बैंक के ग्राहक हैं तो यूपीआई की मदद से भी एटीएम से कैश निकाल सकते हैं।

ओरेकल ने भारत में 12,000 कर्मचारियों को निकाला

दुनियाभर में 30 हजार लोगों की छंटनी, कर्मचारियों से कहा-यही उनका आखिरी वर्किंग डे

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी आईटी कंपनी ओरेकल ने करीब 30 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छंटनी में अकेले भारत के 12 हजार कर्मचारी शामिल है। कर्मचारियों को सुबह 5 से 6 बजे के बीच ई-मेल मिले और कुछ ही मिनटों में उनका सिस्टम एक्सेस बंद कर दिया गया। कंपनी अगले महीने छंटनी का दूसरा दौर भी शुरू कर सकती है।

ओरेकल के कई कर्मचारियों के मुताबिक, सुबह जब वें सोकर उठे, तो उनके इनबॉक्स में टर्मिनेशन लेटर था। भारत में पूरी की पूरी टीमों को रातों-रात खत्म कर दिया गया है।

कर्मचारियों से कहा-यही उनका आखिरी वर्किंग डे

ई-मेल में कर्मचारियों को बताया गया कि ₹बड़े संगठनात्मक बदलाव₹ के तहत उनकी भूमिका खत्म कर दी गई है और जिस दिन वे यह ई-मेल पढ़ रहे हैं, वही उनका आखिरी वर्किंग डे है।

एआई की वजह से कर्मचारियों को निकाला

एक सीनियर मैनेजर माइकल शेफर्ड ने लिंक्डइन पर लिखा कि ₹सीनियर इंजीनियर्स, आर्किटेक्ट्स, ऑपरेशंस लीडर्स, प्रोग्राम मैनेजर्स और टेक्निकल स्पेशलिस्ट्स₹ को नौकरी से निकाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह छंटनी परफॉर्मेंस के आधार पर नहीं की गई है। एक रिपोर्ट में सीनियर कर्मचारियों के हवाले से कहा गया है कि कंपनी एआई में भारी निवेश कर रही है, जिसके चलते यह कदम उठाया गया है। ओरेकल अंदरूनी तौर पर एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहा है।

इसकी मदद से कम कर्मचारी ज्यादा काम कर पा रहे हैं। ओरेकल के एक पूर्व कर्मचारी मेरुगु श्रीधर ने दावा किया कि उन्हें सितंबर में निकाल दिया गया था। उन्होंने कंपनी के 16 घंटे के वर्क शिफ्ट कल्चर का विरोध किया था। श्रीधर का दावा है कि इस विरोध की वजह से ही उन्हें निकाला गया।

महंगी होगी हवाई यात्रा : ईरान जंग के बीच जेट ईंधन 2 लाख के पार, एयरलाइन्स को बड़ा झटका

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। हवाई यात्रियों को किराए में बड़ी बढ़ोतरी के लिए तैयार रहना चाहिए। ईरान युद्ध के चलते जेट ईंधन (एटीएफ) की कीमतों अप्रैल में दोगुने से भी ज्यादा का भी इजाफा हुआ है जिससे भारतीय एयरलाइनों को बड़ा झटका लगा है। घरेलू विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 8.6 प्रतिशत बढ़ाकर 1.04 लाख रुपये प्रति किलोलीटर जबकि गैर-निर्धारित, तदर्थ एवं चार्टर्ड विमानों के लिए एटीएफ दरें दोगुनी से अधिक बढ़ाकर 2.07 लाख रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है।

सरकारी तेल कंपनियों (पीएसयूएस) ने बुधवार (1 अप्रैल 2026) सुबह अप्रैल के लिए एटीएफ की नई कीमतों की घोषणा की। इसमें घरेलू उड़ानों के लिए कीमतों में लगभग 115% और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए लगभग 107% की बढ़ोतरी हुई है। रुपये का लगातार नए निचले स्तर पर पहुंचना भी एयरलाइनों पर अतिरिक्त बोझ डाल रहा है क्योंकि उनकी अधिकांश लागत डॉलर में होती है। विमानन ईंधन की कीमतें दो दशक से अधिक समय पहले नियंत्रण मुक्त कर दी गई थी और तब से इन्हें अंतरराष्ट्रीय मानक कीमतों के अनुरूप तय किया जाता है। पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तेज उछाल को देखते हुए सरकार एवं सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने संतुलित बढ़ोतरी का तरीका अपनाया है। सूत्रों के अनुसार, विदेशी विमानन कंपनियों और अन्य संचालकों को बाजार आधारित पूरी कीमत देनी होगी, जबकि घरेलू विमानन कंपनियों के लिए कीमतों को नियंत्रित रखा गया है ताकि घरेलू हवाई यात्रा महंगी न हो।

पहली बार 2 लाख रुपये प्रति किलोलीटर के पार

बुधवार सुबह घोषित की गई कीमतों के बारे में एक वरिष्ठ एयरलाइन अधिकारी ने कहा, आईओसी की वेबसाइट पर लिस्टेड कीमतें गैर-निर्धारित, एडहॉक और चार्टर उड़ानों के लिए हैं ना कि नियमित घरेलू उड़ानों के लिए। निर्धारित ऑपरेटरों के लिए कीमतों की घोषणा बाद में की जाएगी। पश्चिम एशिया संघर्ष के दायरे के बढ़ने के बीच वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) या विमान ईंधन की कीमतें बुधवार को दोगुने से अधिक बढ़कर रिकॉर्ड 2.07 लाख रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। यह पहली बार है जब एटीएफ की कीमत दो लाख रुपये प्रति किलोलीटर (केएल) के पार गई हैं।

दिल्ली में एटीएफ की कीमत 96,638.14 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़ाकर 2,07,341.22 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई है। इससे पहले एक मार्च को विमान ईंधन की कीमतों में 5.7 प्रतिशत (5,244.75 रुपये प्रति किलोलीटर) की बढ़ोतरी की गई थी।

एयरलाइन कंपनियों पर अतिरिक्त दबाव ईंधन की कीमतों में यह उछाल विमानन कंपनियों पर अतिरिक्त दबाव डालेगा क्योंकि कुल परिचालन लागत में ईंधन की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत रहती है। साथ ही पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण कई हवाई मार्ग बंद होने से विमानों को लंबे रास्तों से उड़ान भरनी पड़ रही है जिससे ईंधन की खपत भी बढ़ रही है।

एयरलाइंस ने सरकार के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी जहाजों के ईंधन की कीमतों में केवल आंशिक बढ़ोतरी की अनुमति देने के सरकार के फैसले का विमानन कंपनियों ने स्वागत किया है। एयरलाइंस का कहना है कि इस कदम से हवाई किराए में स्थिरता बनी रहेगी और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच यात्रियों और कंपनियों दोनों को राहत मिलेगी।

इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने एक बयान में प्रधानमंत्री, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय का आभार जताते हुए कहा कि यह फैसला एयरलाइंस के लिए स्थिरता सुनिश्चित करेगा और यात्रियों को सस्ती व सुलभ यात्रा का लाभ देने में मदद करेगा। स्पाइसजेट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह ने भी इसे विमानन उद्योग के लिए बड़ी राहत बताया।

ईरान युद्ध के बीच धड़ाधड़ डॉलर बेच रहे दुनिया भर के देश, तुर्की से जापान तक मचा है हंगामा

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में भारी तेजी आई है। इस कारण कई देशों का इंपोर्ट बिल बढ़ने लगा है और उनकी करेंसी में भारी गिरावट आ रही है। इन देशों में भारत, तुर्की और जापान शामिल हैं।

अपनी करेंसी को गिरने से बचाने के लिए इन देशों के केंद्रीय बैंकों को खुले बाजार में डॉलर बेचना पड़ रहा है। साथ ही कई देशों के सेंट्रल बैंकों ने यूएस ट्रेजरीज में अपनी होल्डिंग्स बेचनी शुरू कर दी है। इस कारण यूएस ट्रेजरीज में फॉरेन सेंट्रल बैंकों की होल्डिंग्स 2012 के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुकी है।

25 फरवरी के बाद से न्यूयॉर्क फेड में रखी गई सरकारी संस्थानों की ट्रेजरीज की वैल्यू में 82 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इसी तरह कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने अपनी करेंसीज को थामने के लिए ओपन मार्केट में डॉलर झोंके हैं। केवल तुर्की का सेंट्रल बैंक ही 27 फरवरी के बाद से 22 अरब डॉलर की फॉरेन गवर्नमेंट सिक्योरिटीज बेच चुका है। इसी तरह जापान में भी केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप का जोखिम बढ़ता जा रहा है। डॉलर के मुकाबले येन जुलाई 2024 के बाद पहली बार 160 के पार पहुंचा है।

जापान का हाल

अप्रैल 2025 से डॉलर जापानी करेंसी की तुलना में 14 फीसदी मजबूत हुआ है। येन को सपोर्ट करने के लिए जापान पहले ही 2022 से 150 अरब डॉलर खर्च कर चुका है। अप्रैल-जुलाई 2024 में जापान के वित्त मंत्रालय ने येन को सपोर्ट करने के लिए 95 अरब डॉलर झोंके थे। जापान के वाइस फाइनेंस मिनिस्टर फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स अतसूशी मिमूरा का कहना है कि अगर बाजार में यही स्थिति रही तो फिर सरकार को हस्तक्षेप करना होगा। भारत में भी रुपये की कीमत में डॉलर के मुकाबले हाल में काफी तेजी आई है। सोमवार को यह पहली बार 95 के पार पहुंचा था।

सोना आज 2,836 रुपये बढ़कर 1.50 लाख रुपये पर पहुंचा

चांदी 9,348 रुपये महंगी होकर 2.39 लाख रुपये किलो हुई

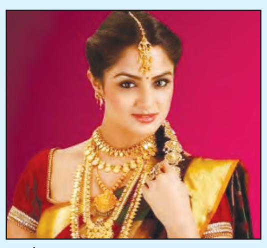

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज 1 अप्रैल को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,836 रुपए बढ़कर 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 9,348 रुपए बढ़कर 2.39 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2.30 लाख रुपए प्रति किलो थी। एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं। दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

सेंसेक्स 1187 अंक बढ़कर 73,134 पर बंद

निफ्टी में 348 पॉइंट की तेजी; बैंकिंग

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 1 अप्रैल को तेजी रही। सेंसेक्स 1,187 अंक (1.65%) की तेजी के साथ 73,134 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 348 अंक (1.56%) की बढ़त है, ये 22,679 के स्तर पर पहुंच गया। आज बैंकिंग, मीडिया और मेटल शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। मिडिल ईस्ट का तनाव खत्म होने के संकेतः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध अगले 2 से 3 हफ्तों में खत्म हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका अपना लक्ष्य हासिल कर चुका है और ऑपरेशन लास्ट स्टेज में है।

मोबाइल सिम की तरह पोर्ट होगा बैंक अकाउंट

एक ही जगह मिलेंगी सभी पेमेंट डिटेल्स

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आरबीआई अपने 'पेमेंट्स विजन 2028' के जरिए बैंकिंग सेक्टर में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी में है। अब मोबाइल सिम की तरह ही आप अपना बैंक अकाउंट भी एक बैंक से दूसरे बैंक में पोर्ट करा सकेंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, आरबीआई एक ऐसा केंद्रीय सिस्टम बना रहा है जिससे आपके सभी ऑटो-पेमेंट और बिल सेटिंग्स आसानी से नए बैंक में शिफ्ट हो जाएंगे। साथ ही, विदेशों में पैसे भेजना अब पहले से कहीं ज्यादा सस्ता और तेज होगा। आजकल ग्राहक किसी भी बैंक में खाता तो आसानी से खुलवा लेते हैं, लेकिन सेविंग अकाउंट को एक बैंक से दूसरे बैंक में शिफ्ट करना बहुत मुश्किल होता है।

मार्च में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये के पार

> सरकार की तिजोरी में जमा हुए 22.27 लाख करोड़

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में जीएसटी संग्रह में लगातार मजबूती देखने को मिल रही है।

वित्त मंत्रालय के जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में सकल जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 2,00,064 करोड़ रुपये हो गया, जो मार्च 2025 के 1,83,845 करोड़ रुपये के मुकाबले 8.8% अधिक है।

जीएसटी संग्रह बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये पहुंचा

पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कुल जीएसटी संग्रह 22.27 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 20.55 लाख करोड़ रुपये से 8.3% ज्यादा है। यह आंकड़े टैक्स कलेक्शन में लगातार बने हुए मजबूत रुझान को दर्शाते हैं। मार्च में दो लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना साल के अंत में बेहतर अनुपालन और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का संकेत माना जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू जीएसटी राजस्व मार्च में 5.9% बढ़कर 1.46 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो देश के भीतर स्थिर खपत को दर्शाता है। वहीं, आयात से जुड़े जीएसटी कलेक्शन में 17.8% की तेज वृद्धि दर्ज की गई, जो बढ़ती आयात गतिविधियों और बेहतर कस्टम्स कलेक्शन की ओर इशारा करती है।

आयात में भारी वृद्धि के चलते मार्च में आईजीएसटी संग्रह बढ़कर 1.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। सीजीएसटी और एसजीएसटी संग्रह में भी मामूली वृद्धि दर्ज की गई, जो केंद्र और राज्य कर घटकों में संतुलित वृद्धि को दर्शाती है।

जीएसटी रिफंड में हुई 13.8% की वृद्धि

मार्च में कुल जीएसटी रिफंड में सालाना आधार पर 13.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 22,074 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड को समायोजित करने के बाद, शुद्ध जीएसटी राजस्व में सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1.77 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2026 के लिए शुद्ध जीएसटी संग्रह 19.34 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.1 प्रतिशत अधिक है, जो उच्च धनवापसी के बावजूद लगातार राजस्व वृद्धि को दर्शाता है।

एसजीएसटी को लेकर क्या कहते हैं आंकड़े?

आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र (+17%), कर्नाटक (+14%) और तेलंगाना (+19%) जैसे कई बड़े राज्यों में मार्च में एसजीएसटी में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तमिलनाडु (-8%) और असम (-15%) जैसे कुछ राज्यों में गिरावट देखी गई।

कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में 195.5 रुपये की भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी का असर कमर्शियल एलपीजी की कीमतों पर पड़ा है। सरकारी तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में 195.50 रुपये का इजाफा किया है। नई कीमतों के बाद रेस्टोरेंट संचालकों की चुनौतियां और ज्यादा बढ़ सकती हैं। राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 2018.50 रुपये हो गई है। वहीं, 1 मार्च को 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत में 114.50 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

घरेलू कुकिंग गैस की कीमतों में बदलाव नहीं

राहत की बात यह है कि घर पर खाना बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली एलपीजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। घरेलू कुकिंग गैस की कीमतों में पिछली बार 7 मार्च को बढ़ोतरी की गई थी। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर के लिए कीमत में 60 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई थी। इसके बाद से अब तक कीमतों में कोई इजाफा नहीं किया गया है राजधानी दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले एक सिलेंडर की कीमत फिलहाल 913 रुपये चल रही है।

कमर्शियल एलपीजी की कीमतें बढ़ने के मायने

अगर कमर्शियल एलपीजी की कीमतें बढ़ती हैं, उसका सीधा असर रेस्टोरेंट व्यापार पर पड़ता है। सबसे ज्यादा कमर्शयल सिलेंडर का इस्तेमाल क्योंकि यह वर्ग करता है, ऐसे में कीमतों में उछाल का असर भी तुरंत देखने को मिलता है। आम लोगों को खाने पर ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता है, ऑनलाइन फूड एप्स भी अपने रेट बढ़ा देती हैं। हाल ही में जोमैटो ने भी प्लेटफॉर्म फीस में 20 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी थी। वहीं, जब से पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हुआ है, तब से तेल की कीमतों में करीब 50 फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई है। इस पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि तेल की ऊंची कीमतों से परेशान देश अपने तेल का इंतजाम खुद करें क्योंकि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए हुए है।

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन सहयोगियों के प्रति अपनी निराशा जताई जोकि महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को फिर से खोलने में अमेरिका की मदद करने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे देशों को अमेरिका से खरीदना चाहिए क्योंकि हमारे पास पर्याप्त मात्रा में तेल है।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मंगलवार को अमेरिका और इजरायल पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ईरान और वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन की अमेरिकी योजना का उद्देश्य तेल और गैस संसाधनों पर नियंत्रण हासिल करना है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	मीन	मे
चंद्र	कन्या	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
मीन....	05-16	बजे
मेष......	06-52	बजे
वृष....	08-36	बजे
मिथुन..	10-37	बजे
कर्क...	12-49	बजे
सिंह---	15-01	बजे
कन्या--	17-08	बजे
तुला----	19-13	बजे
वृश्चिक..	21-23	बजे
धनु.....	23-36	बजे
मकर...	01-43	बजे
कुंभ....	03-33	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
सूर्योदय 06-13
सूर्यास्त. 18 -26
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष गुरुवार 02 April 2026
तिथि - पूर्णिमा 07-41 तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - हस्त 17-38 तक उप चित्रा
योग - धुव्र 14-19 तक उप व्याघात
करण - बव 07-41 तक उप बालव
आज श्री हनुमान ज.पूर्णिमा पुण्य
विशेष: मीने भौम १५-२९ से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-52 से 15-24 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			
शुभ	06-13	07-43	शुभ
रोग	07-43	09-16	अशुभ
उत्पात	09-16	10-48	अशुभ
चंचल	10-48	12-20	शुभ
लाभ	12-20	13-52	शुभ
अमृत	13-52	15-24	शुभ
काल	15-24	16-56	अशुभ
शुभ	16-56	18-26	शुभ

रात का चौघड़िया			
अमृत	18-26	19-56	शुभ
चंचल	19-56	21-24	शुभ
रोग	20-24	22-52	अशुभ
काल	22-52	00-19	अशुभ
लाभ	00-22	01-47	शुभ
उत्पात	01-47	03-15	अशुभ
शुभ.	03-15	04-43	शुभ
अमृत	04-43	06-13	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे । उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें । इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा ।अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे । ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे । इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा । लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं । कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी । आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी । आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं । ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी । अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सरकार ने रात जारी की 'तबादला सूची'
बदल डाली सीएमओ की लगभग पूरी टीम

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने प्रशासनिक सुधार और शासन में नई ऊर्जा फूंकने के उद्देश्य से एक बड़ी तबादला सूची जारी की है। इस सूची की सबसे बड़ी खासियत मुख्यमंत्री कार्यालय में किया गया 'क्लीन स्वीप' है। एसीएस अखिल अरोड़ा को छोड़कर मुख्यमंत्री की पुरानी टीम के लगभग सभी प्रमुख चेहरों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। अब सीएमओ में नई और युवा टीम की एंट्री हुई है, जिसमें जितेंद्र सोनी और रिया डाबी जैसे चर्चित नाम शामिल हैं।

सीएमओ में बड़ा बदलाव: 'अकेले' रह गए अखिल अरोड़ा !

मुख्यमंत्री कार्यालय में हुए इस बदलाव ने सबको चौंका दिया है। अब तक सीएम की कोर टीम का हिस्सा रहे कई कद्दावर अधिकारियों को जिलों या अन्य विभागों में भेज दिया गया है। शासन सचिवालय में चर्चा है कि मुख्यमंत्री अब अपनी एक ऐसी टीम चाहते हैं जो उनके 'विजन 2027' और 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को जमीन पर उतार सके। केवल अखिल अरोड़ा को बरकरार रखना यह दर्शाता है कि वित्त और महत्वपूर्ण रणनीतिक मामलों में सरकार अभी भी उनके अनुभव पर भरोसा कर रही है।

कौन हैं मुख्यमंत्री की 'नई टीम' के सिपहसालार?

भजनलाल शर्मा की नई टीम में अनुभव और युवा जोश का संतुलन बनाने की कोशिश की गई है:

जितेंद्र सोनी (सचिव): अपनी नवाचार शैली और जिलों में शानदार काम के लिए पहचाने जाने वाले जितेंद्र सोनी जयपुर कलक्टर के महत्वपूर्ण पद से हटकर अब मुख्यमंत्री के सचिव की भूमिका में होंगे।

मुकुल शर्मा (विशिष्ट सचिव): मुकुल शर्मा को विशिष्ट सचिव के तौर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रिया डाबी (ओएसडी) : चर्चित आईएएस अधिकारी रिया डाबी अब सीएमओ में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी के रूप में तैनात की गई हैं। उनके साथ रजत यादव और अक्षत कुमार सिंह को भी ओएसडी बनाया गया है। संयुक्त सचिव: उत्सव कौशल और अमिता शर्मा को मुख्यमंत्री का संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है।

जिला कलेक्टरों की भी बदली 'किस्मत'

सिर्फ सीएमओ ही नहीं, बल्कि राजस्थान के कई महत्वपूर्ण जिलों के कलेक्टर भी बदल दिए गए हैं। 65 अधिकारियों की इस बड़ी सूची में कई जिलों की कमान नए हाथों में सौंपी गई है। सरकार का उद्देश्य जिलों में जनसुनवाई को प्रभावी बनाना और सरकारी योजनाओं की अंतिम छोर तक पहुँच सुनिश्चित करना है।

आधी रात को तबादलों का 'सस्पेंस'

राजस्थान में तबादला सूचियों का देर रात आना कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस सूची ने जिस तरह से सीएमओ के पूरे ढांचे को बदल दिया है, उसने प्रशासनिक गलियारों में 'सस्पेंस' पैदा कर दिया है। चर्चा है कि पिछले कुछ समय से फीडबैक मिल रहा था कि सीएमओ की कार्यप्रणाली में बदलाव की जरूरत है, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने यह कड़ा कदम उठाया।

'मिशन मोड' में भजनलाल सरकार

तबादलों की यह एक्सप्रेस रफ्तार बताती है कि मुख्यमंत्री अब 'मिशन मोड' में काम करना चाहते हैं। नई टीम के पास अब सबसे बड़ी चुनौती मुख्यमंत्री की जन-कल्याणकारी घोषणाओं को समय सीमा में पूरा करने की होगी।

अमित शाह की 'नक्सली' वाली टिप्पणी पर
आदिवासी सांसद को नक्सलवादी कहना जुल्म : राजकुमार रोत

बांसवाड़ा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में नियम 193 के तहत वामपंथी उग्रवाद पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने जब सांसद राजकुमार रोत का नाम लेकर उन्हें कांग्रेस की 'वोट बैंक राजनीति' का हिस्सा बताया, तो उसके जवाब में रोत ने बेहद तीखा सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया है। भारत आदिवासी पार्टी के सांसद ने सीधे तौर पर गृह मंत्री को निशाने पर लेते हुए #अमित_शाह_माफी_मांगे कैंपेन की शुरुआत कर दी है।

राजकुमार रोत ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अमित शाह के आरोपों का जवाब देते हुए लिखा:

अगर नक्सलवाद के नाम पर बेकसूर लोगों को मारने पर एक आदिवासी सांसद आवाज उठाता है और उसे भरे सदन में नक्सलवादी कहा जाए, तो सोचिए देश के आम आदिवासियों पर क्या जुल्म होता होगा? यह एक व्यक्ति का नहीं, पूरे आदिवासी समुदाय के सम्मान का प्रश्न है।

'संविधान और 'बड़ी पंचायत' पर सवाल'

सांसद रोत ने संसद को 'देश की सबसे बड़ी पंचायत' बताते हुए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान का हवाला दिया। उन्होंने सवाल किया कि क्या संसद में अपने समाज की बात रखना गुनाह है?

ॅउन्होंने केंद्र सरकार पर आदिवासियों की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतंत्र में इस तरह की टिप्पणियां संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ हैं।

अमित शाह का वो बयान जिसने सुलगाई आग

सोमवार को सदन में अमित शाह ने वामपंथी उग्रवाद पर चर्चा के दौरान राजकुमार रोत की ओर इशारा करते हुए कहा था कि राजकुमार रोत जैसे युवा सांसद भी वोट के लालच में कांग्रेस की उस पुरानी 'विकास विरोधी थ्योरी' का समर्थन कर रहे हैं, जिसने 60 सालों तक आदिवासियों को अंधेरे में रखा। शाह ने दावा किया था कि आदिवासियों का असली विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 वर्षों के कार्यकाल में ही संभव हुआ है।

राजस्थान की 'भील प्रदेश' और 'वागड़' राजनीति पर असर

राजकुमार रोत की नाराजगी राजस्थान के आगामी राजनीतिक समीकरणों को बदल सकती है।

आदिवासी एकजुटता: रोत के इस स्टैंड के बाद डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और उदयपुर के आदिवासी बहुल इलाकों में भारी रोष देखा जा रहा है।

बीएपी का बढ़ता ग्राफ: भारत आदिवासी पार्टी इस मुद्दे को भुनाकर खुद को आदिवासियों की एकमात्र रक्षक पार्टी के रूप में पेश कर रही है, जिससे भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए आदिवासी वोट बैंक को साधना चुनौतीपूर्ण होगा।

स्कूल हादसों पर हाईकोर्ट सख्त
सरकार ने बनाईं मॉनिटरिंग कमेटियां

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में स्कूल हादसे से जुड़े मामलों में आज उच्च न्यायालय में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई, जिसमें राज्य सरकार ने कोर्ट के समक्ष अपने कदमों की जानकारी प्रस्तुत की। राष्ट्रीय बाल आयोग के अधिवक्ता एडवोकेट वागीश कुमार सिंह ने बताया कि सरकार ने राज्यभर के सरकारी स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कार्यों की निगरानी के लिए स्टेट और डिस्ट्रिक्ट स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियों का गठन किया है।

स्टेट लेवल कमेटी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्कूलों में होने वाले रिपेयर, रेनोवेशन और रीकंस्ट्रक्शन कार्य वास्तविक रूप से लागू हों और वे उच्च न्यायालय, भारत सरकार तथा राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की गाइडलाइंस के अनुरूप हों। इस कमेटी के चेयरमैन अतिरिक्त मुख्य सचिव (शिक्षा विभाग) को बनाया गया है। इसके अलावा फाइनेंस सेक्रेटरी, समग्र शिक्षा अभियान के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और सुपरिटेंडेंट इंजीनियर को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

कमेटी में केवल सरकारी अधिकारी ही नहीं, बल्कि स्वतंत्र विशेषज्ञों को भी स्थान दिया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में अनुभव रखने वाले विशेषज्ञ, जैसे एमएनआईटी जयपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख, यूनिसेफ के प्रतिनिधि और राजस्थान लीगल सर्विस अथॉरिटी के सदस्य सचिव को भी इसमें शामिल किया गया है। साथ ही कुछ एनजीओ प्रतिनिधियों को भी सदस्य बनाया गया है। इस प्रकार स्टेट लेवल पर कुल 10 सदस्यों की कमेटी गठित की गई है।

वहीं, डिस्ट्रिक्ट लेवल कमेटी की अध्यक्षता जिला कलेक्टर करेंगे। इसमें पीडब्ल्यूडी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी और समग्र शिक्षा अभियान से जुड़े अधिकारी सदस्य होंगे। इन कमेटियों का कार्यकाल पांच वर्षों के लिए निर्धारित किया गया है।

इनका मुख्य कार्य आगामी पांच वर्षों में स्कूलों में होने वाले सभी निर्माण और मरम्मत कार्यों की निगरानी करना और यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों और गाइडलाइंस के अनुरूप हों।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने सभी अधिवक्ताओं से अपने सुझाव प्रस्तुत करने को कहा है। फिलहाल कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया है और अगली सुनवाई की तारीख 11 मई तय की गई है। संभावना है कि अगली सुनवाई में इंफ्रास्ट्रक्चर के अलावा अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा होगी।

समरावता कांड से चर्चा में आई आईएएस सौम्या झा अब दौसा की नई कलक्टर
पति अक्षय गोदारा को करौली की कमान

दौसा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 65 आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए है। आईएएस अधिकारी सौम्या झा की एक बार फिर बतौर कलक्टर फील्ड में वापसी हुई है। साल 2017 बैच की तेजतर्रार अधिकारी टोंक में समरावता कांड और थप्पड़ कांड के बाद कानून-व्यवस्था को लेकर सुर्खियों में आई थी।

सौम्या झा को अब दौसा का नया कलक्टर बनाया गया है। डॉ. सौम्या झा इससे पहले चिकित्सा विभाग में निदेशक पद पर कार्यरत थीं और प्रशासनिक अनुभव के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र की भी गहरी समझ रखती हैं। वहीं, उनके पति आईएएस अक्षय गोदारा को करौली का नया जिला कलक्टर नियुक्त किया गया है।

सौम्या झा बनी दौसा की नई कलक्टर

डॉ. सौम्या झा को दौसा का नया जिला कलक्टर बनाया गया है। दौसा जिले में वर्तमान कलक्टर देवेंद्र कुमार को नागौर जिले का कलक्टर बनाया गया है। इससे पहले सौम्या झा चिकित्सा विभाग में निदेशक पद पर कार्यरत थी। दौसा में सौम्या झा की नियुक्ति से प्रशासनिक कार्यों में नई गति आने की उम्मीद है।

कौन है आईएएस सौम्या झा?

मूल रूप से मध्यप्रदेश की रहने डॉ. सौम्या झा साल 2017 में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 58वीं रैंक हासिल कर आईएएस बनी थी। शुरुआत में उन्हें हिमाचल प्रदेश कैडर मिला था, लेकिन आईएएस अक्षय गोदारा से शादी के बाद सौम्या झा ने अपना कैडर राजस्थान करवा लिया था। वे पहले टोंक जिले की कलेक्टर रह चुकी हैं, जहां उनके कार्यकाल को प्रभावी माना गया था। उनके कार्यकाल के दौरान समरावता कांड और थप्पड़ कांड हुआ था, जिसने प्रदेश की राजनीति में भूचाल ला दिया था।

ऐसे में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर सौम्या झा चर्चाओं में आई थी। कैडर परिवर्तन के बाद सौम्या ने राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद जयपुर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में सेवाएं दी। इसके अलावा गिर्वा और उदयपुर में एसडीएम के रूप में भी सेवाएं दी। साथ ही मुख्य कार्यकारी अधिकारी-सह-एडीपीसी, ईजीएस और पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माडा), टोंक के पद पर भी रही।

अक्षय गोदारा को करौली की कमान

राजस्थान सरकार ने अक्षय गोदारा को करौली का नया जिला कलक्टर नियुक्त किया है। वहीं, करौली कलक्टर रहे नीलाभ सक्सेना को जयपुर में आयुक्त उद्योग वाणिज्य एवं कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के साथ-साथ आयुक्त, नियोजन एवं प्रवासी भारतीय निवेश संवर्धन ब्यूरो की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले अक्षय गोदारा बूंदी में जिला कलक्टर के पद पर कार्यरत थे।

कौन है आईएएस अक्षय गोदारा?

अक्षय गोदारा पाली जलिे के भाखरीवाला गांव के रहने वाले हैं। वे पहले ही प्रयास में यूपीएससी में 603वीं रैंक हासिल कर आईपीएस बने। इसके बाद दूसरे प्रयास में 2017 में 40वीं रैंक लाकर आईएएस बने और उन्हें राजस्थान कैडर मिला। अक्षय गोदारा ने भरतपुर में असस्टिेंट कलक्टर के रूप में प्रशासनकि सेवा की शुरुआत की। फिर 2019 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में सहायक सचवि रहे। इसके बाद अजमेर, मावली और झाड़ोल में एसडीएम रहे। वे अजमेर वकिास प्राधिकरण के आयुक्त भी रहे। इसके बाद कलक्टर के रूप में पहली पोस्टिंग बूंदी में मिली थी। अब उन्हें करौली जिले की कमान सौंपी गई है।

सीकर में अजीबोगरीब चोरी
महिला बनकर मंदिर पहुंचा चोर
सुबह उठते ही हुआ गिरफ्तार

सीकर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सीकर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित रामलीला मैदान के काल भैरव मंदिर से चांदी के छत्र चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि आरोपी युवक चोरी करने के लिए पड़ोस में रहने वाली महिला की नाइट ड्रेस पहनकर मंदिर पहुंचा था।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर लौटकर आराम से सो गया। लेकिन सुबह जब वह जागा तो सामने पुलिस खड़ी मिली और उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में गोविंद चतेरा ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

फुटेज में एक युवक लोहे की सरिया लेकर आता दिखाई देता है। वह पहले मंदिर के बाहर बैठकर बीड़ी पीता है, इसके बाद गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसता है और चोरी कर फरार हो जाता है। थानाधिकारी सुनील कुमार जांगिड़ के अनुसार, पुलिस ने करीब 30 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान की। आरोपी की पहचान राजकुमार उर्फ राजू के रूप में हुई, जो रायजी का कुआं इलाके में किराए के मकान में रहता था।

मदन राठौड़ ने अशोक गहलोत को दी संन्यास की सलाह, बोले- युवा पीढ़ी को मौका दें

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गई हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि गहलोत को अब 'इंतजार शास्त्र' की जगह 'संतोष शास्त्र' को अपने जीवन में उतारना चाहिए। राठौड़ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गहलोत का राजनीतिक अध्याय समाप्त हो चुका है और अब युवा पीढ़ी के लिए रास्ता खाली करना ही उनके लिए उचित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि लंबे इंतजार में इंसान खुद को खो देता है, इसलिए अब वानप्रस्थ और संन्यास का समय आ गया है।

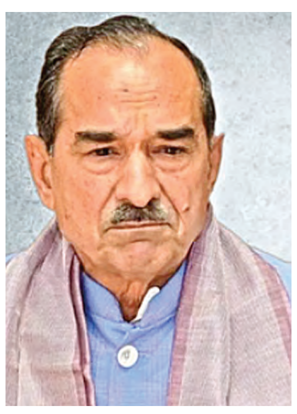

मदन राठौड़ ने गहलोत के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी लगातार कमजोर होती गई। जिन राज्यों की ज़िम्मेदारी उन्हें सौंपी गई, वहाँ पार्टी की हालत और बिगड़ी। उनका बार-बार दिल्ली दरबार लगाना इस बात की गवाही देता है कि कांग्रेस में फैसले ज़मीनी स्तर पर नहीं, बल्कि हाईकमान की मर्जी से होते हैं। कांग्रेस पर वंशवाद का तीखा आरोप लगाते हुए राठौड़ ने कहा कि नेहरू-गांधी परिवार के इर्द-गिर्द सत्ता का घूमना लोकतांत्रिक सोच के विपरीत है। इससे प्रतिभाशाली और योग्य नेताओं का राजनीतिक विकास अवरुद्ध होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा काबिलियत और जनसेवा को ही नेतृत्व की कसौटी मानती है।

महिला सशक्तिकरण पर बात करते हुए राठौड़ ने दावा किया कि भाजपा के पास अनुभवी और सक्षम महिला नेताओं की पूरी टीम तैयार है। उन्होंने गहलोत को चुनौती दी कि यदि वे सच में महिला नेतृत्व के हिमायती हैं, तो अपने परिवार से किसी महिला को आगे लाएं। गोविंद सिंह डोटासरा पर भी परिवारवाद के आरोप लगाते हुए राठौड़ ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया और कहा कि 'एक देश, एक कानून' महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए अनिवार्य है। साथ ही उन्होंने बताया कि भाजपा 6 अप्रैल को अपना स्थापना दिवस बूथ से मंडल स्तर तक धूमधाम से मनाएगी।

औद्योगिक क्षेत्र में भड़की आग धू-धू कर जली फैक्टरियां

बालोतरा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के बालोतरा के औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार की रात जब पूरा शहर गहरी नींद में था, तभी तड़के करीब पौने चार बजे अचानक एक भयावह आग लग गई। चतुर्थ चरण स्थित गिरिजा कपड़ा उद्योग से उठी आग की लपटें पलक झपकते ही इतनी विकराल हो गईं कि पास में बनी दूसरी इकाई रोहित प्रोसेस भी उसकी चपेट में आ गई। देखते ही देखते दोनों फैक्ट्रियां धू-धू कर जलने लगीं। घटना के वक्त पूरे औद्योगिक क्षेत्र में सन्नाटा पसरा हुआ था। लेकिन आसमान छूती लपटों और काले धुएं के उठते बादलों ने कुछ ही पलों में हर तरफ भगदड़ की स्थिति पैदा कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक प्रोसेसिंग के लिए रखा गया कपड़ा और खुले में सुखाने के लिए बिछाया गया भारी मात्रा में वस्त्र पूरी तरह जलकर राख हो गया। इस हादसे में दोनों इकाइयों को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

आग ने जब विकराल रूप लिया, उस वक्त चल रही तेज़ हवा ने हालात को और बिगाड़ दिया। गिरिजा कपड़ा उद्योग से उड़ती चिंगारियां हवा के साथ सामने स्थित रोहित प्रोसेस के खुले सुखाने वाले क्षेत्र तक जा पहुंचीं और वहां भी आग भड़क उठी। कुछ ही मिनटों के भीतर दोनों फैक्ट्रियां आग की लपटों की गिरफ्त में आ गईं।

आग की सूचना मिलते ही नगर परिषद, सीईटीपी और एचआरआरएल रिफाइनरी की दमकल गाड़ियां तेज़ी से घटनास्थल पर जा पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना घंटों तक पानी की धार चलाकर आग को काबू में करने की कोशिश की। अंदर मौजूद ज्वलनशील सामग्री और आग की भीषण तीव्रता के चलते यह काम बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। आखिरकार सुबह करीब सात बजे दमकल दल ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

सूचना मिलते ही बालोतरा के सीआई हिंगलाजदान अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर नुकसान का प्रारंभिक आकलन शुरू कर दिया। राहत की बात यह रही कि इस पूरे हादसे में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली।

शॉर्ट सर्किट की आशंका, जांच जारी

आग भड़कने की वजह को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को इस हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पूरे मामले की बारीकी से जांच की जाएगी, ताकि आग की असली वजह सामने आ सके और आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

देर रात दो पक्ष भिड़े, धारदार हथियारों से हमला
दो की हालत नाजुक, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

अजमेर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर राजस्थान के अजमेर शहर के दरगाह थाना क्षेत्र में देर रात एक ऐसी घटना घटी, जिसने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया। आपसी विवाद सुलझाने के लिए बुलाई गई बैठक देखते ही देखते खूनी टकराव में तब्दील हो गई। रिश्तेदार एक पुराने मामले को लेकर दोनों पक्षों का विवाद सुलझाने के लिए बैठे थे, लेकिन तनाव इस कदर बढ़ा कि बातचीत की जगह हथियारों ने ले ली।

धारदार हथियारों से हुए इस हमले में दोनों पक्षों का एक-एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, बातचीत के दौरान अचानक कहासुनी इतनी बढ़ गई कि दोनों तरफ के लोग एक-दूसरे पर टूट पड़े। पलभर में शांत बैठक हिंसा का मैदान बन गई। हमला इतना अचानक हुआ कि आसपास खड़े लोगों को कुछ समझ आने से पहले ही दोनों युवक लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े।

घटनास्थल पर भगदड़ मच गई और लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। सूचना मिलते ही दरगाह थाना पुलिस तुरंत हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर हालात पर काबू पाया। घायल युवकों को फौरन जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

चिकित्सकों के अनुसार, दोनों की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है और उन्हें कड़ी निगरानी में रखा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच अपने हाथों में ले ली है। शुरुआती पड़ताल में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच काफी समय से रंजिश चली आ रही थी। विडंबना यह रही कि उसी रंजिश को खत्म करने की कोशिश में यह खूनी वारदात हो गई।

पाकिस्तान से उड़कर आया गुब्बारा खेत में गिरा, श्रीगंगानगर में अलर्ट हुई सुरक्षा एजेंसियां

बीकानेर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास स्थित गांव 51 एलएनपी की रोही में एक खेत के पास बबूल के पेड़ में अटका एक गुलाबी और सफेद रंग का गुब्बारा मिला है। इस गुब्बारे पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस यानी पीआईए का चिन्ह, चांद-सितारे का निशान और उर्दू में कुछ लिखा हुआ है। इस खोज के बाद से सुरक्षा एजेंसियों में हलचल मच गई है। यह गुब्बारा किसान धनराज मांझू के खेत के पास बबूल के पेड़ में फंसा हुआ मिला। जैसे ही स्थानीय ग्रामीणों की नजर इस पर पड़ी, उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने गुब्बारे को अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित कर लिया। एएसआई श्योपत राम और राजेश कुमार आसपास के लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक गुब्बारे पर अंग्रेजी में पीआईए और उर्दू में कुछ लिखा हुआ है। प्रथम दृष्टया इसे पाकिस्तानी मूल का माना जा रहा है।

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई 10 इन्फ्लुएंसर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में गैस, पेट्रोल और डीजल की किल्लत की अफवाह फैलाने पर 10 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पर कार्रवाई हुई है। पुलिस ने पैनिक फैलाने का प्रयास करने के मामले में मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार किया। यही नहीं, उनसे माफी मंगवा कर इसका वीडियो भी जारी किया है। इसमें आरोपियों ने कहा- हमने लोगों के वीडियो देख ऐसी रील बना दी। हमारे देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं है। हम माफी मांगते हैं। आपसे भी निवेदन है कि ऐसे वीडियो न बनाएं। एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया- ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच हो रहे युद्ध को लेकर गैस और पेट्रोलियम की किल्लत की अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस कड़ी नजर रख रही थी। इसी दौरान ऐसे 10 अकाउंट मार्क किए गए जो अफवाह फैला रहे थे। ये लोग फॉलोअर्स-व्यूअर्स बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट डालकर आमजन में डर और भ्रम का माहौल बना रहे थे। इसके बाद इन पर कार्रवाई की गई। आरोपियों ने कॉमेडी वीडियो बनाए थे। थाना बनेड़ा में 4, थाना बड़लियास और मंगरोप में 2-2 और थाना सुभाषनगर व गांधीनगर में 1-1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

रणथंभौर में गणेश मंदिर के पास फिर आया बाघ

सवाई माधोपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के रणथम्भौर में टाइग्रेस सुल्ताना का बेटा मलंग फिर से श्रद्धालुओं के सामने आ गया। झाड़ियों में बैठा मलंग 20 मिनट तक श्रद्धालुओं के सामने बैठा रहा। अचानक झाड़ियों में दिखे बाघ को देख श्रद्धालु सहम गए। एकटक बाघ को देखते रहे और डिजिटल कैमरे में उसका वीडियो बनाते रहे। दरअसल, बुधवार सुबह त्रिनेत्र गणेश मंदिर के रास्ते पर अटल सागर के पास झाड़ियों में बाघ बैठा नजर आया।

पुलिस कमिश्नर ने ट्रांसजेंडर समुदाय के मुद्दों के समाधान पर जोर दिया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने कहा कि तेलंगाना पुलिस ट्रांसजेंडर समुदाय के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान दे रही है। अंतरराष्ट्रीय ट्रांसजेंडर विजिबिलिटी डे—2026 के अवसर पर, कमिश्नर ने अबिड् स्थित एक हाई स्कूल में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम क्वीर बंधु पेरेंट्स एसोसिएशन, मोंटफोर्ट सोशल इंस्टीट्यूट, वासावी किन्नर वेलफेयर सोसाइटी और प्रज्वला के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कमिश्नर सज्जनार ने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय समाज का एक सक्रिय हिस्सा है, जो अपने आत्म-सम्मान के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने उन सभी लोगों को बधाई दी, जो इस समुदाय के समर्थन में खड़े हैं और विशेष रूप से उनके प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को एक साझा मंच पर एकजुट करने का काम किया। सज्जनार ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन, जो ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करते हैं, सराहनीय पहल हैं। उन्होंने दोहराया कि तेलंगाना सरकार और हैदराबाद पुलिस दोनों ही ट्रांसजेंडर समुदाय की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय में अपार प्रतिभा और कलात्मक कौशल है और माता-पिता को अपने ट्रांसजेंडर बच्चों को पहले स्वीकार करना चाहिए और उनका समर्थन करना चाहिए। उन्होंने क्वीर बंधु पेरेंट्स एसोसिएशन के समाज में ट्रांसजेंडर के खिलाफ भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष की सराहना की। सज्जनार ने आश्वासन दिया कि पुलिस तब तक सहयोग करती रहेगी जब तक ट्रांसजेंडर समुदाय को समाज में समान सम्मान नहीं मिल जाता। इस अवसर पर ट्रांसजेंडर समुदाय द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

केरल चुनाव: मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का एलडीएफ पर हमला

तिरुवनंतपुरम/ हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केरल में एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) को वोट देने को भाजपा को वोट देने के समान बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बीच विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन एलडीएफ और भाजपा के बीच गुप्त समझौते हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि केवल एलडीएफ को हराकर ही केरल में अच्छे दिन आ सकते हैं। उन्होंने यूडीएफ को लक्ष्मण रेखा खींचने वाला बताया और राज्य में भाजपा और आरएसएस को प्रवेश से रोकने का काम यूडीएफ ही कर सकता है। रेवंत रेड्डी ने केरल में विकास कार्यों में पिनराई विजयन की विफलताओं की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि केरल की जनता एलडीएफ और भाजपा दोनों को सबक सिखाए। उन्होंने केरल के युवाओं के लिए रोजगार सृजन और समग्र विकास को यूडीएफ की प्राथमिकता बताया। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के पिछले कार्यकालों में शिक्षा, सामाजिक प्रगति और प्रशासनिक स्थिरता में योगदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के तहत केरल को 'गॉड्स ओन कंट्री' का दर्जा मिला और राज्य देश और दुनिया में एक ब्रांड बन गया। रेवंत रेड्डी ने पिनराई विजयन को चेतावनी दी और कहा कि 'तुम्हारा समय खत्म हो गया है, अब यूडीएफ को मौका देना होगा।' इस टिप्पणी को युवाओं और कार्यकर्ताओं ने भारी उत्साह के साथ सराहा।

पीएम ने सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी मीटिंग की अध्यक्षता की

पश्चिम एशिया में हालात की समीक्षा, एलपीजी और पेट्रोल-डीजल सहित जरूरी सामानों पर चर्चा की

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार शाम 7 बजे कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक हुई। इसमें पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारत में मौजूदा हालात की समीक्षा की गई।

मीटिंग में अमित शाह, एस जयशंकर, निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, शिवराज सिंह चौहान, जेपी नड्डा, अश्विनी वैष्णव, मनोहर लाल खट्टर, प्रल्हाद जोशी, किंजरापु राममोहन नायडू और हरदीप सिंह पुरी समेत कई केंद्रीय मंत्री शामिल रहे।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, पीएम के प्रमुख सचिव पी.के. मिश्रा और शक्तिकांत दास और कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन भी मीटिंग में शामिल हुए। इस दौरान आम लोगों की जरूरी जरूरतों जैसे खाद्य,

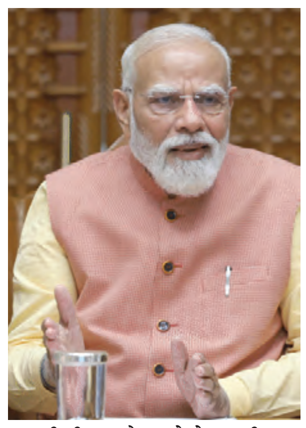

एलपीजी और पेट्रोल-डीजल उपलब्धता पर चर्चा की गई।

पिछले 10 दिनों के भीतर सीसीएस की यह दूसरी मीटिंग है। इससे पहले 23 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीसीएस मीटिंग की अध्यक्षता की थी। इसमें भारत पर पश्चिम एशिया में संघर्ष के प्रभाव को कम करने के उपायों का आकलन किया गया था।

पीएम ने कहा था कि यह समस्या लगातार बढ़ रही है और पूरी दुनिया इससे प्रभावित हो रही है। उन्होंने निर्देश दिया था कि सरकार के सभी विभाग मिलकर काम करें ताकि आम लोगों को कम से कम परेशानी हो।

मीटिंग में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और अन्य अधिकारी मौजूद थे। कैबिनेट सचिव ने अब तक उठाए गए और प्रस्तावित कदमों की जानकारी दी थी।

इसके अलावा कृषि, उर्वरक, खाद्य सुरक्षा, पेट्रोलियम, बिजली, एमएसएमईएस, निर्यात, शिपिंग, व्यापार, वित्त और सप्लाई चेन जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर संभावित प्रभाव और उससे निपटने के उपायों पर चर्चा हुई।

एलपीजी की कमी से ऑटो चालकों का प्रदर्शन, सागर हाईवे पर जाम

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एलपीजी ईंधन की कमी को लेकर ऑटो-रिक्शा चालकों ने बुधवार को एलबी नगर के पास सागर हाईवे पर प्रदर्शन किया। चालकों ने अपने ऑटो सड़क पर खड़े कर दिए, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। बताया जा रहा है कि पेट्रोल पंपों पर लंबी लाइन में लगने के बाद भी चालकों को ईंधन नहीं मिल रहा था। इससे नाराज होकर उन्होंने विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान सड़क पर लंबा जाम लग गया और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे चालकों का कहना है कि ईंधन की कमी से उनकी रोज की कमाई पर असर पड़ रहा है। साथ ही किराया बढ़ने से आम लोगों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। चालकों ने सरकार से जल्द से जल्द एलपीजी की व्यवस्था ठीक करने की मांग की है। उधर, मलकाजगिरि पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने और ट्रैफिक सामान्य करने की कोशिश कर रही है।

स्वास्थ्य मंत्री ने एचपीवी वैक्सीन पर जागरूकता पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिंह ने बुधवार को अपने निवास स्थान पर एचपीवी वैक्सीन पर एक दीवार पोस्टर का अनावरण किया। यह पोस्टर (एएएफए) की देखरेख में तैयार किया गया है और इसका उद्देश्य सोशल मीडिया और अन्य प्रचार माध्यमों के माध्यम से एचपीए वैक्सीन के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस अवसर पर मंत्री ने फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन के फैंस एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिस्टिक कैंसर उत्पन्न करने वाले ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) के विभिन्न प्रकारों से सुरक्षित, प्रभावी और लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करने के लिए एचपीए वैक्सीन निशुल्क उपलब्ध करा रही है।

राजा नरसिंह ने बच्चों और किशोरों से अपील की कि वे इस वैक्सीन को अवश्य लगवाएँ। उन्होंने बताया कि एचपीएवैक्सीन तेलंगाना राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध है। मंत्री ने उम्मीद जताई कि माता-पिता 9 से 14 वर्ष की आयु के अपने बच्चों को इस वैक्सीन लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

टीजीसीएसबी की बड़ी कार्रवाई, कंबोडिया साइबर गिरोह का भंडाफोड़

विदेश में बैठे मास्टरमाइंड की तलाश जारी

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने कंबोडिया आधारित अंतरराष्ट्रीय साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ब्यूरो की निदेशक शिखा गोयल ने बताया कि ये आरोपी भारतीय नागरिकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले नेटवर्क को अवैध सिम कार्ड उपलब्ध करा रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में उत्तर प्रदेश का रिजवान (29), हैदराबाद के सैयद अशरफ अली (30), सैयद सोहैल, अतीक अहमद और हनमकोंडा का एयरटेल डिस्ट्रीब्यूशन प्वाइंट टीम लीडर नूने अशोक शामिल हैं। मामला तब सामने आया जब 31 मार्च को शमशाबाद एयरपोर्ट पर

अशरफ अली को 198 भारतीय सिम कार्ड के साथ कंबोडिया जाते समय इमिग्रेशन अधिकारियों ने रोक लिया। जांच में पता चला कि 2023 से अब तक करीब 600 से अधिक सिम कार्ड अवैध रूप से विदेश भेजे गए थे। आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए सिम कार्ड एक्टिवेट कर कंबोडिया भेजे, जहां इनका इस्तेमाल फिशिंग, पहचान की चोरी और धमकी जैसे साइबर अपराधों में किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, इस गिरोह का एक अन्य सदस्य अरविंद कुमार उर्फ शाहिद फरार है, जबकि विदेश में बैठे मास्टरमाइंड की तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट, भारतीय न्याय संहिता और टेलीकम्युनिकेशन कानून के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोयल ने लोगों से अपील की है कि वे अपने दस्तावेज सुरक्षित रखें और 'संचार साथी' पोर्टल के माध्यम से अपने नाम पर जारी सिम कार्ड की जांच करते रहें।

एच2एच बिजनेस मीट संपन्न

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग (एच2एच) की पांचवीं परंपरा (तरबका चैप्टर) ने भाग्यनगर के हिंदू व्यापारियों की सहायता और प्रोत्साहन के लिए एक व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन किया।

यह सम्मेलन नागोल मेट्रो स्टेशन स्थित होटल एसवीएम ग्रैंड में आयोजित किया गया था। सम्मेलन के मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा थे। अध्यक्ष गोपीचंद और संगीता गणेश, शिवप्रसाद और मुरली मोहन जैसे अन्य सदस्यों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। सम्मेलन का नेतृत्व अध्यक्ष गोपीचंद जेवी ने किया। एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे और केंद्रीय समिति के सदस्य किरण वेमुला भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सीरवी करियर काउंसलिंग 5 अप्रैल को

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुटा स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) में सीरवी फ्रेंड्स क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में 5 अप्रैल को करियर काउंसलिंग सेशन का आयोजन किया गया है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी विशेषज्ञ, अधिकारी एवं प्रोफेशनल्स विद्यार्थियों और युवाओं को उनके करियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्विसेज , चार्टर्ड अकाउंटेंसी वकालत, मेडिकल एवं आयुर्वेद, आर्किटेक्चर, इंटीरियर डिजाइनिंग, पायलट, इंडियन आर्मी (कैप्टन, मेजर), इंजीनियरिंग (डीआरडीओ) तथा खेलकूद जैसे अनेक क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे। इस सेशन का उद्देश्य युवाओं को सही करियर विकल्प चुनने में सहायता करना, उनके मन में उत्पन्न शंकाओं का समाधान करना तथा उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति प्रेरित करना है।

प्रशांत रेड्डी का आरोप- सड़कों और पुलों के रखरखाव में लापरवाही

8 हजार करोड़ के घोटाले की आशंका

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में पूर्व मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर सड़कों और पुलों के रखरखाव में लापरवाही बरतने और हाइब्रिड एन्युटी मॉडल परियोजनाओं में बड़े घोटाले का आरोप लगाया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि 6,000 किलोमीटर सड़कों के लिए 13,000 करोड़ रुपये के टेंडर निकाले गए हैं, जिसमें सरकार लगभग 1,300 करोड़ रुपये अग्रिम देने की तैयारी में है। उनका आरोप है कि कुल मिलाकर 8,000 करोड़ रुपये के दुरुपयोग की आशंका है। प्रशांत रेड्डी ने कहा कि कई ऐसी कंपनियां भी टेंडर में शामिल हैं, जिनका सड़क निर्माण में कोई अनुभव नहीं है। उन्होंने इन मामलों की सतर्कता जांच कराने की मांग की।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत राज और सड़क विभाग की सड़कों की हालत खराब है और जगह-जगह गड्ढों के कारण लोग परेशान हो रहे हैं। आर्मूर-बांसवाड़ा पुल का जिक्र करते हुए उन्होंने सरकार पर मरम्मत में लापरवाही का आरोप लगाया। पूर्व मंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में ठेकेदारों को केवल 25 प्रतिशत बजट ही जारी किया गया। विधानसभा के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2023 से अब तक 524 परियोजनाओं में से केवल 49 ही पूरी हो सकी हैं। उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार का हवाला देते हुए कहा कि उस दौरान बेहतर सड़क निर्माण कार्य हुए थे, जबकि वर्तमान सरकार जरूरी बजट जारी करने में पीछे है और कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं अब भी अधूरी हैं।

प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन में साइबरबाद नगर निगम सबसे आगे

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में नगर निगमों के हालिया विभाजन के बाद साइबरबाद नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन में बाजी मार ली है। 31 मार्च तक के आंकड़ों के अनुसार, तीनों नगर निकायों ने मिलकर कुल 2,501.25 करोड़ रुपये का टैक्स जमा किया। इसमें साइबरबाद नगर निगम को 986.03 करोड़ रुपये मिले, जबकि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम को 962.82 करोड़ और मलकाजगिरि नगर निगम को 552.4 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। अधिकारियों के अनुसार, साइबरबाद क्षेत्र में बड़ी कंपनियां और कई हाउसिंग प्रोजेक्ट होने के कारण इस बार सबसे ज्यादा टैक्स कलेक्शन हुआ है।

नगर निगम के पुनर्गठन के दौरान सेरिलिंगमपल्ली और कुकटपल्ली जैसे प्रमुख इलाके साइबरबाद में शामिल किए गए, जिससे इसकी आय में बड़ा इजाफा हुआ। पहले ये इलाके जीएचएमसी के तहत आते थे और टैक्स कलेक्शन में अहम भूमिका निभाते थे। वहीं, वन टाइम सेटलमेंट योजना के तहत टैक्स वसूली में जीएचएमसी सबसे आगे रहा। इस योजना के तहत कुल 548 करोड़ रुपये जमा हुए, जिसमें जीएचएमसी ने 233 करोड़ रुपये जुटाए। साइबरबाद नगर निगम ने 189 करोड़ और मलकाजगिरि नगर निगम ने 126 करोड़ रुपये एकत्र किए।

एनएमडीसी ने 53 एमटी टन उत्पादन के साथ रचा इतिहास

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक तथा जिम्मेवार खनिक एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2026 में 53 एमटी लौह अयस्क के उत्पादन के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जो भारत के खनन इतिहास में 50 एमटी वार्षिक उत्पादन के लक्ष्य को पार करने वाली प्रथम कंपनी बन गई है।

कंपनी ने पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में क्रमशः 51 प्रतिशत और 40 प्रतिशत की असाधारण वृद्धि के साथ मार्च 2026 माह में 5.35 एमटी लौह अयस्क का उत्पादन किया तथा 5.90 एमटी लौह अयस्क की बिक्री की। कुल उत्पादन परिणाम 21 प्रतिशत की अद्भुत वृद्धि के साथ 53.15 एम टी तक पहुंच गया तथा बिक्री 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 50.23 एमटी तक पहुंच गई, जो स्थापना के बाद से इसका अब तक का सर्वोत्तम

मात्रा है। एनएमडीसी की प्रमुख लौह अयस्क खदानों - छत्तीसगढ़ में किरंदुल तथा बचेली एवं कर्नाटक में दोणिमलै के मजबूत प्रदर्शन से रिकॉर्ड उत्पादन हुआ।

दुबई में अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय के उद्घाटन, झारखंड में प्रथम कोयला खदान के सफल प्रचालन तथा छत्तीसगढ़ के बैलाडीला में निक्षेप 4 की कमीशनिंग के साथ, इसकी उत्पादन क्षमताओं एवं विविधीकरण रणनीति को और मजबूत करने के साथ वित्त वर्ष 2026 एनएमडीसी के लिए विस्तार योजना एवं परिवर्तन का निर्णायक वर्ष रहा है। इस

इस ऐतिहासिक अवसर पर अमिताभ मुखर्जी सीएमडी, एनएमडीसी ने कहा एमटी उत्पादन को पार करना एनएमडीसी के लिए केवल उत्पादन का मील का पत्थर नहीं है, यह हमारे तथा भारत के खनन क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है। झारखंड में एक नई कोयला खदान, बैलाडीला में नई लौह अयस्क खदान तथा इस रिकॉर्ड उत्पादन के साथ 2026 ने हमारा उत्साह और बढ़ा दिया है।

इस ऐतिहासिक मील के पत्थर के आधार पर, कंपनी नई खनन परियोजनाओं, क्षमता वृद्धि एवं इंफ्रास्ट्रकचर के विकास के माध्यम से 2030 तक 100+ एम टी से अधिक लौह अयस्क उत्पादन क्षमता प्राप्त करने की महत्वाकांक्षी योजना के साथ अपने विस्तार रोडमैप को तेज कर रही है।

विनोद कुमार का केंद्र पर निशाना, कालेश्वरम परियोजना पर बयान बताया भ्रामक

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में पूर्व सांसद बी विनोद कुमार ने राज्यसभा में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना को लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के बयान की आलोचना की है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मंत्री का यह कहना कि इस परियोजना पर खर्च हुए करीब 1 लाख करोड़ रुपये बर्बाद हो गए, भ्रामक और अनुचित है। उन्होंने बताया कि संसद में खुद मंत्री ने माना था कि सिंचाई परियोजनाओं से तेलंगाना में कृषि उत्पादन दोगुना हुआ है। विनोद कुमार ने कहा कि बीआरएस सांसदों ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा है और मंत्री से संसद में जवाब देने की मांग की है।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने बार-बार मांग के बावजूद कालेश्वरम परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं दिया। साथ ही, आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 में किए गए बदलावों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने सात मंडलों को वापस तेलंगाना में मिलाने और राज्य में संसदीय सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग दोहराई। विनोद कुमार ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार तेलंगाना के हितों को नजरअंदाज कर रही है और बाहरी राजनीतिक प्रभाव में फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि लंबित मुद्दों के समाधान के लिए जल्द कदम उठाए जाने चाहिए।

ऑनलाइन ट्रेडिंग ठगी में 9 आरोपी गिरफ्तार

लाखों की ठगी का खुलासा

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी के मामले में मलकाजगिरि पुलिस ने बुधवार को नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक लैपटॉप, 3 राउटर, 45 मोबाइल फोन, 25 चेकबुक, 40 एटीएम कार्ड, 20 सिम कार्ड और कई पहचान पत्र बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में के रेवंत कुमार, केथा विद्या चरण, कोलंती शिवा वर्मा, पवन, एम शिवा, के चंद्र शेखर, एम कार्तिकेय वर्मा और एन शिवा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, शहर के एक प्रोफेसर को शेयर बाजार में निवेश का लालच देकर साइबर ठगों ने 36.35 लाख रुपये की ठगी की। उन्हें अधिक मुनाफे का झांसा दिया गया था। बाद में ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच के बाद पुलिस ने आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी से इस गिरोह को गिरफ्तार कर लिया।

हनुमान जयंती पर विजय यात्रा, कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर 'श्री वीर हनुमान विजय यात्रा' को लेकर मलकाजगिरि ट्रैफिक पुलिस ने कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध लागू करने की घोषणा की है। मुख्य यात्रा गौलीगुडा राम मंदिर से सुबह 11:30 बजे शुरू होगी और लगभग 12 किलोमीटर का सफर तय करते हुए शाम करीब 8 बजे ताडबुंद स्थित हनुमान मंदिर पर समाप्त होगी।

पुलिस के अनुसार, करमंघाट सहित विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 14 सहायक जुलूस मुख्य यात्रा में शामिल होंगे, जबकि करीब 92 स्थानीय जुलूस भी अलग-अलग स्थानों से निकाले जाएंगे। यह जुलूस सीटीओ जंक्शन से होकर गुजरेगा और मलकाजगिरि-आनंदबाग रोड, ईसीआईएल क्रॉस रोड, सैनिकपुरी-याप्रल रोड, तारनाका-हब्सिगुडा मार्ग, करमंघाट और एलबी नगर जैसे क्षेत्रों में भारी ट्रैफिक जाम की संभावना है।

यात्रा के दौरान इन मार्गों पर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित रहेगी और कई जगहों पर डायवर्जन लागू रहेगा। साथ ही भारी वाहनों, आरटीसी बसों और मालवाहक गाड़ियों के प्रवेश पर भी रोक रहेगी। पुलिस ने नो-पार्किंग नियमों का सख्ती से पालन कराने की चेतावनी दी है और गलत तरीके से खड़े वाहनों को हटाया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए ताडबुंद में विशेष पार्किंग की व्यवस्था की गई है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे भीड़भाड़ वाले रास्तों से बचें और जरूरत पड़ने पर 112 नंबर या ट्रैफिक हेल्पलाइन से संपर्क करें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चहल ने तोड़ा जडेजा का आईपीएल रिकॉर्ड

7-15 ओवर के फेज में सबसे ज्यादा विकेट, अर्शदीप का 11 बॉल का ओवर

IPL में सबसे लंबे ओवर

गेंदबाज	गेंद	साल
मोहम्मद सिराज	11	2023
तुषार देशपांडे	11	2023
शार्दुल ठाकुर	11	2025
संदीप शर्मा	11	2025
हार्दिक पंड्या	11	2025
अर्शदीप सिंह	11	2026

IPL के 7-15 ओवर्स में सबसे ज्यादा विकेट

गेंदबाज	विकेट
युजवेंद्र चहल	138
रवींद्र जडेजा	136
पीयूष चावला	132
अमित मिश्रा	126
राशिद खान	102

न्यू चंडीगढ़, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल में पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस पर 3 विकेट से जीत दर्ज की। न्यू चंडीगढ़ में हुए इस मैच के दौरान दो रिकॉर्ड बने। युजवेंद्र चहल आईपीएल मैचों के 7 से 15 ओवर के फेज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। वहीं अर्शदीप सिंह ने एक ओवर पूरा करने के लिए सबसे ज्यादा गेंद फेंकने के अनचाहे रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इन दो रिकॉर्ड के अलावा कई ऐसे मोमेंट्स से भी गुजरे जिनकी चर्चा मीडिया और सोशल मीडिया दोनों पर हो रही है।

चहल ने तोड़ा रवींद्र जडेजा का रिकॉर्ड

युजवेंद्र चहल ने दो विकेट लिए। उन्होंने शुभमन गिल और जोस बटलर को आउट किया।

ये दोनों विकेट 7 से 15 ओवर के बीच आए। चहल अब आईपीएलह इतिहास में इस फेज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

अर्शदीप ने 11 बॉल का ओवर फेंका

अर्शदीप सिंह ने गुजरात के खिलाफ 11 गेंदों का ओवर फेंका। ऐसा गुजरात की पारी के 20वें ओवर में हुआ। अर्शदीप ने इस ओवर में 4 वाइड और 1 नो बॉल फेंकी। इसलिए इसे पूरा करने में उन्हें 11 गेंदें लगीं। ओवर में गुजरात ने 12 रन बनाए। अर्शदीप से पहले मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे, शार्दूल ठाकुर, संदीप शर्मा और हार्दिक पंड्या भी आईपीएल में 11-11 गेंद का ओवर फेंक चुके हैं।

पकंज आडवाणी ने डेब्यू में राष्ट्रीय 9 बॉल पूल का खिताब जीता

फाइनल में नितिन शर्मा को हराया

लुधियाना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के मशहूर क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला राष्ट्रीय 9-बॉल पूल खिताब जीत लिया। पेट्रोलियम खेल प्रमोशन बोर्ड का प्रतिनिधित्व कर रहे कई बार के विश्व चैंपियन आडवाणी ने दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में 11 अंक के फाइनल मुकाबले में चंडीगढ़ के नितिन शर्मा को 11-6 से हरा दिया।

बिलियड्र्स और स्नूकर में 28 विश्व खिताब जीतने वाले आडवाणी ने यह साबित कर दिया कि वे क्यू स्पोट्र्स के इस तेज-तर्रार प्रारूप में भी उतने ही माहिर हैं। उन्होंने धीमी शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। आडवाणी ने कहा, मुझे यकीन नहीं हो रहा, यह एक बहुत ही अलग तरह का खिताब है। मेरे लिए यह जीत बहुत मायने रखती है क्योंकि मैंने एक ऐसे खेल में जीत हासिल की है जो मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर है। एक कमजोर दावेदार के तौर पर शुरुआत करना और आखिर में ट्रॉफी जीतना, ऐसा कुछ है जिसकी मैंने अपने सपनों में भी कभी कल्पना नहीं की थी।

क्रिकेट से बोर हुआ तो ही रिटायरमेंट लूंगा : शमी

अभी खेल का पूरा मजा ले रहा हूं

लखनऊ से आईपीएल खेलेंगे

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा कि वह अभी रिटायरमेंट के बारे में नहीं सोच रहे हैं। वे तभी क्रिकेट छोड़ेंगे जब उन्हें खेल से बोरियत होगी। चयन या उम्र उनके फैसले का आधार नहीं होंगे।

परफॉर्मेंस पर फोकस, सिलेक्शन पर नहीं

35 साल के शमी पिछले एक साल से टीम इंडिया से बाहर हैं, जबकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। बंगाल के लिए 67 विकेट लिए, लेकिन इसके बावजूद उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली।

शमी ने कहा कि वे अपने प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं। उनके मुताबिक, एक खिलाड़ी के तौर पर वह अपनी जिम्मेदारी पूरी करेंगे, बाकी चयन उनके नियंत्रण में नहीं है।

रिटायरमेंट का फैसला खुद लेंगे

एक इंटरव्यू में शमी ने कहा कि जब खिलाड़ी के मन में रिटायरमेंट का ख्याल आता है, तो वह थक चुका होता है।

उन्होंने कहा कि वह न तो थके हैं और न ही बोर हुए हैं। उन्होंने कहा, जिस दिन उन्हें लगेगा कि अब खेल में मजा नहीं आ रहा या आलस महसूस हो रहा है, उसी दिन वह क्रिकेट छोड़ देंगे।

आईपीएल में नई टीम के साथ उतरेंगे

शमी इस बार आईपीएल में लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीम ने उन पर भरोसा जताया है और वह उसे पूरा करने की कोशिश करेंगे।

न्यूजीलैंड ने महिला वनडे इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर किया चेज

अमेलिया केर ने अकेले ठोके 179 रन

बे ओवल, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे वनडे में सिर्फ जीत ही दर्ज नहीं की बल्कि इतिहास भी रचा है. उसने महिला वनडे के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया है. न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 347 रन का टारगेट चेज किया, जो कि एक नया रिकॉर्ड है. इससे पहले चेज हुआ सबसे बड़ा टारगेट 339 रन का था. न्यूजीलैंड की इस ऐतिहासिक कामयाबी में उसकी 24 साल की कप्तान अमेलिया केर की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी नहीं मगर सबसे असरदार पारी खेली.

696 रन... न्यूजीलैंड ने चेज किया सबसे बड़ा टारगेट

न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच खेले दूसरे वनडे में कुल 696 रन बने. ये इन दोनों टीमों के बीच खेले महिला वनडे में सबसे ज्यादा बना रनों का योग है. इसमें साउथ अफ्रीका की महिला टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट पर 346 रन बनाए और न्यूजीलैंड के सामने एक ऐसा लक्ष्य रखा, जो पहले कभी नहीं भेदा गया था.

अमेलिया केर ने विकेट पर गाड़ा खूंटा

लेकिन, अमेलिया केर के कप्तान बनने के बाद से न्यूजीलैंड की महिला टीम के जो बदले तेवर दिखे हैं, उसका असर साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में भी दिखा. बड़े टारगेट के आगे कप्तान अमेलिया केर ने खुद से कमान संभाली और बल्लेबाजी पर उतरते ही विकेट पर खूंटा गाड़ दिया.

347 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए पहला विकेट न्यूजीलैंड का सिर्फ 21 रन पर गिरा. लेकिन, उसके बाद बल्लेबाजी के लिए आईं अमेलिया केर ने ना खुद पीछे मुड़कर देखा और ना अपनी टीम के सामने वैसी नौबत आने दी. उन्होंने एक छोर संभालकर अपना गेम खेलना शुरू कर दिया. इससे हुआ ये कि विकेट गिरे भी तो पता नहीं चला क्योंकि स्कोर बोर्ड को चलाने की चाबी कप्तान साहिबा ने अपने हाथ में ले रखी थी.

अमेलिया केर ने ठोके 179* रन, न्यूजीलैंड ने रचा इतिहास

साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में अमेलिया केर आखिर तक नाबाद रहीं और टीम को रिकॉर्ड जीत दिलाकर लौटीं. उन्होंने 139 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 179 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और 1 छक्का शामिल रहा. ये अमेलिया केर के वनडे करियर का छठा शतक रहा. अमेलिया केर वनडे में दोहरा शतक भी जमा चुकी हैं. ऐसे में बेशक ये उनके करियर की सबसे बड़ी पारी ना हो मगर असर के मामले वो सबसे आगे जरूर है. उसी का असर है कि साउथ अफ्रीका की महिला टीम वनडे इतिहास के सबसे बड़े टारगेट को डिफेंड नहीं कर सकी. उसी का नतीजा है कि उन्हें दूसरे वनडे में हार का सामना करना पड़ा. उसी का नतीजा है कि न्यूजीलैंड ने सीरीज में बराबरी कर ली है.

अमेलिया केर बनीं प्लेयर ऑफ द मैच

अब अपनी सिर्फ एक पारी से जो इतना कुछ हासिल करा दे, उस खिलाड़ी का प्लेयर ऑफ द मैच बनना तो जरूरी है. इस रिकॉर्डतोड़ मैच में भी प्लेयर ऑफ द मैच अमेलिया केर ही बनी.

एशियाई चैंपियनशिप में प्रिया की शानदार जीत

जादुमणि ने शीर्ष वरीय यामागुची को कड़ी टक्कर दी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। एशियन मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन भारत की प्रिया ने 5-0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि जादुमणि सिंह ने जापान के शीर्ष वरीय मुक्केबाज को मुकाबले के आखिर तक कड़ी टक्कर दी। महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कजाखस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। पूरे मुकाबले के दौरान उन्होंने गजब का नियंत्रण और संयम दिखाया जिसके दम पर वह अगले दौर में पहुंच गईं। अगले मुकाबले में उनका सामना चीन की चेंग्यू यांग से होगा, जो इस वर्ग की दूसरी वरीयता प्राप्त मुक्केबाज हैं।

पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला लड़ा, लेकिन आखिर में उन्हें 2-3 के खंडित फैसले से हार का सामना करना पड़ा। यामागुची इस वर्ग के शीर्ष वरीयता प्राप्त मुक्केबाज हैं और वह इस टूर्नामेंट में मजबूत दावेदार के तौर पर उतरे हैं। उनके नाम अस्ताना इवेंट में रजत पदक और मुक्केबाजी विश्व कप फाइनल में कांस्य पदक जैसी बड़ी उपलब्धियां दर्ज हैं। इतने अनुभवी और सफल प्रतिद्वंद्वी का सामना करने के बावजूद जादुमणि ने उन्हें हर पंच का करारा जवाब दिया। उन्होंने मुकाबले को आखिरी पल तक रोमांचक बनाए रखा और यह दिन के सबसे करीबी मुकाबलों में से एक साबित हुआ।

प्रीति-दीपक ने दिलाई थी शानदार शुरुआत

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में पूरे महाद्वीप से शीर्ष मुक्केबाजी प्रतिभाएं हिस्सा ले रही हैं।

इस टूर्नामेंट का हर मुकाबला मेडल राउंड तक पहुंचने की राह तय करने में अहम भूमिका निभाता है। पहले दिन, भारत की प्रीति पंवार और दीपक ने शानदार शुरुआत की थी। महिलाओं के 54 किलोग्राम वर्ग में, विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता प्रीति ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कजाखस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया था। एलिना बाजारोवा 2025 की एशियाई अंडर-22 चैंपियन रह चुकी हैं। पुरुषों के 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान के खावासबेक असादुल्लायेव को 3-2 के खंडित फैसले से कड़े मुकाबले में हरा दिया था।

15 लाख में बिके आशुतोष शर्मा

एमपीएल ऑक्शन में खिलाड़ियों पर हुई रुपयों की बारिश

इंदौर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के आगामी सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन किया गया। इस नीलामी में आशुतोष शर्मा सबसे चर्चित नाम बनकर उभरे और उन्होंने लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी होने का गौरव हासिल किया। मालवा स्टेलियंस ने भारी प्रतिस्पर्धा के बीच आशुतोष को 15 लाख रुपए की रिकॉर्ड कीमत पर अपनी टीम में शामिल किया।

नीलामी के दौरान केवल आशुतोष ही नहीं, बल्कि कई अन्य खिलाड़ियों की भी किस्मत चमकी। अक्षत रघुवंशी इस सूची में दूसरे स्थान पर रहे, जिन्हें रीवा जगुआर ने 13.80 लाख रुपए में खरीदा। वहीं अनिकेत वर्मा को भोपाल लेपड्र्स ने 13.20 लाख रुपए की ऊंची बोली लगाकर अपने पाले में किया। खिलाड़ियों की खरीद का सिलसिला यहीं नहीं थमा, बुंदेलखंड बुल्स ने शिवांग कुमार के लिए 13 लाख रुपए खर्च किए। भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके आवेश खान को चंबल घड़ियाल ने 8.20 लाख रुपए में लिया, जबकि शिवम शुक्ला को इंदौर पिंक पैंथर ने 6.60 लाख रुपए में साइन किया।

फ्रेंचाइजी को 50 लाख का बजट

एमपीएल के इस आयोजन में शामिल सभी फ्रेंचाइजी को खिलाड़ियों की खरीद के लिए 50 लाख रुपए का पर्स आवंटित किया गया था। इस नीलामी प्रक्रिया में कुल 244 खिलाड़ियों ने अपनी किस्मत आजमाई। टूर्नामेंट के शेड्यूल की बात करें तो जून 2026 में इसके मुकाबले इंदौर और ग्वालियर के मैदानों पर खेले जाएंगे। क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह टूर्नामेंट प्रदेश के बेहतरीन टेलेंट को देखने का एक बड़ा मंच साबित होगा।

उम्र सीमा के लिए बीसीसीआई ने बनाई नीति

इस बार एमपीएल में खिलाड़ियों की उम्र को लेकर एक महत्वपूर्ण नियम लागू किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए, 19 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों को इस टी-20 टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति नहीं दी गई है। बोर्ड की नीति के अनुसार, छोटी उम्र के खिलाड़ियों के लिए टी-20 प्रारूप को हतोत्साहित किया जाता है ताकि वे रेड बॉल क्रिकेट यानी टेस्ट और प्रथम श्रेणी मैचों जैसे लंबे प्रारूपों के प्रति अधिक गंभीर और केंद्रित रह सकें।

4 बार का चैंपियन इटली फीफा वर्ल्डकप नहीं खेल पाएगा

लगातार तीसरी बार क्वालिफायर राउंड से बाहर; 11 जून से है टूर्नामेंट

रोम, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इटली लगातार तीसरी बार फीफा वर्ल्ड कप में जगह बनाने से चूक गया। वर्ल्ड कप के यूरोपियन क्वालिफायर्स के फाइनल में उसे बोस्निया और हर्जेगोविना के हाथों पेनल्टी शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

फीफा वर्ल्ड कप अगले साल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में खेला जाएगा। यह वर्ल्ड कप का 23वां एडिशन होगा। इसके मुकाबले 16 शहरों में खेले जाएंगे। पहली बार टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं और मेजबानी एक साथ तीन देश कर रहे हैं। यूरोपियन क्वालिफायर्स का फाइनल आज जेनिका में खेला गया। चार बार की वर्ल्ड चैंपियन इटली के लिए शुरुआत अच्छी रही। मुकाबले के 15वें मिनट में मोइसे कीन ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, पहले हाफ के अंत से पहले ही डिफेंडर एलेसांद्रो बास्तोनी को रेड कार्ड मिल गया, जिससे इटली 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने को मजबूर हो गया।

दूसरे हाफ में बोस्निया ने इसका फायदा उठाया और 79वें मिनट में हारिस तबकोविच ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। फुल टाइम और एक्सट्रा टाइम में कोई टीम बढ़त नहीं बना सकी, जिसके बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया।

शूटआउट में इटली की टीम दबाव में बिखर गई। पियो एस्पोसिटो और ब्रायन क्रिस्टांटे अपने पेनल्टी मिस कर बैठे, जबकि बोस्निया के एस्मिरा बाजराक्टरेविक ने निर्णायक गोल कर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। पेनल्टी शूटआउट में बोस्निया ने 4 और इटनी ने 1 गोल किया। हार के बाद इटली के डिफेंडर लियोनार्डो स्पिनजोला ने कहा, हमें अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि हम टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं और यह सब इस तरह से हुआ है।

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना को ग्रुप जे में रखा गया है। स्पेन ग्रुप एच में है, फ्रांस ग्रुप आई में, जर्मनी ग्रुप ई में, पुर्तगाल ग्रुप के में और इंग्लैंड ग्रुप एल में है।

मैक्सवेल-रिचर्डसन ऑस्ट्रेलिया के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर

मेलबोर्न, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने 2026-27 सीजन के लिए 21 खिलाड़ियों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट जारी कर दी है। इस कॉन्ट्रैक्ट में खासतौर पर टेस्ट और मल्टी-फॉर्मेट खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। इस लिस्ट में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, झाय रिचर्डसन, लांस मॉरिस और रिटायर हो चुके उस्मान ख्वाजा को कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया गया है। युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास को भी मौका नहीं मिला। रिचर्डसन को तो पिछली बार ही कॉन्ट्रैक्ट मिला था, लेकिन एक साल के भीतर ही उन्हें बाहर कर दिया गया। वहीं ओपनर जैक वेदराल्ड और तेज गेंदबाज माइकल नेसर को टीम में शामिल किया गया है। नेसर ने हालिया एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके चलते उन्हें इस बार कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में जगह मिली है।

जेवियर बार्टलेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, ब्रेंडन डॉगेट, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, टॉड मर्फी, माइकल नेसर, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जैक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर, एडम जम्पा। ऑस्ट्रेलिया टीम अगले 12 महीनों में कुल 15 टेस्ट मैच खेलेगी। इसमें बांग्लादेश के खिलाफ घर पर 2 टेस्ट, साउथ अफ्रीका दौरे पर 3 टेस्ट, न्यूजीलैंड के खिलाफ घर पर 4 टेस्ट और भारत दौरे पर 5 टेस्ट मैच शामिल हैं। इसके अलावा मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 150वीं वर्षगांठ का एक खास टेस्ट भी खेला जाएगा।

इसके बाद 2027 के मिडिल में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेला जा सकता है, जबकि उसी साल इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज भी होगी। टेस्ट क्रिकेट के अलावा ऑस्ट्रेलिया टीम जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के खिलाफ दौरों पर, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर व्हाइट-बॉल सीरीज भी खेलेगी।

अर्जेंटीना में मुकाबले के बाद क्यों रोए लियोनल मेसी?

फैंस भी हुए भावुक; जीत से ली विदाई

ब्यूनस आयर्स, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के महान फुटबॉलरों में शुमार लियोनल मेसी ने फैंस की आंखें नम कर दीं। अर्जेंटीना में खेले गए अपने संभावित आखिरी घरेलू मैच के दौरान मेसी भावुक होकर रो पड़े। ब्यूनस आयर्स के ला बॉम्बोनेरा स्टेडियम में मैच से पहले फैंस के प्यार और नारों ने मेसी को भावुक कर दिया। वायरल वीडियो में वह अपनी आंखों से आंसू पोंछते नजर आए।

स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने अपने कप्तान के लिए खास माहौल बनाया। हर तरफ मेसी के नाम के नारे गूंज रहे थे। फैंस ने खड़े होकर उनका स्वागत किया और उन्हें एक और वर्ल्ड कप जिताने की अपील की। यह पल किसी विदाई समारोह से कम नहीं था।

भावनाओं के बीच भी मेसी ने अपने प्रदर्शन में कोई कमी नहीं आने दी। अर्जेंटीना ने जाम्बिया टीम को 5-0 से हराया। मेसी ने मैच के चौथे मिनट में जूलियन अल्वारेज के लिए गोल असिस्ट किया और फिर 43वें मिनट में खुद भी गोल दागा। इसके अलावा वेलेनटीन बार्को और निकोलस ओटामेंडी ने भी गोल किए।

मैच से पहले अर्जेंटीना के कोच लियोनल स्कालोनी ने टीम को लेकर सख्त रुख अपनाया था। उन्होंने साफ कहा था, 'हमने 55 खिलाड़ियों की सूची दे दी है, लेकिन अंतिम 26 में जगह बनाने के लिए प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को बाहर करना होगा।' इससे पहले मॉरिटानिया के खिलाफ टीम का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा था, जिससे चयन को लेकर दबाव बना हुआ था। जाम्बिया के खिलाफ मुकाबले में अर्जेंटीना ने शानदार खेल दिखाया और आलोचनाओं का जवाब दिया। कोच ने लगभग वही टीम उतारी, जिसने 2022 वर्ल्ड कप फाइनल में फ्रांस को हराया था। हालांकि, मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल सके।

यह मैच वर्ल्ड कप 2026 से पहले अर्जेंटीना का आखिरी घरेलू मुकाबला था। टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 जून को अल्जीरिया के खिलाफ करेगी, इसके बाद ऑसट्रिया और जॉर्डन से भिड़ेगी। मेसी एक बार फिर टीम के अहम खिलाड़ी होंगे और यह भावुक पल उनके शानदार करियर का एक यादगार अध्याय बन गया।

तेलंगाना के साथ वादाखिलाफी पर बरसे मंत्री

अमरावती पर बिल का किया स्वागत

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती के गठन को कानूनी मान्यता देने के लिए लोकसभा में केंद्र सरकार द्वारा बिल पारित किए जाने का मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने आंध्र प्रदेश की जनता को बधाई भी दी। हालांकि, उन्होंने साथ ही केंद्र सरकार पर तेलंगाना राज्य को विभाजन के समय दिए गए वादों के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। मंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश पुनर्विभाजन अधिनियम 2014 के तहत तेलंगाना को कई महत्वपूर्ण आश्वासन दिए गए थे, लेकिन उनके कार्यान्वयन में केंद्र का रवैया भेदभावपूर्ण रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि बय्यारम इस्पात संयंत्र, काजीपेट रेलवे कोच फैक्ट्री, आईआईएम और सिंचाई परियोजनाओं को राष्ट्रीय दर्जा देने जैसे प्रमुख प्रोजेक्ट अब तक लागू नहीं हो पाए हैं। ये सभी परियोजनाएं तेलंगाना के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, पिछड़े क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष निधि और औद्योगिक प्रोत्साहनों के मामले में

भी केंद्र सरकार अपने वादों से पीछे हटती नजर आ रही है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने स्पष्ट किया कि एक राज्य को कानूनी मजबूती देते हुए आगे बढ़ाना और दूसरे राज्य को दिए गए वादों की अनदेखी करना उचित नहीं है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि तेलंगाना की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए विभाजन कानून में किए गए सभी वादों को तुरंत पूरा किया जाए।

अतिक्रमण के खिलाफ हाइड्रा की बड़ी कार्रवाई

खेल मैदान पर हुए अवैध कब्जों को हटाया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में हाइड्रा ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए रंगारेड्डी जिले के राजेंद्रनगर मंडल के मैलारदेवपल्ली गांव स्थित शास्त्रीपुरम कॉलोनी में खेल मैदान पर हुए अवैध कब्जों को हटाया।

इस कार्रवाई में बुधवार को निर्माणाधीन 5 इमारतों को ध्वस्त कर करीब 100 करोड़ रुपए की सरकारी भूमि को बचाया गया। हाइड्रा ने 188 एकड़ के हूडा - अनुमोदित लेआउट में खेल मैदान के लिए आवंटित भूमि पर बने अवैध ढांचों को हटाया। इस दौरान जी+3 स्तर के निर्माणाधीन पांच भवनों के साथ-साथ दो एक-कमरे के ढांचे भी हटाए गए। इस लेआउट में 1800 से अधिक प्लॉट हैं, जिसमें 6,500 वर्ग गज भूमि खेल मैदान के लिए निर्धारित की गई थी। इसके बावजूद, स्थानीय कब्जाधारियों द्वारा पिछले तीन वर्षों से इस जमीन को नोटरी के माध्यम से बेचने का कार्य किया जा रहा था। बिना किसी अनुमति के निर्माण कार्य जारी था। जीएचएमसी ने पहले भी नोटिस जारी किए थे और 2024 में ध्वस्तीकरण के आदेश भी दिए थे, लेकिन इनकी अनदेखी करते हुए निर्माण जारी रखा गया। स्थानीय लोगों की शिकायत पर हाइड्रा ने संज्ञान लिया।

पोल्ट्री दुकानों के बंद के बीच चिकन शॉप पर विवाद

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में राज्यव्यापी पोल्ट्री दुकानों के बंद के दौरान बुधवार को एलबी नगर इलाके में एक चिकन दुकान को लेकर विवाद हो गया, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, करमंघाट स्थित एक चिकन दुकान बंद के बावजूद खुली हुई थी। इस पर स्थानीय पोल्ट्री दुकान मालिकों के संघ के सदस्य वहां पहुंचे और दुकान मालिक से बंद का पालन करने को कहा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और कुछ लोगों के बीच हाथापाई भी हो गई। इस दौरान गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने दुकान से अंडों की ट्रे उठाकर सड़क पर फेंक दीं और विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब सभी लोग बंद का समर्थन कर रहे हैं, तो कुछ दुकानदार नियम तोड़कर दुकानें खोल रहे हैं, जो गलत है।

राजस्व विभाग में क्रांतिकारी सुधार शुरू : पोंगुलेटी

अब किसानों को 'मी सेवा' केंद्रों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में भूमि विवादों का स्थायी समाधान करने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग में क्रांतिकारी सुधार शुरू किए गए हैं। यह बात राज्य के राजस्व, हाउसिंग एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कही। उन्होंने बताया कि किसानों को पारदर्शी और सरल सेवाएं प्रदान करने के लिए भूमि, सर्वे और पंजीकरण विभागों को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाते हुए इंटीग्रेटेड 'भूभारती पोर्टल' तैयार किया गया है।

इस पोर्टल को 2 अप्रैल से पांच मंडलों में प्रायोगिक रूप से लागू किया जाएगा। मंत्री ने केरल दौरे के दौरान राजस्व अधिकारियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोर्टल को किसान-केंद्रित बनाते हुए आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने बताया कि खम्मम जिले के कुसुमंची, भद्राद्रि कोत्तागुडेम जिले के अश्वारावपेट, रंगारेड्डी जिले के अमंगल, संगारेड्डी जिले के वटपल्ली और नारायणपेट जिले के कोसगी मंडलों में इसे लागू किया जाएगा।

अब किसानों को 'मी सेवा' केंद्रों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। वे अपने घर बैठे स्मार्टफोन के माध्यम से भूमि संबंधी सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे। पोर्टल में लॉगिन करते ही किसान को उसकी भूमि का पूरा विवरण दिखाई देगा। आवश्यक सर्वे के लिए आवेदन करने पर फीस की जानकारी मिलेगी और भुगतान के बाद संबंधित लाइसेंस प्राप्त सर्वेयर को सूचना भेजी जाएगी। दो दिनों के भीतर पड़ोसी किसानों को नोटिस जारी किए जाएंगे और सात दिनों के भीतर सर्वे की तिथि तय की जाएगी। इसके बाद आधुनिक

रोवर तकनीक के माध्यम से सर्वे पूरा किया जाएगा और विवरण सिस्टम में दर्ज होगा। मंडल सर्वेयर की जांच और तहसीलदार की स्वीकृति के बाद आवेदक किसान को एलपीएम और भूधार नंबर आवंटित किए जाएंगे, जो पोर्टल में भी दर्ज रहेंगे। सर्वे पूरा होने के बाद सर्वे मैप जनरेट कर पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। आवेदन की शुरुआत से लेकर पूर्ण होने तक हर चरण में नागरिकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस अलर्ट भेजे जाएंगे। भूभारती कानून के तहत कृषि भूमि के पंजीकरण के समय सर्वे मैप को अनिवार्य रूप से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक सर्वे मैप को एक यूनिक नंबर और प्रत्येक सर्वे नंबर को आधार की तरह भूधार नंबर दिया जाएगा।

पुराने सर्वे उपकरणों की जगह आधुनिक रोवर तकनीक अपनाने से सर्वे प्रक्रिया तेज और अधिक सटीक होगी। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि भूमि संबंधी समस्याएं किसानों के जीवन में बड़ी बाधा रही हैं। 'भूभारती पोर्टल' इन समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और यह राजस्व व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन की शुरुआत साबित होगा।

राज्यपाल ने किए भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन

तिरुपति, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने बुधवार सुबह अपने परिवार के साथ तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। मंदिर के महाद्वारम पर पहुंचने पर अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। राज्यपाल ने अपनी पत्नी जानकी शुक्ला के साथ पहले ध्वजस्तंभ पर श्रद्धा अर्पित की, इसके बाद गर्भगृह में जाकर भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। रंगनायक मंडपम में वैदिक पंडितों ने दंपति को आशीर्वाद दिया।

मंदिर प्रशासन ने उन्हें श्रीवारी तीर्थ प्रसाद, चित्र और कैलेंडर भेंट किए। दर्शन के बाद टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी वेंकय्या चौधरी ने राज्यपाल को शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इसके बाद राज्यपाल दंपति ने तिरुचनूर स्थित श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर में भी पूजा-अर्चना की।

मल्काजगिरी में आर्थिक अपराध शाखा कार्यालय का उद्घाटन

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी के पुलिस आयुक्त द्वारा सीपीओ नेरेडमेट स्थित आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया गया। यह पुलिस स्टेशन अब नेरेडमेट स्थित पुलिस क्वार्टर्स में संचालित होगा। पुलिस स्टेशन की कार्यवाही की शुरुआत मलकाजगिरी पुलिस आयुक्त द्वारा जीडी एंट्री के साथ की गई। इस ईओडब्लू पुलिस स्टेशन की निगरानी डीसीपी रोड सेफ्टी के. मनोहर करेंगे। उनके साथ दो सहायक पुलिस आयुक्त पी. सत्यैया और सी. अंजैया तथा तीन इंस्पेक्टर के. भास्कर, ए. सूर्य नायक और श्री के. रवि कुमार कार्य करेंगे। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) में 2 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े मामलों को दर्ज किया जाएगा, जिनमें धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और दस्तावेजों की जालसाजी शामिल हैं। इसके अलावा, तेलंगाना स्टेट प्रोटेक्शन ऑफ डिपॉजिटर्स ऑफ फाइनेंशियल एस्टैब्लिशमेंट्स एक्ट, 1999 (2023 संशोधन सहित) के तहत 1 करोड़ रुपए से अधिक के मामलों को भी यहां दर्ज किया जाएगा। इसके साथ ही, मल्काजगिरी पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार अन्य मामलों को भी इस शाखा में लिया जा सकेगा।

किसान रजिस्ट्री में 112 प्रतिशत उपलब्धि के साथ राज्य देश में अग्रणी: मंत्री तुम्मला

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र

वार्ता)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में राज्य के मंत्री तुम्मला ने भाग लिया और कृषि से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान मंत्री तुम्मला ने बताया कि राज्य ने किसान फार्मर रजिस्ट्री में 112 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर देश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। इस पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सरकार की सराहना की। मंत्री तुम्मला ने कहा कि आगामी तीन महीनों के भीतर पासबुक रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने राज्य में यूरिया की उपलब्धता और यूरिया ऐप के कार्यान्वयन की जानकारी भी केंद्रीय मंत्री को दी। साथ ही, मंत्री तुम्मला ने आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि निर्धारित आवंटन के अनुसार राज्य को समय पर यूरिया की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

केरल में कांग्रेस बहुमत के साथ सरकार बनाएगी : सूरज तिवारी

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस कमेटी के प्रोटोकाल सचिव सूरज तिवारी ने कहा कि केरल में कांग्रेस पार्टी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। कांग्रेस देश के विकास के लिए काम रह रही है। केरल के लोग आशा भारी निगाह से कांग्रेस की ओर देख रहे है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी केरल में प्रचार में जुटे हुए है। वे लगातार तूफानी जनसभा और जनसम्पर्क अभियान चला है। अपनी तेलंगाना कांग्रेस कमेटी की

टीम के साथ केरल प्रचार के लिए रवाना हो रहे प्रोटोकाल सचिव सूरज तिवारी ने बताया कि तेलंगाना कांग्रेस की पूर्व प्रभारी व एआईसीसी की राष्ट्रीय महासचिव दीपादास मुंशी मौजूदा समय में केरल कांग्रेस की एआईसीसी प्रभारी है। उनके लंबे राजनीतिक अनुभव का केरल कांग्रेस को लाभ मिल रहा है। उनके देखदेख में पार्टी चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केरला में सरकार बनाकर जनकल्याण करेगी। कांग्रेस पार्टी देश हित में काम कर रही है। कांग्रेस सत्ता के लिए नहीं बल्कि गरीबों, मजदूरों, जरूरतमंदों के लिए लड़ रही है। तेलंगाना कांग्रेस की टीम केरल चुनाव में अहम भूमिका निभा रही है।

जर्मनी और जापान में नर्सों की भारी मांग: विवेक

मंत्री ने टीजीआईआईसी भवन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार एवं खनन मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि जर्मनी और जापान जैसे देशों में नर्सों की भारी मांग है, जहां उन्हें प्रति माह 2 लाख रुपए तक का वेतन मिल सकता है। उन्होंने बताया कि रोजगार के अवसरों का अध्ययन करने के लिए जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल जर्मनी का दौरा करेगा। मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि इज़राइल में निर्माण क्षेत्र में नौकरियों के लिए करीब 1,000 उम्मीदवारों को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है। हालांकि, वहां चल रहे युद्ध के कारण फिलहाल इस प्रक्रिया को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि हालात सामान्य होने पर इसे फिर से शुरू किया जाएगा। इससे पहले मंत्री ने प्रधान सचिव दाना किशोर के साथ हैदराबाद के मसाब टैंक स्थित टीजीआईआईसी भवन का निरीक्षण किया। रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग ने यहां टाकाम

कार्यालय स्थापित करने के लिए भवन को लीज पर लिया है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालय का बुनियादी ढांचा इस प्रकार विकसित किया जाए कि विदेश में रोजगार की इच्छा रखने वाले युवाओं को समग्र प्रशिक्षण मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य टामकाम के माध्यम से बड़े पैमाने पर विदेशी रोजगार के अवसर सृजित करना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में टाकाम के लिए 90 करोड़ का विशेष प्रावधान किया गया है। उम्मीदवारों को विदेशी संस्कृति, भाषा और जीवनशैली पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे विदेश में आसानी से समायोजित हो सकें। छात्रों के लिए सहायता का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर में पढ़ने वाले छात्रों के लिए शुरू की गई 2,000 की छात्रवृत्ति काफी लाभकारी होगी। इन केंद्रों से इच्छुक उम्मीदवारों की पहचान कर उन्हें विदेश रोजगार के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि टीजीआईआईसी भवन में छात्रों को एंड-टू-एंड प्रशिक्षण देने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

श्री सीतारामुलु कल्याणोत्सव के लिए पुख्ता इंतजाम: वेंकैया चौधरी

तिरुपति, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ओंटिमिट्टा में आयोजित श्री सीतारामुलु कल्याणोत्सव के अवसर पर भक्तों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टीटीडी ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। यह जानकारी टीटीडी के एडिशनल ईओ सीएच. वेंकैया चौधरी ने बुधवार को दी। श्री चौधरी ने जिला कलेक्टर चेर्कुरी श्रीधर के साथ कल्याण वेदिका पर तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि भक्तों के लिए गैलरी का आयोजन किया गया है ताकि वे कल्याणोत्सव का आनंद पूरी संतुष्टि के साथ ले सकें। प्रसाद वितरण और अन्नप्रसाद के लिए विशेष काउंटर बनाए गए हैं, और भक्तों के लिए क्यू प्रणाली सुनिश्चित की गई है ताकि सभी सुव्यवस्थित तरीके से सेवा प्राप्त कर सकें। एडिशनल ईओ ने कहा कि श्रीवारी सेवक भक्तों को व्यापक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, वहीं जिला प्रशासन, टीटीडी अधिकारी और कर्मचारी योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रहे हैं। ओंटिमिट्टा में श्री कोदंडराम स्वामी मंदिर और कल्याण वेदिका के आसपास विद्युत सजावट और पुष्प अलंकरण विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। भक्तों से आग्रह किया गया है कि वे क्यू प्रणाली का पालन करते हुए कल्याण वेदिका तक पहुंचें और कल्याण समाप्त होने के बाद उसी क्रम में लौटें। इस निरीक्षण कार्यक्रम में जिला टीटीडी जेईओ वी. वीरब्रह्मम, सीवीएसओ के. वी. मुरलीकृष्ण, जिला प्रशासन और टीटीडी अधिकारी मौजूद रहे।

एससीआर ने 21,211.92 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व हासिल किया

चौथे वित्तीय वर्ष में राजस्व के क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक का सर्वाधिक 21,211.92 करोड़ रुपये का सकल उत्पत्ति राजस्व दर्ज कर नई ऊंचाइयों को छुआ है। यह उपलब्धि जोन की स्थापना के बाद से सबसे बड़ी है। टीम एससीआर के समर्पित प्रयासों के चलते लगातार चौथे वित्तीय वर्ष में राजस्व के क्षेत्र में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया गया है। पिछले वित्तीय वर्ष (2024-25) की तुलना में वर्ष 2025-26 में 3.12% की वृद्धि दर्ज की गई है, जो माल और यात्री दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है। विशेष रूप से माल ढुलाई पर दिए गए जोर ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 147.87 मिलियन टन माल लोडिंग के साथ एससीआर ने 13,835.27 करोड़

रुपये का राजस्व अर्जित किया। यह उपलब्धि विभिन्न माल परिवहन धाराओं के विस्तार के लिए किए गए निरंतर प्रयासों का परिणाम है। इसके अतिरिक्त, एससीआर ने यात्री खंड में भी रिकॉर्ड 6,235.37 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो वर्ष 2024-25 के 5,714.83 करोड़ रुपये के पिछले सर्वश्रेष्ठ आंकड़े से 9.11% अधिक है। इस उपलब्धि के साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य को 1.42% से अधिक हासिल किया गया। वर्ष 2025-26 में 286.44 मिलियन यात्रियों को सेवा प्रदान कर यह राजस्व प्राप्त हुआ। अन्य कोचिंग खंड में भी एससीआर ने 515.18 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जिसमें पार्सल आय, टिकट जांच दंड, कोच बुकिंग आदि शामिल हैं। इसके साथ ही विविध आय के अंतर्गत 626.10 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 36.98% अधिक है। इसमें पार्किंग, कैटरिंग, गैर-किराया राजस्व, पे एंड यूज शौचालय, रिटायरिंग रूम आदि शामिल हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह मील का पत्थर टीम एससीआर की सामूहिक प्रतिबद्धता और समन्वित प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने भविष्य में भी नवाचार, दक्षता में सुधार और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ इस प्रगति को बनाए रखने पर जोर दिया।

एनएरेडको तेलंगाना की नई कार्यकारिणी घोषित

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (तेलंगाना) ने 2026-2028 कार्यकाल के लिए अपनी नई कार्यकारी समिति और प्रमुख पदाधिकारियों की घोषणा कर दी है। नई टीम में अध्यक्ष पद पर श्रीधर रेड्डी कोप्पुला को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा कार्यकारी उपाध्यक्ष के रूप में काली प्रसाद दमेरा और गोपाल कृष्ण कोरिपल्ली को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महासचिव पद पर वेंकटेश्वर राव रावुला और कोषाध्यक्ष के रूप में सुधाकर रेड्डी कोंडाला को चुना गया है। नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीधर रेड्डी कोप्पुला का रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। वे मेगाश्री कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड और अपुरूपा इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भी हैं और पिछले 15 वर्षों से संगठन से जुड़े हुए हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.